खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | गुरुवार, 02 जनवरी, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-7 | अंक-2

भारत में क्लिनिकल-ट्रायल के नाम पर हो रहा आपराधिक कृत्य

जमीन के बाद अब कोख को भी बंजर बनाने का कुचक्र

सावधान! देश की नई नस्ल को बना रहे हैं बांझ

राहुल दत्त

देहरादून, 01 जनवरी। भारत में क्लिनिकल-ट्रायल के नाम पर आपराधिक कृत्य हो रहा है। देश की नई नस्ल को बांझ बनाने का कुचक्र चल रहा है। जिस तरह भारत की उपजाऊ जमीन को बंजर बनाया गया, उसी तरह भारत की माताओं की कोख को बंजर बनाने के लिए लड़कियों के शरीर पर तमाम दुष्प्रयोग किए जा रहे हैं, जिसे क्लिनिकल ट्रायल का नाम दिया जा रहा है।

देश की प्रजनन क्षमता को भयावह डिजाइनों के जरिए निशाना बनाया जा रहा है। इस साल के बजट सत्र के दौरान, केंद्रीय वित्त मंत्री ने सर्वाइकल कैंसर वैक्सीन को यूनिवर्सल इम्यूनाइजेशन प्रोग्राम में शामिल किया। यह वैक्सीन पहले चरण में नौ से छब्बीस साल की लड़कियों को दी जाएगी। इसके बाद, यही वैक्सीन कम उम्र के लड़कों को भी दी जाएगी।

भारतीय एचपीवी वैक्सीन, सर्वावैक को टीकाकरण के लिए चुना गया है। 9 से 26 वर्ष की आयु के कम से कम 49 मिलियन युवा भारतीय हैं। सर्वावैक वैक्सीन की विशेषताओं का विवरण देने वाले ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया को प्रस्तुत किए गए दस्तावेज के अनुसार, क्लिनिकल ट्रायल्स में केवल एक हज़ार पांच सौ तीस प्रतिभागी शामिल थे। दस्तावेज में कहा गया है कि प्रजनन क्षमता के संबंध में भावी क्लिनिकल अध्ययनों से कोई मानव डेटा उपलब्ध नहीं था। क्लिनिकल ट्रायल्स में 1,530 लोगों में से, 15 से 26 वर्ष की आयु की केवल 343 लड़कियों

लड़कियों को जबरन लगाई जा रही एचपीवी वैक्सीन

को यौन संबंधों के लिए शारीरिक रूप से परिपक्व माना जा सकता है। अन्य लड़कियां जब इसके लायक ही नहीं हैं तो उन्हें वैक्सीन ट्रायल के लिए कैसे चुन लिया गया?यह एक बड़ी आपराधिक भूल है क्योंकि एचपीवी वैक्सीन हमारे देश में आवश्यक आधिकारिक परीक्षणों से गुजरे बिना ही क्लिनिकल ट्रायल के लिए आ गई। आंध्र प्रदेश और गुजरात में सरकारी छात्रावासों में रहने वाली आदिवासी लड़कियों पर एचपीवी वैक्सीन के परीक्षणों के परिणामस्वरूप मासूम लड़कियों की मौत हो गई। गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर के टीके के लिए क्लिनिकल परीक्षण केवल लड़कियों को दिए जाने वाले इंजेक्शन नहीं हैं। वे एक लड़की के सबसे निजी अंग की जांच करते हैं, वह भी उसकी सहमति के बगैर। नौ साल की लड़की जो क्लिनिकल परीक्षण और उसके निहितार्थों को बारे में समझ नहीं सकती, वह सहमति कैसे दे सकती है। यानी, परीक्षण के पहले ली जाने वाली सहमतियां बिल्कुल निरर्थक और गैरकानूनी हैं।

हमारे देश में बाल विवाह कानून द्वारा निषिद्ध है। भारत में नौ वर्ष की छोटी सी उम्र में लड़कियां यौन गतिविधियों में शामिल नहीं होती हैं। यह जानते हुए भी राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम पूरी आबादी को कवर कर रहा है। नौ वर्ष या उससे अधिक उम्र की लड़कियों को एचपीवी टीकाकरण में शामिल करना सरकार के आपराधिक कृत्य का क्रूर प्रमाण है। अठारह वर्ष से कम उम्र की लड़कियों के लिए राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम में एचपीवी वैक्सीन को शामिल करने के लिए निर्णय लेने वालों से यह सवाल पूछा जाना चाहिए कि टीकाकरण के कारण बच्चे पैदा करने की क्षमता समाप्त हो जाए तो पूरी पीढ़ी ▶10 पर

मणिपुर के सीएम एन बीरेन सिंह ने कांग्रेस को दिखाया आईना

कांग्रेस का पुराना पाप है मणिपुर की हिंसा

इंफाल, 01 जनवरी (एजेंसियां)। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने नए साल के मौके पर मणिपुर के लोगों से माफी तो मांगी है, लेकिन यह माफी कांग्रेस नेताओं के मुंह पर करारे तमाचे की तरह है। क्योंकि जिन्हें माफी मांगनी चाहिए थी, वे ओछी राजनीति की रोटी सेंक रहे हैं। मणिपुर हिंसा को लेकर चिल्लपों मचा रही कांग्रेस अपने पुराने पाप छुपाने की कोशिश कर रही है। मणिपुर की मौजूदा हालात के लिए एकमात्र कांग्रेस जिम्मेदार है, जिसने मणिपुर को देश से काटने की कोशिश की और इस कुचक्र में म्यांमार और बाहरी देशों के उग्रपंथियों को लाकर बसाया। मणिपुर के मूल वासियों के साथ बाहरी लोगों की भिड़ंत कराई, अफीम की खेती का फायदा उठाया और मणिपुर को काट कर अंतरराष्ट्रीय ड्रग

मैंने हिंसा से प्रभावित और पीड़ित लोगों से माफी मांगी है

कांग्रेस को अपने पुराने पाप के लिए माफी मांगनी चाहिए

कार्टेल के हाथों में सौंपने की साजिश रची। इन साजिशों ने सांस्कृतिक और सामाजिक सौहार्द के प्रतीक मणिपुर को विभेद और हिंसा का केंद्र बना दिया। मैइती और कुकी समुदायों के बीच का तनाव और गहरा गया। साल 2024 की शुरुआत ही हिंसा के साथ हुई, जब 1 जनवरी को थौबल जिले में प्रतिबंधित पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के हमले में चार ग्रामीण मारे गए। यह घटना अवैध ड्रग व्यापार के पैसे से जुड़े विवाद से जुड़ी थी। इस हिंसा को कांग्रेस ने हवा दी और यह इस कदर फैल गई कि पांच घाटी जिलों में निषेधाज्ञा लगानी पड़ी। हिंसा में सैकड़ों लोग मारे गए और हजारों लोग विस्थापित हुए।मणिपुर में हिंसा की हालत को लेकर पीएम मोदी को कठघरे में खड़ा करने का प्रयास कर रही कांग्रेस को मुख्यमंत्री एन बिरेन सिंह ने आईना दिखाया है। ▶10 पर

सीएम बीरेन सिंह की माफी में नई शुरुआत की उम्मीद

इंफाल, 01 जनवरी (एजेंसियां)। साल 2024 के दुखद दौर पर तकलीफ जताते हुए मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने हिंसा से प्रभावित लोगों और पीड़ितों के प्रति अपनी संवेदना जताते हुए उनसे माफी मांगी और नए साल के आगमन पर प्रदेश में शांति और स्थिरता की उम्मीद जताई। मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने 31 दिसंबर को कहा कि यह साल मणिपुर के लिए बेहद दुर्भाग्यपूर्ण रहा। मैं इस साल की घटनाओं पर गहरा खेद व्यक्त करता हूं।

मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने कहा कि राज्य में पिछले तीन-चार महीनों में शांति स्थापित करने के प्रयासों में ▶10 पर

रक्षा मंत्रालय ने 2025 को सुधारों का वर्ष घोषित किया

एकीकृत सैन्य कमान की स्थापना होगी

नई दिल्ली, 01 जनवरी (एजेंसियां)। रक्षा मंत्रालय ने 2025 को सुधारों का वर्ष घोषित किया है। देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि वर्ष 2025 में रक्षा मंत्रालय साइबर और अंतरिक्ष जैसे नए क्षेत्रों और उभरती प्रौद्योगिकियों पर ध्यान केंद्रित करेगा। मंत्रालय सैन्य क्षमता के तीव्र विकास के लिए अधिग्रहण प्रक्रियाओं को भी सरल और समयबद्ध बनाएगा। रक्षा सुधार से एकीकृत सैन्य कमान की स्थापना में सुविधा होगी। केंद्र सरकार एकीकृत सैन्य कमान की शीघ्र स्थापना करने पर विचार कर रही है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि सुधारात्मक उपायों को सशस्त्र बलों को तकनीकी रूप से उन्नत और युद्ध के लिए तैयार ऐसे बल में बदलने के लिए लागू किया जाएगा, जो बहु-क्षेत्रीय एकीकृत संचालन में सक्षम होगा। मंत्रालय ने कहा कि 2025 में साइबर और अंतरिक्ष जैसे नए क्षेत्रों, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), मशीन लर्निंग, हाइपरसोनिक और रोबोटिक्स जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि सुधार का वर्ष सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण की

साइबर, स्पेस और एआई जैसे संवेदनशील क्षेत्रों पर होगा फोकस

यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। यह देश की रक्षा तैयारियों में अभूतपूर्व प्रगति की नींव रखेगा और इस प्रकार 21वीं सदी की चुनौतियों के बीच राष्ट्र की सुरक्षा एवं संप्रभुता सुनिश्चित करने की तैयारी करेगा। रक्षा मंत्री की अध्यक्षता में हुई एक उच्च स्तरीय बैठक में 2025 को सुधार वर्ष के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया। इस बीच महिंद्रा समूह के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने कहा कि भारत वैश्विक गठबंधनों में बदलाव के अवसर का लाभ उठाकर अपनी आर्थिक क्षमता को बढ़ा सकता है और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला प्रणाली में ▶10 पर

रक्षा और प्रशासन तंत्र के नाकारेपन का प्रमाण

बांग्लादेशी घुसपैठिया बन गई ग्राम प्रधान

टीएमसी का संरक्षण फर्जी दस्तावेजों पर नागरिकता दिलाई

कोलकाता, 01 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की सत्ताधारी पार्टी टीएमसी की एक ग्राम पंचायत प्रधान बांग्लादेशी घुसपैठिया है। टीएमसी की नेता और ग्राम प्रधान लवली खातून ने टीएमसी की मदद से जाली दस्तावेजों के आधार भारत की नागरिकता हासिल की और पश्चिम बंगाल के हरिशचंद्रपुर ब्लॉक-1 के रशीदाबाद पंचायत की प्रधान बन बैठी। लवली खातून टीएमसी की मदद से फर्जी प्रमाण पत्र बनवाकर कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ा और प्रधान पद पर जीत हासिल की। खूबी यह है कि लवली खातून प्रत्याशी कांग्रेस पार्टी की थी, लेकिन समर्थन तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) दे रही थी। इस मामले में कलकत्ता हाईकोर्ट ने उप विभागीय अधिकारी से रिपोर्ट मांगी है। ▶10 पर

भारत पाकिस्तान ने परमाणु प्रतिष्ठानों की सूची साझा की

कैदियों और पकड़े गए मछुआरों की सूची भी एक दूसरे को दी

नई दिल्ली, 01 जनवरी (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान ने बुधवार को अपने परमाणु प्रतिष्ठानों की सूची का आदान-प्रदान किया। यह आदान-प्रदान दोनों देशों के बीच एक समझौते के तहत किया गया है। यह समझौता दोनों देशों को एक-दूसरे के परमाणु ठिकानों पर हमला करने से रोकता है और यह तीन दशकों से चली आ रही परंपरा का हिस्सा है।

विदेश मंत्रालय ने बताया कि यह आदान-प्रदान परमाणु प्रतिष्ठानों और सुविधाओं पर हमले को रोकने के समझौते के तहत किया गया। यह सूची नई दिल्ली और इस्लामाबाद में एक साथ कूटनीतिक चैनलों के जरिए साझा की गई। ▶10 पर

नए साल पर किसानों को मोदी सरकार का तोहफा

खाद पर अब ज्यादा मिलेगी सब्सिडी

नई दिल्ली, 01 जनवरी (एजेंसियां)। नए साल 2025 की पहली मोदी कैबिनेट बैठक में किसानों के लिए महत्व-पूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी मिली। इसमें डीएपी खाद बनाने वाली कंपनियों के लिए सरकार ने स्पेशल पैकेज को मंजूरी दी। इससे किसानों को डीएपी के लिए ज्यादा कीमत नहीं चुकानी पड़ेगी और वो खाद पर ज्यादा सब्सिडी हासिल कर सकेंगे। डीएपी बनाने वाली कंपनियों को मिलने वाली सब्सिडी के अतिरिक्त सरकार आर्थिक मदद भी देगी।

मोदी कैबिनेट की बैठक में केंद्र सरकार ने डीएपी खाद निर्माताओं को राहत दी है। इसके तहत इन्हें सब्सिडी के अलावा आर्थिक सहायता देने पर भी मंजूरी दी गई है। इन फैसलों का लक्ष्य कृषि उत्पादकता को बढ़ावा देना, किसानों को आर्थिक रूप से मदद देना और जरूरी खाद तक किफायती पहुंच दिलाना है। ▶10 पर

सीबीआई की सिफारिश पर मिली अभियोजन की मंजूरी

बंदूक लाइसेंस घोटाले में आईएएस अफसर पर चलेगा केस

जम्मू, 01 जनवरी (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के राजस्व सचिव कुमार राजीव रंजन बंदूक लाइसेंस घोटाले में मुकदमे का सामना करने वाले पहले आईएएस अधिकारी बनेंगे। केंद्र सरकार ने केंद्रीय जांच ब्यूरो को बंदूक लाइसेंस देने में कथित अनियमितताओं के लिए जम्मू-कश्मीर के राजस्व सचिव कुमार राजीव रंजन के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति दे दी है, जिससे वह पहले आईएएस अधिकारी बन गए हैं जिनके खिलाफ इस मामले में अभियोजन की मंजूरी दी गई है। भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 2006 के तहत सीबीआई द्वारा दर्ज मामले में आईएएस अधिकारी के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी 28 नवंबर, 2024 के एक आदेश के माध्यम से दी गई थी। सीबीआई 2012 और 2016 के बीच जिला मजिस्ट्रेटों (डीएम), डिप्टी कमिश्नरों और लाइसेंसिंग ▶10 पर

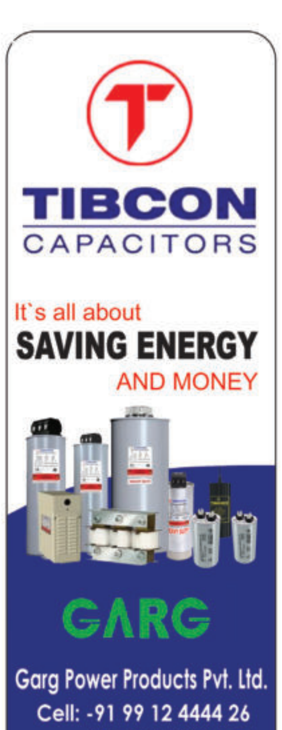

योगी सरकार में मिट्टी में मिल रहे अपराधी और माफिया

पुलिस मुठभेड़ों में अब तक 217 बदमाश ढेर

लखनऊ, 01 जनवरी (एजेंसियां)। अपराधियों के खिलाफ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत उत्तर प्रदेश में अपराध और अपराधियों पर पुलिस का कड़ा प्रहार जारी है। राज्य पुलिस ने 20 मार्च 2017 से 28 दिसंबर 2024 तक की कार्रवाई का ब्यौरा देते हुए बताया कि इस अवधि में 217 अपराधियों को मुठभेड़ों में मार गिराया गया, जबकि 7799 अपराधी घायल हुए हैं। इन अभियानों में 17 पुलिसकर्मी अपनी जान की कुर्बानी दे चुके हैं।

उत्तर प्रदेश पुलिस ने अपराधियों के खिलाफ न केवल सख्त रुख अपनाया है, बल्कि अपराध पर नकेल कसने के लिए हर स्तर पर योजनाबद्ध तरीके से काम किया है। पुलिस के ताजा आंकड़ों के अनुसार, मुठभेड़ों और गिरफ्तारियों के जरिए राज्य सरकार अपराधियों के मन में कानून का डर पैदा करने में सफल रही है। पुलिस ने खासतौर पर उन अपराधियों को निशाना बनाया है जिनके सिर पर बड़ी धनराशि का इनाम था। 20 मार्च 2017 से 22 दिसंबर 2024 तक कुल 19,955 इनामी अपराधियों को

140 अरब से अधिक की सम्पत्ति जब्त

गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। इनमें 17,849 अपराधी 25,000 रुपए के इनामी थे, जबकि 1883 अपराधियों पर 25,000 से 50,000 रुपए तक का इनाम घोषित था। 50,000 रुपए से अधिक के 223 अपराधियों को भी पकड़ा गया।

राज्य पुलिस ने 924 अपराधियों के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत कार्रवाई की है। इसके साथ ही, गैंगस्टर एक्ट के तहत 140 अरब 90 करोड़ रुपए से अधिक की चल-अचल सम्पत्ति जब्त की गई है। यह सम्पत्ति उन अपराधियों की थी जिन्होंने समाज में आतंक का माहौल बना रखा था।

राज्य पुलिस के मुताबिक, मुठभेड़ों में मारे गए अपराधियों में कई कुख्यात गैंगस्टर शामिल थे, जिनके नाम से लोग खौफ खाते थे। इन मुठभेड़ों में पुलिसकर्मियों ने जान जोखिम में डालकर बदमाशों का सामना किया। इन अभियानों में घायल हुए 7799 अपराधियों के अलावा 1644 पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं। उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार ने बताया कि राज्य को अपराध मुक्त बनाने के लिए पुलिस कार्रवाई को और तेज करेगी। ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 31^{0}

न्यूनतम : 20^{0}

दमिश्क में 5-6 जनवरी को सीरिया के राज्यपालों का सम्मेलन

दमिश्क, 01 जनवरी (एजेंसियां)।

सीरिया से राष्ट्रपति बशर अल-असद के शासन को उखाड़ फेंकने वाले सुन्नी इस्लामवादी, राजनीतिक और अर्धसैन्य संगठन हयात तहरीर अल-शाम ने 5 और 6 जनवरी को देश के सभी 14 राज्यपालों का सम्मेलन आहूत किया है। मुल्क में हयात तहरीर अल-शाम के नियंत्रण के बाद असद रूस भाग चुके हैं। अब सीरिया में अहमद हुसैन अल-शरा की तूती बोल रही है।

वह हयात तहरीर अल-शाम का सबसे प्रमुख लड़ाका है। उसे सभी ने अपना नेता कुबूल किया है। इस समय वह नए सीरियाई प्रशासन का नेतृत्व कर रहा है। शरा को अबू मोहम्मद अल-जुलानी के नाम से भी जाना जाता है।

सीरिया के गृहयुद्ध में नायक बनकर उभरे अहमद हुसैन अल-शरा के नेतृत्व में नए सीरियाई प्रशासन ने 5 और 6 जनवरी को दमिश्क में आयोजित होने वाले समावेशी राष्ट्रीय सम्मेलन में सभी राज्यपालों को आमंत्रित किया है। इस सम्मेलन में लगभग 1,200 व्यक्ति शामिल होंगे। अल-शरा ने दो दिन पहले सऊदी अल-अरबिया चैनल के साथ साक्षात्कार में कहा कि इस सम्मेलन में सभी सीरियाई पक्ष शामिल होंगे। प्रत्येक राज्यपाल का प्रतिनिधित्व 70-100 लोग करेंगे।

शरा के अनुसार, सम्मेलन में देश में जल्द से जल्द राजनीतिक और संवैधानिक प्रक्रिया शुरू करने पर चर्चा होगी। उल्लेखनीय है कि असद शासन के पतन के बाद सीरिया में अर्थव्यवस्था और बुनियादी ढांचे को पटरी पर लाना सबसे बड़ी चुनौती है। अल-शरा का कहना है कि सीरिया में चुनाव आयोजित करने में चार साल का समय लग सकता है।

न्यूज ब्रीफ

रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने देशवासियों से कहा- हमें अभी बहुत कुछ तय करना है

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने नए वर्ष की पूर्व संध्या पर मंगलवार को टेलीविजन पर देशवासियों को संबोधित किया। क्रेमलिन प्रमुख ने कहा, हां, हमें अभी भी बहुत कुछ तय करना है लेकिन जो पहले किया जा चुका है उस पर हमें गर्व हो सकता है। उन्होंने कहा कि 25 वर्षों ने आगे के विकास का मार्ग प्रशस्त किया है। पुतिन ने अपने भाषण में देश की उपलब्धियों की प्रशंसा की। अपने पूर्ववर्ती बोरिस येल्तसिन से सत्ता संभालने के ठीक 25 साल बाद दिए गए संबोधन में पुतिन ने यूक्रेन युद्ध का स्पष्ट उल्लेख नहीं किया। उनका भाषण मुख्य रूप से शुभकामनाओं पर केंद्रित रहा। पुतिन ने कहा, प्रिय दोस्तों, बस कुछ ही मिनटों में 2025 की शुरुआत होगी, जो 21वीं सदी की पहली तिमाही को पूरा करेगा। उन्होंने रूसी सैनिकों की भी प्रशंसा की। पुतिन ने कहा, नए साल की दहलीज पर हम भविष्य के बारे में सोच रहे हैं। हमें यकीन है कि सब कुछ ठीक हो जाएगा। हम केवल आगे बढ़ेंगे। उल्लेखनीय है कि 1999 में नए साल की पूर्व संध्या पर बोरिस येल्तसिन ने अप्रत्याशित रूप से इस्तीफा दे दिया था और अपने भाषण में देश में उथल-पुथल के लिए माफी मांगी थी। तब पुतिन को कार्यवाहक राष्ट्रपति नामित किया गया था। टेलीविजन पर नए साल की पूर्व संध्या पर दिया जाने वाला भाषण सोवियत नेता लियोनिद ब्रेझनेव द्वारा शुरू की गई परंपरा का अनुसरण है। यह रूस के 11 समय क्षेत्रों में से प्रत्येक में आधी रात से ठीक पहले राज्य टीवी पर प्रसारित किया जाता है।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति येओल पर लटकी गिरफ्तारी की तलवार

सियोल। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक येओल के सिर पर गिरफ्तारी की तलवार लटक गई है। जांच

एजेंसी ने उन्हें छह जनवरी से पहले हर हाल में गिरफ्तार करने की तैयारी कर ली है। सियोल वेस्टर्न डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने येओल को गिरफ्तार करने का वारंट जारी कर दिया है। यह वारंट भ्रष्टाचार जांच कार्यालय को मिल चुका है। वारंट की मियाद छह जनवरी को खत्म हो जाएगी। इस बीच राष्ट्रपति के चीफ ऑफ स्टाफ और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने इस्तीफा देने की पेशकश की है येओल के विद्रोह और सत्ता के दुरुपयोग के मामले की जांच भ्रष्टाचार जांच कार्यालय कर रहा है। इस कार्यालय के प्रमुख ओह डोंग-वून ने बुधवार को पत्रकारों से कहा कि येओल की गिरफ्तारी वारंट की मियाद खत्म होने से पहले कर ली जाएगी। उन्होंने कहा कि अगर राष्ट्रपति की सुरक्षा टीम सहयोग नहीं करती तो उसके विरुद्ध भी कार्रवाई की जाएगी। वून ने कहा कि कार्यालय ने राष्ट्रपति के सुरक्षा अधिकारियों से गिरफ्तारी में सहयोग करने का अनुरोध किया है। ओह ने चेतावनी दी कि गिरफ्तारी में हस्तक्षेप करने वालों पर सत्ता के दुरुपयोग और सरकारी कार्य में बाधा डालने के आरोपों का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति आवास का दरवाजा खोलने से इनकार करना, गेट पर ताला लगाना, बैरिकेड लगाना और गिरफ्तारी आदेश का पालन न करना भी सरकारी कार्य में बाधा डालना है।

कराची में पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर किया बल प्रयोग, 11 घायल

इस्लामाबाद, 01 जनवरी (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के कराची में पुलिस ने धरने पर बैठे प्रदर्शनकारियों पर कल बल प्रयोग किया। इस दौरान कम से कम 11 लोग घायल हो गए। इनमें छह पुलिस जवान भी शामिल हैं। प्रदर्शनकारियों ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के कुर्रम जिले में स्थित पाराचिनार में हाल ही में हुई हत्याओं के खिलाफ विरोध जताया है।

धार्मिक और राजनीतिक संगठन मजलिस वहदत-ए-मुस्लिमीन% (एमडब्ल्यूएम) ने पाराचिनार के लोगों के साथ एकजुटता व्यक्त करते हुए देशव्यापी विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया था। संगठन के आह्वान पर देशभर में 20 दिसंबर से धरना और प्रदर्शन जारी है। सड़कें बंद कर दी गई हैं। प्रदर्शनकारी कुर्रम में जारी हिंसा के साथ-साथ उस घटना का भी विरोध कर रहे हैं जिसमें जिले के बागान इलाके में पाराचिनार की ओर जाते समय रास्ते में दो लोगों की हत्या कर दी गई और बाद में उनका सिर काट दिया गया।

एमडब्ल्यूएम के प्रवक्ता सैयद अली अहमर जैदी ने आरोप लगाया कि पुलिस ने अब्बास टाउन, पावर हाउस और कामरान चौरंगी सहित 10 स्थानों पर आंसू गैस के गोले दागे और लाठीचार्ज किया। उन्होंने कहा, बावजूद इसके तीन स्थानों नुमाइश चौरंगी, एंचोली और रिजविया सोसाइटी में धरना जारी है। उन्होंने पुलिस कार्रवाई की निंदा की है। उधर, पुलिस के बल प्रयोग की सूचना मिलते ही मालिर में मुख्य राष्ट्रीय राजमार्ग पर भी हिंसा भड़क उठी। यहां पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प होने की खबर है।

पुलिस अधिकारी डॉ. सुम्मैया सैयद ने कहा कि चार घायलों को मालिर से जिन्ना पोस्टग्रेजुएट मेडिकल सेंटर लाया गया। उनमें से एक की हालत गंभीर है। इस व्यक्ति के सिर में गोली लगी है। मालिर के पुलिस अधीक्षक सईद रिंद के अनुसार, प्रदर्शनकारियों ने रात को मालिर-15 पर राजमार्ग को अवरुद्ध कर दिया। पुलिस हाइवे खाली कराने पहुंची तो हथियारों से लैस प्रदर्शनकारियों ने गोली चलानी शुरू कर दी। उन्होंने कहा कि पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े और प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर किया। प्रवक्ता जैदी ने देररात कहा कि वे गोलियों और धमकियों से नहीं डरेंगे। बड़ी संख्या में लोग नुमाइश चौरंगी पर फिर से इकट्ठा होने लगे हैं। भविष्य की कार्रवाई की रूपरेखा तैयार करने के लिए एमडब्ल्यूएम की आपात बैठक चल रही है। एमडब्ल्यूएम के सूचना सचिव आसिफ सफवी ने नुमाइश चौरंगी में धार्मिक विद्वान अल्लामा हसन जफर नकवी पर अर्धसैनिक बलों के हमले की निंदा की है। उन्होंने कहा कि बल प्रयोग सिंध सरकार की शह पर किया गया है। सरकार के इशारे पर नकवी को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि घटनाक्रम से पीपीपी अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी और राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी को अवगत कराया गया है। एमडब्ल्यूएम नेता अल्लामा मुख्तार इमामी ने नकवी पर हमले के लिए सिंध के मुख्यमंत्री मुराद अली शाह को जिम्मेदार ठहराया है।

बिलावल भुट्टो के 2025 में पाकिस्तान का प्रधानमंत्री बनने की भविष्यवाणी

इस्लामाबाद। ज्योतिषियों के दावों पर यकीन किया जाए तो पाकिस्तान पीपल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी के लिए यह साल (2025) बड़ी सौगात देने जा रहा है। एक प्रसिद्ध ज्योतिषी ने मुल्क के अगले प्रधानमंत्री के रूप में उनके नाम की भविष्यवाणी की है। कार्यक्रम खबर में ज्योतिषी सामिया खान ने यह भविष्यवाणी की। उन्होंने दावा किया कि पीपीपी अध्यक्ष बिलावल भुट्टो 2025 में प्रधानमंत्री और दूल्हा दोनों बन सकते हैं। सामिया खान ने कहा कि यह साल शहबाज शरीफ, मौलाना फजलुर रहमान और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान के लिए यह साल अच्छा होगा। उन्होंने कहा इस साल मुल्क की स्थिति में सुधार होता दिख रहा है। साल के शुरुआती महीने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के लिए फायदेमंद रहने की उम्मीद है। बिलावल भुट्टो के के राजनीतिक सितारे बहुत मजबूत हैं। यह संभव है कि उन्हें प्रधानमंत्री के रूप में नियुक्त किया जा सकता है। यहां तक कि वह दूल्हा भी बन सकते हैं। उल्लेखनीय है कि 21 सितंबर 1988 को कराची में जन्मे बिलावल पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो के पुत्र हैं। 27 दिसंबर, 2007 को बेनजीर की हत्या के बाद पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी की कमान उनके हाथ में है। वह बेनजीर भुट्टो और पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी की सबसे बड़ी संतान और इकलौते बेटे हैं। उन्होंने दुबई के राशिद स्कूल फॉर बॉयज से पढ़ाई की और ताइक्वांडो में ब्लैक बेल्ट भी प्राप्त किया।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने नए साल के संदेश भी कश्मीर का राग अलापा

इस्लामाबाद,01 जनवरी (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने राष्ट्र के नाम संबोधन में 2025 में भूख, गरीबी, युद्ध, आतंकवाद, अपराध, संप्रदायवाद और वर्ग विभाजन से मुक्त दुनिया की आशा व्यक्त करते हुए पाकिस्तान के लोगों और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को नए साल की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। मगर इस मौके पर शरीफ कश्मीर का राग अलापना नहीं भूले।

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि मध्य पूर्व और भारत के अवैध कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में चल रहे अत्याचारों के मामले में पिछला साल सबसे खराब रहा। उन्होंने उम्मीद जताई कि मध्य पूर्व संकट और कश्मीर मुद्दे का इस साल शांतिपूर्ण समाधान हो जाएगा। उन्होंने कहा, हमारे उत्पीड़ित भाइयों और बहनों को भारतीय कब्जे वाली ताकतों की क्रूरता का सामना करना पड़ा।

अपने संदेश में शहबाज ने राष्ट्र से 2025 में एक बेहतर और मजबूत पाकिस्तान के लिए सामूहिक रूप से प्रयास करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि मैं प्रार्थना करता हूं कि 2025 का सूरज हमारे देश पाकिस्तान के लिए प्रगति और समृद्धि के वादे के साथ उगेगा। मैं यह भी प्रार्थना करता हूं कि नए साल में हम पिछले साल में की गई अपनी व्यक्तिगत और सामूहिक गलतियों को सुधारें और एक नई शुरुआत करें और एक नए उवल भविष्य की शुरुआत करें।

राष्ट्रपति जरदारी ने नागरिकों से पिछले वर्ष की सफलताओं और कमियों पर चिंतन करने और उनसे सीखने और बेहतर भविष्य की दिशा में काम करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने राष्ट्र की गंभीर चुनौतियों से निपटने के लिए आवश्यक सिद्धांतों के रूप में एकता, अनुशासन और कड़ी मेहनत के महत्व पर जोर दिया। राष्ट्रपति ने देश के युवाओं में निवेश के महत्व पर भी प्रकाश डाला और उन्हें पाकिस्तान के भविष्य की नींव बताया।

शेल्टर में जाते फिलिस्तीनी

गाजा में एक विस्थापित फिलिस्तीनी बारिश से बचने अस्थाई रूप से बने शेल्टर में जाते हुए।

असद शासन के पतन के बाद 75,000 शरणार्थी सीरिया लौटे

दमिश्क,01 जनवरी (एजेंसियां)।

सीरिया में आठ दिसंबर को बशर अल-असद के शासन के पतन के बाद से अब तक 75,000 से अधिक शरणार्थी स्वदेश लौट चुके हैं। सीरिया रिस्पांस को-ऑर्डिनेटर्स ऑर्गेनाइजेशन के निदेशक मोहम्मद हल्लाज ने यह जानकारी दी।

हल्लाज ने बताया कि 7587 शरणार्थी आठ से 30 दिसंबर के बीच तुर्किये, जॉर्डन और लेबनान के रास्ते स्वदेश लौटे। उन्होंने बताया कि 33,881 लोग तुर्किये से लौटे। इसी अवधि में जॉर्डन से 21,372 शरणार्थी और लेबनान से 19,832 शरणार्थी लौटे।

हल्लाज के अनुसार, विभिन्न सीरियाई क्षेत्रों में असद शासन के दौरान 89,589 लोग विस्थापित हुए थे। उन्होंने बताया कि हजारों विस्थापित और शरणार्थी अभी भी लौटने के लिए अपने क्षेत्रों में स्थिति में सुधार होने का इंतजार कर रहे हैं। जर्मन सरकार ने सोमवार को घोषणा की कि उसने बशर अल-असद के शासन के पतन के बाद सीरिया में 60 मिलियन यूरो की राहत परियोजनाएं शुरू की हैं। जर्मन विकास मंत्री स्वेन्जा शुल्ज़ ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) को 25 मिलियन यूरो आवंटित किए जाएंगे। इस पैसा का उपयोग स्कूलों के पुनर्वास पर किया जाएगा।

भारत और बांग्लादेश ने गंगा और पद्मा नदी के जलस्तर की माप शुरू की

ढाका, 01 जनवरी (एजेंसियां)।

बांग्लादेश और भारत सरकार के प्रतिनिधियों ने सुबह कड़ी सुरक्षा के बीच गंगा जल बंटवारा संधि-1996 के दायरे में पद्मा और गंगा नदियों के जलस्तर की माप शुरू की। भारतीय प्रतिनिधिमंडल में केंद्रीय जल आयोग के कार्यकारी अभियंता मुत्ताथ लियो फ्रैंकलिन और सहायक निदेशक रितेश कुमार शामिल हैं। गंगा नदी भारत से बांग्लादेश में प्रवेश करने के बाद पद्मा के नाम से जानी जाती है।

फ्रैंकलीन और रितेश कुमार ने पद्मा नदी पर हार्डिंग ब्रिज के 3,500 फीट ऊपर एक बिंदु पर जलस्तर को मापना शुरू किया है। इसके साथ ही पबना हाइड्रोलॉजी के कार्यकारी अभियंता एमडी रेजाउल करीम के नेतृत्व में दो सदस्डुयीय बांग्लादेश की टीम ने भारतीय विशेषज्ञों के साथ भारत में फरक्का बिंदु पर संयुक्त रूप से जलस्तर को मापना शुरू किया है।

बांग्लादेश जल विकास विभाग के कार्यकारी अभियंता मोहम्मद जाहेदुल इस्लाम ने कहा, भारत और बांग्लादेश दोनों से 31 मई तक गंगा और पद्मा नदियों के विभिन्न बिंदुओं पर जलस्तर की माप करेंगे। संधि के अनुसार, यदि फरक्का बिंदु पर प्रवाह 70,000 क्यूसेक या उससे कम है, तो बांग्लादेश और भारत दोनों पानी के 50 प्रतिशत हिस्से के हकदार हैं। दूसरे चक्र में यदि प्रवाह 70,000 और 75,000 क्यूसेक के बीच होता है, तो बांग्लादेश को न्यूनतम 35,000 क्यूसेक पानी प्राप्त होगा, शेष भारत को आवंटित किया जाएगा। अंतिम चक्र में भारत को न्यूनतम 40,000 क्यूसेक पानी मिलेगा बाकी बांग्लादेश को मिलेगा। साथ ही 11 मार्च से 10 मई तक, दोनों देशों को हर महीने तीन चक्रों में से एक के दौरान न्यूनतम 35,000 क्यूसेक की हिस्सेदारी की गारंटी दी जाती है।

जाहेदुल इस्लाम ने कहा कि इस साल पानी का प्रवाह पिछले साल की तुलना में काफी बेहतर है। हार्डिंग ब्रिज बिंदु पर पद्मा नदी का प्रवाह 85,000 क्यूसेक से अधिक दर्ज किया गया है। उल्लेखनीय है कि गंगा नदी बांग्लादेश में प्रवेश करते ही पद्मा के नाम से जानी जाती है।

राजमहल से 30 किलोमीटर पूर्व में गंगा की एक शाखा मुर्शिदाबाद, बहरमपुर, नदिया, हुगली और कोलकाता होती हुई पश्चिम-दक्षिण की ओर बंगाल की खाड़ी में गिर जाती

DAILY शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
हिंदी दैनिक समाचार पत्र
में
दुःखद समाचार जैसे
स्वर्गवास, उठावना, पगड़ी रस्म, श्रद्धांजलि, पुण्यतिथि का विज्ञापन
अब मात्र रू.500/- में
साईज : 12 X10 cm
विज्ञापन एवं अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
77991 44471, 8688868345

नींद की दवा पिलाकर शोषक की हत्या करने का आरोप

यमन में निमिषा प्रिया की मौत की सजा बरकरार

निमिषा का इरादा हत्या करने का नहीं था

पलक्कड़ (केरल), 01 जनवरी (एजेंसियां)।
यमन में रह रही केरल की नर्स निमिषा प्रिया को मौत की सजा देने का फैसला राष्ट्रपति राशिद अल-अलीमी ने मंजूर कर लिया है। निमिषा को 2017 में यमनी नागरिक तलाल अब्दो मेहदी की हत्या के मामले में दोषी ठहराया गया था। यमन की अदालत ने उन्हें 2020 में मौत की सजा सुनाई थी, और उनकी अपील को नवंबर 2023 में खारिज कर दिया गया। अब राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद उनकी सजा पर अमल अगले एक महीने के भीतर हो सकता है।

यह खबर निमिषा के परिवार के लिए किसी झटके से कम नहीं है। उनकी मां प्रेमा कुमारी ने कहा है कि अगर किसी की जान लेनी है तो उनकी ले ली जाए। उन्होंने अपनी बेटी को बचाने के लिए पिछले कई साल से हरसंभव कोशिश की। प्रेमा कुमारी ने यमन जाकर मृतक के परिवार से बात करने और ब्लड मनी (मुआवजा) के जरिए समझौता करने की कोशिश की, लेकिन बातचीत विफल रही। निमिषा प्रिया पर आरोप लगे थे कि उन्होंने साल 2017 में एक यमनी नागरिक तलाल अब्दो महदी को ड्रग्स का ओवरडोज दे दिया था, जिसकी वजह से उसकी मौत हो गई। वहीं, निमिषा ने अपने बचाव में कहा था कि मृतक ने उनका पासपोर्ट छीन लिया था, जिसे वो वापस पाना चाहती थी। निमिषा ने दावा किया था कि उन्होंने महदी को बेहोशी की दवा दी थी। उसकी हत्या करने का इरादा नहीं था।

भारत सरकार ने इस मामले में बयान दिया है कि वे सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा कि सरकार निमिषा प्रिया और उनके परिवार को हरसंभव सहायता प्रदान कर रही है। निमिषा शादीशुदा हैं। केरल के पलक्कड़ की रहने वाली निमिषा अपने पति और बेटी के साथ पिछले लगभग एक दशक से यमन में काम कर रही थीं। इस बीच यमन में गृहयुद्ध शुरू हो गया तो उनका परिवार भारत आ गया था। यमनी नागरिक द्वारा पासपोर्ट ले लेने के कारण निमिषा वापस नहीं लौट पाई थीं।

सात दिनों के बाद हड़ताल खत्म, कटड़ा में चहल पहल

जम्मू, 01 जनवरी (ब्यूरो)।
वैष्णो देवी तीर्थस्थान पर रोप-वे के मुद्दे पर सात दिनों चली आ रही हड़ताल देर रात समाप्त हो गई। हड़ताल के बाद कटड़ा में चहल पहल तो फिर शुरू हो गई लेकिन वैष्णव देवी आने वाले श्रद्धालुओं की तादाद में उल्लेखनीय कमी आ गई। यहां आने वाले श्रद्धालुओं का आंकड़ा वर्ष 2023 का रिकार्ड भी नहीं तोड़ पाया।

कल देर रात को आखिरकार प्रशासन की ओर से लिखित आश्वासन मिलने के बाद कटड़ा में पिछले सात दिन से जारी बंद और हड़ताल समाप्त हो गई। इसकी घोषणा कटड़ा पहुंचे जम्मू के डिवीजनल कमिश्नर (मंडलायुक्त) और संघर्ष समिति के सदस्यों ने की। दोनों पक्षों के बीच लगभग ढाई घंटे चली बैठक में हिरासत में लिए गए समिति के सभी 18 सदस्यों को बिना शर्त रिहा करने, यात्रा मार्ग पर रोप-वे परियोजना को लेकर समिति के सदस्यों व अन्य लोगों के साथ समग्र बात होने तक इसका निर्माण बंद रखने पर सहमति बनी थी।

कटड़ा माता वैष्णो देवी के पवित्र मंदिर का आधार शिविर है। जहां रोप-वे प्रोजेक्ट के खिलाफ चल रहे प्रदर्शन में पुलिस द्वारा गिरफ्तार 18 लोगों को रिहा कर दिया गया है। जिसके बाद इस शहर में रात भर खुशी का माहौल रहा। जम्मू और कश्मीर प्रशासन ने मंगलवार रात को इनकी रिहाई की घोषणा की और प्रदर्शनकारियों से बातचीत के लिए चार सदस्यीय समिति का गठन किया। समिति के साथ बातचीत तक रोप-वे परियोजना पर काम को निलंबित कर दिया गया है।

इस वर्ष 25 दिसंबर से कटड़ा बंद के कारण थोड़ा संशय बना हुआ था। घोड़ा, पिट्ठू वालों के उपलब्ध न होने के कारण श्रद्धालु पिछले कुछ दिनों से कम संख्या में आ रहे थे। परंतु मंगलवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे थे। 31 दिसंबर को करीब 45 हजार ने वैष्णो देवी के दर पर शीश नवाया। बीते वर्ष 50 हजार श्रद्धालुओं ने दर्शन किए थे। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2024 में वैष्णो देवी के दर्शन करने वालों की संख्या 94.80 लाख रही है जबकि 2023 में 95.22 लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन किए थे। ऐसे में आंकड़ों के मुताबिक इस वर्ष 42 हजार श्रद्धालु पिछले साल की तुलना में कम रहे हैं।

मानवाधिकार आयोग आदिवासियों की आत्महत्याओं पर चिंतित

केरल के आदिवासियों की आत्महत्याएं चिंताजनक

केरल सरकार से आयोग ने किया जवाब तलब

तिरुअनंतपुरम, 01 जनवरी (एजेंसियां)।
राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने केरल के तिरुवनंतपुरम जिले के बाहरी इलाकों में बसे आदिवासी लोगों में आत्महत्या की बढ़ती घटनाओं का स्वत: संज्ञान लिया है। अकेले वर्ष 2024 में ही आदिवासियों की 23 आत्महत्याएं दर्ज हुईं। वर्ष 2011 से 2022 के बीच जिले के पेरिंगमला पंचायत में 138 आदिवासियों ने आत्महत्या की। यह खुलासा हुआ कि आत्महत्या करने वाले आदिवासियों में अधिकांश 20-30 आयु वर्ग के थे।

आयोग का मानना है कि ये घटनाएं केरल के विशेष क्षेत्र में अनुसूचित जनजातियों के जीवन के अधिकार तथा सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक अधिकारों से संबंधित एक गंभीर मुद्दे की ओर संकेत करती हैं। इस सिलसिले में केरल के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को दो सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट देने के लिए नोटिस जारी किया गया है। आयोग ने केरल सरकार से यह पूछा है कि मृतक के परिजनों को कोई मुआवजा दिया गया है कि नहीं।

केरल के तिरुवनंतपुरम जिले के बाहरी इलाकों में बसे आदिवासी लोगों में आत्महत्याओं में चिंताजनक वृद्धि हुई है। 2011-2022 के बीच जिले के पेरिंगमला पंचायत में लगभग 138 मौतें हुईं। अब 2 साल की अपेक्षाकृत शांति के बाद, जिले में आदिवासी बस्तियों में आत्महत्याओं का सिलसिला फिर से शुरू हो गया है। आयोग ने कहा है कि यह आत्महत्याएं केरल के विशेष क्षेत्र में रहने वाले अनुसूचित जनजातियों के लोगों के जीवन के अधिकार और सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक अधिकारों से संबंधित एक गंभीर मुद्दे की ओर इशारा करती है।

महंगे हवाई किराए की व्यथा कम करेगी रेल

जम्मू, 01 जनवरी (ब्यूरो)।
अगर आपको श्रीनगर के लिए हवाई यात्रा करनी है तो आपकी इतने आश्चर्यजनक रूप से अपनी जेब ढीली करनी होगी जिसके बारे में आपने अनुमान भी नहीं लगाया होगा। पर अब इतना जरूर है कि कटड़ा और दिल्ली से श्रीनगर के लिए शुरू होने जा रही ट्रेनें इस किराए द्वारा दिए जा रहे जख्मों पर मलहम जरूर लगाएंगी।

दिल्ली से दुबई की यात्रा राष्ट्रीय राजधानी से श्रीनगर की यात्रा करने की तुलना में बहुत सस्ती है, क्योंकि कश्मीर के लिए हवाई किराए में भारी वृद्धि हुई है। 31 दिसंबर को दिल्ली से दुबई के हवाई किराए पर सरसरी नजर डालने पर पता चलता था कि टिकट प्रति यात्री 10,000 से 13,000 रुपए के बीच थे, जबकि उसी दिन दिल्ली से श्रीनगर हवाई अड्डे के लिए हवाई टिकट की कीमत 21,623 रुपए थी। और अब इस किराए द्वारा दिए जाने वाले जख्मों पर जल्द मलहम लगने जा रहा है क्योंकि उत्तरी रेलवे द्वारा कटड़ा और श्रीनगर के बीच पहली बार ट्रेन के समय की घोषणा के साथ कश्मीर के लिए सीधी ट्रेन आखिरकार एक वास्तविकता बनने जा रही है।

उत्तरी रेलवे ने सर्दियों के लिए कश्मीर वादी के लिए ट्रेन संचालन योजना जारी की है, जिसमें उन्होंने श्री वैष्णो देवी कटड़ा (एसवीडीके) से श्रीनगर तक तीन नई ट्रेनें शामिल की हैं, जिसमें एक वंदे भारत ट्रेन और दो मेल एक्सप्रेस ट्रेनें शामिल हैं जो रोजाना चलेंगी। उत्तरी रेलवे द्वारा जारी चार्ट के अनुसार, वंदे भारत ट्रेन कटड़ा से सुबह 8.10 बजे रवाना होगी और 11.20 बजे श्रीनगर पहुंचेगी जबकि मेल एक्सप्रेस ट्रेन कटड़ा से सुबह 9.50 बजे रवाना होगी और दोपहर 1.10 बजे श्रीनगर पहुंचेगी। इसी तरह से एक अन्य मेल एक्सप्रेस ट्रेन दोपहर 3 बजे कटड़ा से रवाना होगी और शाम 6.20 बजे श्रीनगर पहुंचेगी।

हालांकि चार्ट जारी कर दिया गया है, लेकिन कश्मीर के लिए ट्रेन सेवा शुरू करने की कोई अंतिम तारीख अभी तक नहीं दी गई है। वैसे एक कदम और आगे बढ़ने के लिए, जल्द ही कमिश्नर रेलवे सेफ्टी (सीआरएस) का एक और दौरा होगा। जम्मू के एडीआरएम का कहना था कि कटड़ा में सीआरएस का दौरा 6 और 7 जनवरी को होने की उम्मीद है और कश्मीर के लिए ट्रेन चलाने का कोई भी फैसला उसी पर निर्भर करता है। वैसे इन ट्रनों की घोषणा के बाद जम्मू के उपरांत अब कटड़ा में भी चिंता का माहौल है।

याद रहे पहले उधमपुर और फिर कटड़ा तक ट्रेन सेवा शुरू होने के बाद से जम्मू ने कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। 1947 से पहले अविभाजित भारत में जम्मू और सियालकोट के बीच सीधी ट्रेन सेवा थी, जो 1890 में शुरू हुई थी, लेकिन 1947 में देश के विभाजन के बाद ट्रेन सेवा बंद हो गई। भारत और पाकिस्तान के बीच 1965 के युद्ध के बाद पंजाब के पठानकोट से जम्मू की ओर ट्रेन सेवा पर काम शुरू हुआ और 1972 में इसे खोला गया था।

बांग्लादेशी जाहिदुल इस्लाम को 7 साल की सजा

बंगाल-असम के मुस्लिमों को बना रहा था आतंकी

बेंगलुरु, 01 जनवरी (एजेंसियां)।
बेंगलुरु में एनआईए की विशेष अदालत ने बांग्लादेशी नागरिक जाहिदुल इस्लाम उर्फ कौसर को भारत में आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए सात साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। साथ ही उस पर 57,000 रुपए का जुर्माना भी लगाया गया। जाहिदुल को जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश (जेएमबी) का अमीर कहा जाता है, जो भारत में आतंकी नेटवर्क का संचालन कर रहा था।

जाहिदुल इस्लाम 2014 में अवैध रूप से भारत में घुसा था। वह 2005 में बांग्लादेश में हुए सीरियल बम धमाकों के मामले में पुलिस की हिरासत से भागने के बाद भारत आया। यहां उसने जेएमबी प्रमुख सलाउद्दीन सालेहिन के साथ मिलकर पश्चिम बंगाल के बर्धवान जिले में अक्टूबर 2014 में बम धमाके की साजिश रची। बर्दवान के खागरागढ़ इलाके में हुए इस विस्फोट में दो लोगों की मौत हो गई थी, जबकि एक व्यक्ति घायल हुआ था। विस्फोट के बाद जाहिदुल और उसके साथी बेंगलुरु भाग गए।

बेंगलुरु में छिपते हुए, जाहिदुल ने पश्चिम बंगाल और असम के मुस्लिम युवकों को कट्टरपंथी बनाना शुरू किया। उसने उन्हें जेएमबी की भारत-विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के लिए प्रेरित किया। एनआईए की जांच में सामने आया कि 2018 में बोधगया में हुए विस्फोट के पीछे भी जाहिदुल और उसके साथियों का हाथ था। यह विस्फोट बौद्ध धर्मगुरु दलाई लामा की यात्रा के दौरान किया गया था, जिसे जेएमबी ने साजिश के तहत अंजाम दिया।

जाहिदुल और उसके साथियों ने आतंकी गतिविधियों के लिए धन जुटाने के मकसद से बेंगलुरु में चार डकैतियां भी कीं। इन डकैतियों से मिले धन का इस्तेमाल गोला-बारूद खरीदने, ठिकानों की व्यवस्था करने और आतंकवादियों को प्रशिक्षण देने के लिए किया गया। एनआईए ने 2019 में इस मामले को अपने हाथ में लिया और आतंकी नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई शुरू की। जांच के दौरान एनआईए को जाहिदुल और उसके साथियों के ठिकानों से हथगोले, टाइमर डिवाइस, इलेक्ट्रिक सर्किट और आईईडी बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाले विस्फोटक पदार्थ बरामद हुए।

एनआईए ने इस मामले में 11 आरोपियों को दोषी ठहराया है, जिनमें से जाहिदुल को साजिश, डकैती, धन उगाही और गोला-बारूद की खरीद जैसे गंभीर आरोपों में दोषी पाया गया। एनआईए ने कहा कि जाहिदुल और उसका नेटवर्क भारत में जेएमबी के एजेंडे को आगे बढ़ाने में सक्रिय था। इस मामले से जुड़े, फरार जेएमबी प्रमुख सलाउद्दीन सालेहिन जैसे अन्य आतंकियों को पकड़ने की चुनौती अब भी बनी हुई है। यह घटना दिखाती है कि कैसे आतंकी संगठन भोले-भाले युवाओं को कट्टरपंथी बनाकर अपने मंसूबों को अंजाम देते हैं और उनके खिलाफ सतर्क रहने की जरूरत है।

1984 के सिख विरोधी दंगे के शिकार पीड़ितों ने किया प्रदर्शन

मोहब्बत की दुकान वाले राहुल-प्रियंका माफी क्यों नहीं मांगते?

नई दिल्ली, 01 जनवरी (एजेंसियां)।
वर्ष 1984 के दिल्ली सिख विरोधी दंगा पीड़ितों ने गुरुद्वारा बंगला साहिब के बाहर लोकसभा में नेता विपक्ष एवं सांसद राहुल गांधी और कांग्रेस महासचिव एवं सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के खिलाफ प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का नेतृत्व दंगा पीड़ितों की ओर से सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करने वाले सरदार गुरलाड सिंह काहलों ने किया।

इस अवसर पर गुरलाड सिंह काहलों ने कहा कि प्रियंका गांधी ने संसद में केंद्र सरकार को घेरने के लिए अपनी पहली स्पीच में उन्नाव, हाथरस और मणिपुर तथा संभल आदि पर बोलीं लेकिन 40 साल पहले 1984 के सिख विरोधी दंगों पर नहीं बोलीं। आखिर उस समय ऐसा कौन सा जघन्य अपराध नहीं हुआ। सड़कों पर जा रहे निर्दोष सिखों को जला दिया गया, दुकानें लूट ली गईं, महिलाओं के साथ बलात्कार किया गया।

काहलों ने कहा कि जिन्होंने इंदिरा गांधी की हत्या की, उन्होंने भावनाओं में बहकर हत्या की थी। एक हत्यारे को मौके पर गोली मार दी गई थी। दूसरे ने स्वीकार किया था कि उसने भावनाओं में बहकर हत्या की थी। उन्होंने कहा कि इसी तरह भावनाओं में बहकर राजीव गांधी और शायद महात्मा गांधी की भी हत्या हुई थी। उन्होंने सवालिया लहजे में कहा कि जब भावनाओं में बहकर हत्या हुई तो इस मामले में सभी सिखों को क्यों लपेटा गया? सड़क चलते निर्दोष सिखों के गले में टायर डालकर जलाया गया। उनके शवों के पास उनकी लड़कियों के साथ बलात्कार हुए।

उन्होंने कहा कि दिल्ली में तिलक नगर में एक कॉलोनी है, जिसका नाम विधवा कालोनी है। यहां 1984 के दंगे में मारे गए सिखों की विधवाएं रहती हैं। क्या उन्हें (राहुल गांधी को) अपनी मोहब्बत की दुकान को लेकर विधवा कालोनी में जाकर माफी नहीं मांगनी चाहिए? इन्हीं मुद्दों को लेकर हम मार्च निकाल रहे हैं और प्रियंका गांधी के आवास जा रहे हैं। हालांकि, पुलिस प्रदर्शनकारियों को आगे जाने नहीं देगी लेकिन हमारे कुछ लोग जाने का प्रयास करेंगे। जो उन्हें इस तथ्य से अवगत कराएंगे।

महाकुंभ स्थल पर संतों ने जलाए आतंकी पन्नू के पोस्टर

महाकुंभ में दिखा तो जमीन में घुसा देंगे: परमहंस दास

प्रयागराज, 01 जनवरी (एजेंसियां)।
महाकुंभ में हिंदुओं से बदला लेने की धमकी देने वाले खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू का साधु-संतों ने महाकुंभ में पोस्टर जलाया। अयोध्या के महंत परमहंस दास ने कहा कि आतंकी पन्नू महाकुंभ में दिखा तो उसे जिंदा जमीन में घुसा देंगे।

खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू की धमकी के बाद महाकुंभ में आए संतों में जबरदस्त गुस्सा है। महाकुंभ मेले के सेक्टर-16 में अयोध्या छावनी के जगतगुरु परमहंस दास जी महाराज के नेतृत्व में संतों ने आतंकी पन्नू का पोस्टर जलाया। उसके खिलाफ संतों ने जोरदार नारेबाजी की।

संगम की रेती पर आयोजित होने वाले महाकुंभ को लेकर सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं। खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू की धमकी के बाद सुरक्षा और कड़ी कर दी गई है। पिछले सप्ताह सुरक्षा का जिम्मा खुद एडीजी लॉ एंड ऑर्डर अमिताभ यश ने ले लिया था। बातचीत के दौरान उन्होंने बताया था कि हर तरह की स्थिति में सभी सुरक्षा एजेंसियां तैयार हैं।

यूपी के पीलीभीत जिले में तीन खालिस्तानी आतंकवादियों वीरेंद्र सिंह, गुरविंदर सिंह और जसनप्रीत सिंह के एनकाउंटर के बाद पन्नू ने अमेरिका से वीडियो जारी कर कहा कि वह इस घटना का बदला महाकुंभ में लेगा। उसने इस आयोजन को हिंदुओं का आखिरी महाकुंभ बनाने और तीन शाही स्नानों (14 जनवरी को मकर संक्रांति, 29 जनवरी को मौनी अमावस्या और 3 फरवरी को अंतिम शाही स्नान) को निशाना बनाने की धमकी दी थी। जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। यूपी पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां चप्पे-चप्पे की निगरानी कर रही हैं। ड्रोन और फेस रिकग्निशन कैमरों जैसी तकनीक का उपयोग किया जा रहा है।

महाकुंभ मेले में सुरक्षा के सात स्तरीय इंतजाम किए गए हैं। पूरे मेला क्षेत्र में ड्रोन तैनात होंगे, जो हर गतिविधि पर नजर रखेंगे। संवेदनशील इलाकों और प्रवेश द्वारों पर फेस रिकग्निशन तकनीक से लैस कैमरे लगाए गए हैं। संभावित साइबर हमलों को रोकने के लिए एक विशेष साइबर यूनिट काम कर रही है। एनएसजी और एटीएस की विशेष टीमें तैनात रहेंगी।

जल, थल और वायु सुरक्षा में नदियों में गश्त के लिए स्पेशल बोट और वायुसेना के हेलिकॉप्टरों को तैनात किया गया है। महाकुंभ में आने वाले विदेशी मेहमानों के लिए भी खास इंतजाम हैं।

मुस्लिम बस्ती में दो साल से बंद पड़ा मंदिर खुलवाने पहुंचे लोग

मुजफ्फरनगर, 01 जनवरी (एजेंसियां)।
मुजफ्फरनगर के मोहल्ला इस्लामनगर मुस्लिम बस्ती में वर्षों से बंद मंदिर को खुलवाने की मांग तेज हो गई है। हिंदू संगठनों से जुड़े कार्यकर्ताओं ने मौके पर पहुंच कर प्रशासन से मंदिर खुलवाने की मांग की। तनाव की आशंका को देखते हुए मौके पर पुलिस भी आ गई। मंदिर निजी भूमि पर बना है और दो वर्ष से बंद पड़ा है। पुलिस ने जांच करने की बात कही है।

मोहल्ला इस्लामनगर में बिजलीघर के पीछे आलोक गोयल की भूमि है। यह भूमि खतौली ग्रामीण क्षेत्र में है। करीब 40 वर्ष पूर्व भूमि मालिक परिवार ने मंदिर का निर्माण कराया था, जिसमें काली माता और शेरावाली माता की दीवार पर बनी मूर्ति बताई गई। मंदिर काफी समय से बंद पड़ा था, जिसके मुख्य द्वार पर ताला लटका हुआ है। एक हवन कुंड भी बना है। हिंदू संगठनों से जुड़े कार्यकर्ताओं को इसकी जानकारी मिली तो बजरंग दल नगर अध्यक्ष चंद्रपाल राजपूत, विवेक रहेजा, अभिनव यदुवंशी, माधव ठकराल, विनोद राजपूत आदि कार्यकर्ता मंदिर पर पहुंच गए। पुलिस भी मौके पर आ गई। कार्यकर्ता मंदिर को खुलवाने की मांग करने लगे। पुलिस ने जमीन मालिक से बात की और उन्हें थाने पर आने का निर्देश दियाथ। फैसला होने तक मंदिर में किसी प्रकार की कोई छेड़छाड़ नहीं करने की ताकीद कर दी गई है। जमीन मालिक ने पुलिस को बताया है कि मूर्ति दो वर्ष पूर्व खंडित हो गई थी, जिसे दूसरे मंदिर में स्थान दिया गया है। पुलिस का कहना है कि मामले से उच्चाधिकारियों को अवगत कराया गया है। जैसा निर्देश मिलेगा, उसी के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

काजोल ने परिवार संग खास अंदाज में मनाया नए साल का जश्न

देश और दुनिया ने साल 2024 को अलविदा कहते हुए पूरे जोश के साथ नए साल 2025 का स्वागत किया है। बॉलीवुड अभिनेत्री काजोल ने खास अंदाज में 2024 को अलविदा कहते हुए फैंस को नए साल 2025 की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सोशल मीडिया पर परिवार संग सेलिब्रेशन की तस्वीरें भी शेयर की हैं।

काजोल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर अपने पति अजय देवगन, बेटे युग और बेटी निसा के साथ न्यू ईयर सेलिब्रेशन की शानदार तस्वीरें शेयर की। नए साल के सेलिब्रेशन में उनकी मां भी नजर आ रही हैं।

अभिनेत्री काजोल ने कैप्शन में लिखा कहा, और यह समापन! निश्चित रूप से ये किसी फिल्म के खत्म होने से ज्यादा बेहतर है। आप सभी को आने वाले वर्ष की शुभकामनाएं। आपके घर मेहमान आते रहें, आपकी टेबल खाने से भरी रहें। आप सभी खूब पार्टी करते रहें और आपके पड़ोसी हमेशा शिकायत करें कि आपकी पार्टी कितनी लंबी और मजेदार हैं। आप हमेशा खुश रहें और खुशियां बांटते रहें।

अजय देवगन ने भी इंस्टाग्राम हैंडल पर तस्वीरें शेयर की। उन्होंने कैप्शन में लिखा, अब तक की यात्रा के लिए आभारी हूं। 2025 में क्या होने वाला है, इसके लिए उत्साहित हूं। नया साल मुबारक।

काजोल ने पहले जिक्र किया था कि वह पिछले साल शानदार थीं और 2025 में और भी शानदार होंगी। अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में अभिनेत्री ने साड़ी में खुद की शानदार तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा था, मैं पिछले साल शानदार थी और मैं अगले साल और भी शानदार रहूंगी।

काजोल के वर्कफ्रंट की बात करें तो वे इस साल रिलीज हुई शशांक चतुर्वेदी की थ्रिलर फिल्म दो पत्ती में नजर आईं थी। काजोल को इस फिल्म में कृति सेनन और टीवी अभिनेता शहीर शेख के साथ देखा गया था।

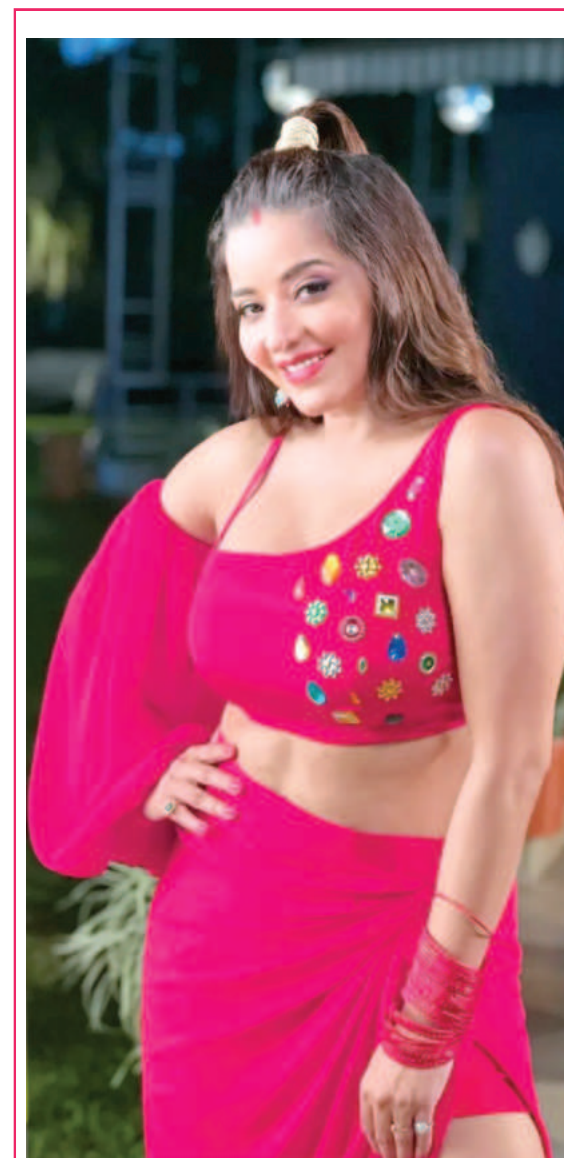

मोनालिसा ने थाई स्लिट ड्रेस में फ्लॉन्ट किया परफेक्ट फिगर

भोजपुरी क्वीन मोनालिसा आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर शेयर कर अक्सर फैंस का ध्यान अपनी ओर खींचती रहती हैं। वो जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर अपलोड करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं। इन फोटोज में उनका किलर अवतार देखकर फैंस बेकाबू हो गए हैं।मोनालिसा भोजपुरी और टीवी इंडस्ट्री की पॉपुलर एक्ट्रेस हैं। उन्होंने अपनी अदाकारी से लोगों को इस कदर दीवाना बनाया है कि लोग उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं।अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं। इन फोटोज में आप देख सकते हैं वो एथनिक लुक से इंटरनेट पर कहर बरपा रही हैं।बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनकी तस्वीरों पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं।हालांकि इन फोटोज में भी ऐसा ही देखने को मिल रहा है। एक यूजर ने कॉमेंट करते हुए लिखा है- टू मच हॉट। दूसरे यूजर ने लिखा है- यू लुक गॉर्जियस। तीसरे यूजर ने लिखा है- स्टनिंग। ऐसे ही एक के बाद एक लोग कॉमेंट्स कर के रिएक्शंस दे रहे हैं।मोनालिसा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टा पर अपलोड करती हैं तो फैंस अक्सर उनके स्टाइल को फॉलो करते हैं।

फिल्म डाकू महाराज के तीसरे गीत की रिलीज डेट से पर्दा उठा

अभिनेता नंदमुरी बालकृष्ण की नई फिल्म एनबीके 109 का आधिकारिक शीर्ष डाकू महाराज है, जिसके घोषणा पहले ही की जा चुकी है। अब फैंस के बीच उत्साह बढ़ाने के लिए फिल्म के निर्माता लगातार डाकू महाराज से जुड़ी नई जानकारियां और झलकियां साझा कर रहे हैं। फिल्म के दो गाने पहले ही रिलीज हो चुके हैं और अब निर्माता इसके तीसरे गाने की रिलीज की तैयारियां कर रहे हैं।अब निर्माताओं की फिल्म के तीसरे गाने की रिलीज डेट से पर्दा उठा दिया है। निर्माताओं ने आधिकारिक तौर पर घोषणा की है कि डाकू महाराज का तीसरा गाना 4 जनवरी, 2025 को यूएसए प्री-रिलीज इवेंट के दौरान रिलीज किया जाएगा, जो कि भारतीय समय के अनुसार 5 जनवरी, 2025 को होगा। फिल्म का तीसरा गाना थमन द्वारा रचित एक उच्च-ऊर्जा मास ट्रैक है, जो फैंस को खूब पसंद आएगा।उत्साह बढ़ाने के लिए निर्माताओं ने बालकृष्ण और उर्वशी रौतेला के साथ एक खास पोस्टर जारी किया है। गायक, गीतकार और शीर्षक सहित गीत के बारे में अधिक जानकारी जल्द ही सामने आएगी। पोस्टर साझा करते हुए निर्माताओं ने कैप्शन में लिखा, नए साल पर मिलेगा बड़ा धमाका। सिनेमाघरों को रोमांचक संगीत समारोहों में बदलने के लिए तैयार हो जाइए।डाकू महाराज में बॉबी देओल और रवि किशन खलनायक की भूमिकाओं में नजर आएगी। फिल्म में जिन अन्य सितारों को कास्ट किया गया है, उनमें उर्वशी रौतेला, चांदनी चौधरी, प्रज्ञा जायसवाल और श्रद्धा श्रीनाथ शामिल हैं। फिल्म का संगीत एस थमन ने दिया है, जबकि इसे बॉबी कोल्ली ने लिखा और निर्देशित किया है। डाकू महाराज 12 जनवरी 2025 को स्क्रीन पर आएगी।

फ्लॉप फिल्म के बावजूद छाईं वामिका गब्बी

हाल ही में रिलीज हुई वरुण धवन की फिल्म बेबी जॉन को लेकर उम्मीदें तो बड़ी थीं, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ने खास कमाल नहीं किया. जब ट्रेलर आया था, तब लगा था कि फिल्म बंपर कलेक्शन करेगी, लेकिन मेकर्स की उम्मीदों पर पानी फिर गया है. हालांकि, फिल्म भले ही फ्लॉप हो गई हो, लेकिन इसमें एक्ट्रेस वामिका गब्बी की चर्चा हर तरफ हो रही है.वामिका गब्बी ने बेबी जॉन से बॉलीवुड में कदम रखा है और उनकी परफॉर्मेंस ने दर्शकों को दीवाना बना दिया है. वामिका को उनकी खूबसूरत आंखों और शानदार अदाकारी के लिए खूब तारीफ मिल रही है. यही वजह है कि उन्हें अब नई नेशनल क्रश कहा जा रहा है.वामिका गब्बी इससे पहले तमिल, मलयालम और पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री में काम कर चुकी हैं. उन्होंने मलयालम फिल्म गोधा और तमिल फिल्म नेराथु मसक्कम से काफी पॉपुलैरिटी हासिल की थी. वामिका ने जब वी मेट में भी एक छोटा किरदार निभाया था.सोशल मीडिया पर भी वामिका खूब एक्टिव रहती हैं और उनकी पोस्ट्स को फैंस का खूब प्यार मिलता है. वामिका की पॉपुलैरिटी बेबी जॉन के बाद और ज्यादा बढ़ गई है.फिल्म का पहला वीकेंड अभी बाकी है और देखने वाली बात होगी कि वीकेंड पर फिल्म का कलेक्शन कैसा रहता है. हालांकि, अब तक फिल्म का प्रदर्शन उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा है. बेबी जॉन के फ्लॉप होने के बावजूद वामिका गब्बी इस फिल्म की वजह से सुर्खियों में बनी हुई हैं.

रवीना टंडन ने नए साल पर सलमान खान के साथ गुजारे पुराने पलों को किया याद

बॉलीवुड अभिनेत्री रवीना टंडन ने नए साल की शुरुआत अपनी बेटी राशा और अभिनेता सलमान खान के साथ एक दिल छूने वाली पुरानी याद साझा करते हुए की।अभिनेत्री ने 2025 की शुरुआत को यादगार बनाने के लिए एक सोशल मीडिया पर एक थ्रोबैक तस्वीर को शेयर किया। इस तस्वीर में वह अपनी बेटी राशा और एक्टर सलमान खान के साथ नजर आ रही हैं, जो उनके फैंस को खूब पसंद आई। रवीना ने सलमान के साथ इस खूबसूरत रिश्ते को याद करके नए साल का जश्न मनाया।

तस्वीरें शेयर करते हुए अभिनेत्री ने लिखा, प्यार और हंसी के लिए शुक्रिया। सभी को नव वर्ष की शुभकामनाएं! यह साल और आने वाले साल आपके, मेरे और हमारे सभी बच्चों के लिए प्यार, शांति और खुशी लेकर आएं। ओम शांति शांति शांति।

इस पोस्ट में रवीना टंडन के परिवार और प्रियजनों के साथ बिताए गए कुछ खास पल शामिल हैं, जिनमें उनकी बेटी राशा और अन्य परिवार के सदस्य भी नजर आ रहे हैं। कुछ तस्वीरों में रवीना बॉलीवुड के अपने दोस्तों के साथ पोज देती हुई दिख रही हैं, जिनमें दिशा पटानी, जैकलीन फर्नांडीज, सोफी चौधरी, सलमान खान, अरबाज खान, सोहेल खान, मनीष मल्होत्रा और अन्य शामिल हैं। रवीना की बेटी राशा थडानी ने भी 2025 की सुबह की सेल्फी पोस्ट की। राशा ने कैप्शन दिया, मॉर्निंग 2025।

बता दें कि इससे पहले बॉलीवुड अभिनेत्री रवीना टंडन ने शाहरुख खान संग तस्वीर शेयर कर पुरानी यादों को ताजा किया था। रवीना टंडन ने इंस्टाग्राम हैंडल पर तस्वीरों की एक श्रृंखला पोस्ट की थी, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा था, 'एक पुरानी तस्वीर और बीते सप्ताह के साथ'। रवीना और शाहरुख ने फिल्म जमाना दीवाना में साथ काम किया है। इस बीच, रवीना टंडन की बेटी राशा अभिषेक कपूर द्वारा निर्देशित फिल्म 'आज़ाद' से बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। राशा इस फिल्म में अजय देवगन के भांजे अमन देवगन के साथ नजर आएंगी। इस फिल्म में लोकप्रिय टीवी अभिनेता मोहित मलिक भी खलनायक की भूमिका में दिखेंगे। फिल्म जनवरी 2025 में रिलीज होगी।

तृप्ति डिमरी को नए साल में साफ आसमान की चाह

बॉलीवुड अभिनेत्री तृप्ति डिमरी को नए साल में साफ आसमान की चाह है। फिनलैंड से तीन घंटे की ड्राइव करके स्वीडन पहुंची, ताकि साफ आसमान मिल सके।फिनलैंड में छुट्टियां मना रही बॉलीवुड अभिनेत्री तृप्ति डिमरी ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर बर्फ से ढकी पहाड़ियों के सामने पोज देती एक तस्वीर पोस्ट की।

तस्वीर के साथ अभिनेत्री ने लिखा, फिनलैंड से तीन घंटे की ड्राइव करके स्वीडन आई हूं ताकि साफ आसमान मिल सके। तृप्ति डिमरी ब्लैक कलर आउटफिट में बेहद खूबसूरत लग रही हैं। अभिनेत्री ने इससे पहले अपनी सर्दियों की छुट्टियों की झलकियां शेयर की थीं, जिसमें उन्होंने बर्फीले वातावरण की सुंदरता और जानवरों के साथ बिताए अपने पलों को कैद किया था।तृप्ति ने लैपलैंड, फिनलैंड से कुछ तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए, जिनमें उनकी खिड़की के बाहर बर्फ से ढकी आकर्षक झोपड़ियां और शांति से चरते हुए रेनडियर दिखाई दे रहे थे।

एक वीडियो कैप्शन में अभिनेत्री ने लिखा, बर्फीली फुहारें और मुस्कान। आज का दिन मेरे जीवन के सबसे सुखद अध्यायों में से एक है। वीडियो में अभिनेत्री बर्फबारी का आनंद लेती हुई दिखाई दीं। उनकी लैपलैंड यात्रा में शांति से बर्फ से ढकी झोपड़ियां और उनकी खिड़की के बाहर घास चरते हुए रेनडियर भी दिखे।

अभिनेत्री बर्फीले रोमांच पर निकली हैं और उन्होंने अपनी शानदार छुट्टियों की झलकियां इंस्टाग्राम पर शेयर कीं। कयासबाजी भी खूब हो रही है। लोग उनके पोस्ट पर ही एक दूजे से पूछ रहे हैं क्या अपने कथित बॉयफ्रेंड सैम मर्चेंट के साथ समय बिता रही हैं।

ऐसा इसलिए भी क्योंकि दोनों ने यात्रा से एक जैसी तस्वीरें पोस्ट कीं।एक वीडियो में तृप्ति डिमरी को बर्फ में चलते हुए देखा गया, जो उनकी रोवानीमी (फिनलैंड) में सर्दियों की छुट्टियों की झलक दिखा रही थी। उन्होंने सैम द्वारा खींचे गए वीडियो के साथ-साथ सेल्फी और फोटो की एक सीरीज भी पोस्ट की।तृप्ति डिमरी को हाल ही में कार्तिक आर्यन, विद्या बालन और माधुरी दीक्षित के साथ हॉरर कॉमेडी भूल भुलैया 3 में देखा गया था।

मन, शरीर और आत्मा के संतुलन बनाने के लिए रखें पूर्णिमा का व्रत

2025 में पूर्णिमा तिथि

हर माह के शुक्ल पक्ष की अंतिम तिथि को पूर्णिमा का पर्व मनाया जाता है। मान्यता है कि इस दिन पूर्णिमा का व्रत करके पूजा अर्चना करने से जीवन के सभी कष्ट होते हैं। पूर्णिमा तिथि को बलिष्ठ और सौम्य तिथि भी कहा जाता है, इस दिन चंद्रमा अपने पूरे प्रभाव में रहता है, इसलिए इस दिन को फूल मून भी कहा जाता है। हिंदू धर्म में पूर्णिमा तिथि का विशेष महत्व है। यह तिथि हर महीने शुक्ल पक्ष के अंतिम पड़ती है। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि इस दिन सूर्य और चंद्रमा एक-दूसरे के सामने होते हैं, और चंद्रमा अपने पूर्ण प्रकाश में दिखाई देता है। धार्मिक दृष्टि से पूर्णिमा व्रत, पूजा, ध्यान और दान के लिए शुभ मानी जाती है। वहीं वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी यह तिथि बहुत महत्वपूर्ण है। पूर्णिमा तिथि के वैज्ञानिक महत्व की बात की जाए तो इस दौरान सूर्य और चंद्रमा का गुरुत्वाकर्षण बल अधिक होता है, जिससे समुद्र में ऊंचे ज्वार बनते हैं। यह दिन आयुर्वेद में भी खास माना है। इस समय को मन, शरीर और आत्मा के संतुलन के लिए श्रेष्ठ माना जाता है।

पूर्णिमा तिथि के दिन गंगा स्नान और दान करने लिए बहुत ही उत्तम माना जाती है। पूर्णिमा के दिन चंद्रमा अपनी सोलह कलाओं परिपूर्ण होते हैं। इस दिन माता लक्ष्मी और चंद्रमा की विशेष पूजा की जाती है। पूर्णिमा तिथि हर महीने में पड़ती है और हर महीने की पूर्णिमा तिथि बहुत ही खास मानी जाती है। पूर्णिमा तिथि महीने की शुक्ल पक्ष की अंतिम तिथि मानी जाती है। इसके बाद से महीने की शुरुआत होती है। पूर्णिमा तिथि का आयुर्वेदिक महत्व है। इस दिन मन, शरीर और आत्मा के संतुलन बनाने के लिए उचित माना जाता है।

पूर्णिमा के दिन व्रत रखकर भगवान विष्णु और देवी लक्ष्मी की पूजा करनी इससे जीवन में शांति और समृद्धि आती है। ध्यान और साधना के लिए यह दिन बेहद लाभकारी माना जाता है। यह आत्मिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त करने का उत्तम समय है। जरूरतमंदों को भोजन, वस्त्र, और धन का दान करने से पुण्य मिलता है। विशेष रूप से इस गोदान, अन्नदान और जलदान का महत्व है।

पूर्णिमा व्रत 2025

पौष मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि – 13 जनवरी
माघ मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि – 12 फरवरी
फाल्गुन मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि – 14 मार्च
चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की तिथि – 12 अप्रैल
वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि – 12 मई
ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि – 11 जून
आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि – 10 जुलाई
सावन मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि – 9 अगस्त
भाद्रपद के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि – 7 सितंबर
आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि – 7 अक्टूबर
कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि – 5 नवंबर
मार्गशीर्ष मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि – 5 दिसंबर

पूर्णिमा का महत्व

पूर्णिमा तिथि का हिंदू धर्म में विशेष महत्व है, मान्यता है कि इस तिथि पर माता लक्ष्मी का समुद्र मंथन से प्राकट्य हुआ था। इस दिन व्रत करके पूजा पाठ करने और सत्यनारायण कथा सुनने मात्र से व्यक्ति को शुभ फल की प्राप्ति होती और धन संपत्ति में अच्छी वृद्धि होती है। इस दिन किए गए अच्छे कार्यों को फल कई गुना बढ़कर मिलता है और सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

पूर्णिमा का दिन प्रकृति की शक्ति का प्रतीक भी बनता है दरअसल पूर्णिमा के दिन सूर्य और चंद्रमा के गुरुत्वाकर्षण बल के से समुद्र में ऊंचे ऊंचे ज्वार आते हैं। इसके अलावा यह दिन सकारात्मक ऊर्जा और आत्मिक शांति प्राप्त करने के लिए उत्तम माना जाना है।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

10 को मनाई जाएगी पुत्रदा एकादशी

सनातन धर्म में पौष महीने का विशेष महत्व है। यह महीना सूर्य देव को समर्पित होता है। इस महीने में प्रतिदिन सूर्य देव की उपासना की जाती है। सूर्य देव की पूजा करने से आरोग्यता का वरदान मिलता है। साथ ही करियर में भी सफलता मिलती है। साधक पौष महीने में प्रतिदिन सूर्य देव की पूजा-उपासना करते हैं। पौष महीने में पुत्रदा एकादशी मनाई जाती है। यह पर्व हर वर्ष पौष माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को मनाया जाता है। इस दिन जगत के पालनहार भगवान विष्णु की पूजा की जाती है। साथ ही एकादशी का व्रत रखा जाता है। इस व्रत को करने से साधक को अमोघ फल की प्राप्ति होती है। साथ ही सभी दुख एवं संकट दूर हो जाते हैं।

पौष पुत्रदा एकादशी शुभ मुहूर्त

पौष माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि के अगले दिन पुत्रदा एकादशी मनाई जाती है। इस साल पौष पुत्रदा एकादशी 10 जनवरी को मनाई जाएगी। पंचांग के अनुसार, पौष माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि की शुरुआत 09 जनवरी को दोपहर 12 बजकर 22 मिनट पर होगी। वहीं, 10 जनवरी को सुबह 10 बजकर 19 मिनट पर एकादशी तिथि का समापन होगा। साधक स्थानीय पंचांग के अनुसार व्रत रख सकते हैं।

पौष पुत्रदा एकादशी का महत्व

सनातन धर्म में पौष पुत्रदा एकादशी का विशेष महत्व है। इस व्रत को करने से पुत्र रत्न की प्राप्ति होती है। सनातन शास्त्रों में निहित है कि पौष पुत्रदा एकादशी व्रत करने से साधक की हर मनोकामना पूरी होती है। साथ ही घर में सकारात्मक शक्ति का संचार होता है। इस व्रत को करने से सभी प्रकार के मानसिक एवं शारीरिक कष्ट भी दूर हो जाते हैं। शास्त्रों में निसंतान दंपति एवं नवविवाहित साधकों को पौष पुत्रदा एकादशी व्रत करने की सलाह है।

पारण

पौष पुत्रदा एकादशी का पारण 11 जनवरी की सुबह 07 बजकर 15 मिनट से 08 बजकर 21 मिनट के मध्य पारण कर सकते हैं। साधक इस शुभ अवसर पर साधक पूजा-पाठ कर अन्न दान कर व्रत खोल सकते हैं।

पंचांग

सूर्योदय – सुबह 07 बजकर 15 मिनट पर
सूर्यास्त – शाम 05 बजकर 42 मिनट पर
चंद्रोदय– दोपहर 02 बजकर 06 मिनट पर
चंद्रास्त– सुबह 04 बजकर 47 मिनट पर

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त – सुबह 05 बजकर 27 मिनट से 06 बजकर 21 मिनट तक

विजय मुहूर्त – दोपहर 02 बजकर 13 मिनट से 02 बजकर 55 मिनट तक

गोधूलि मुहूर्त – शाम 05 बजकर 40 मिनट से 06 बजकर 07 मिनट तक

अर्जुन को किससे मिला था किन्नर बनने का श्राप, जो बाद में बन गया वरदान

हिंदू धर्म ग्रंथों में ऐसी कई पौराणिक कथाएं मौजूद हैं, जो ज्ञान का भंडार भी हैं। इसी तरह महाभारत काल में ऐसी कई घटनाएं घटी हैं, जो व्यक्ति को चकित करने के साथ-साथ कुछ-न-कुछ शिक्षा भी देती हैं। आज हम आपको पांडवों में से एक धनुर्धर अनुर्ज से जुड़ी एक कथा बताने जा रहे हैं, जो काफी रोचक है।

क्यों मिला अर्जुन का श्राप

महाभारत की कथा के अनुसार, एक बार अर्जुन स्वर्गलोक में देवराज इंद्र से अस्त्र-शस्त्र की शिक्षा ले रहे थे। इस दौरान उन्होंने संगीत और नृत्य की भी शिक्षा ली। तब स्वर्गलोक की सबसे सुंदर अप्सरा उर्वशी उसपर मोहित हो गई। उर्वशी ने अर्जुन से प्रेम निवेदन किया, लेकिन अर्जुन ने उन्हें माता कह दिया।

इससे उर्वशी बहुत ही क्रोधित हो गई और उसने अर्जुन को यह श्राप दिया कि तुम एक साल तक किन्नर के रूप में धरती पर रहोगे। जब इंद्र देव ने उर्वशी को यह बात समझाई कि इंद्रदेव के पुत्र होने के नाते अर्जुन ने तुम्हें माता कहा है, तब जाकर उर्वशी का गुस्सा शांत हुआ। तब उर्वशी ने अर्जुन से कहा कि तुम इस श्राप का उपयोग अपनी जरूरत के हिसाब से कर सकोगे।

किस तरह आया काम

उर्वशी द्वारा अर्जुन को दिए गए श्राप ने आगे चलकर उसके लिए आशीर्वाद का काम किया। उर्वशी के द्वारा दिए गए श्राप से अर्जुन अज्ञातवास के दौरान अपनी असली पहचान छुपाने में कामयाब रहा और उसने एक किन्नर का रूप धारण किया। इस रूप में उसे बृहन्नला नाम से जाना गया। अज्ञातवास के दौरान बृहन्नला बनकर अर्जुन ने विराट नगर के राजा विराट की पुत्री उत्तरा को नृत्य भी सिखाया। इस प्रकार अर्जुन को मिला श्राप अज्ञातवास में उसके लिए वरदान साबित हुआ।

करियर में सफलता दिलाएंगे साल के पहले गुरुवार के ये उपाय

धन-संपत्ति में भी होगी वृद्धि

सनातन धर्म में गुरुवार का दिन भगवान विष्णु को समर्पित है। इस शुभ अवसर पर लक्ष्मी नारायण जी की पूजा की जाती है। साथ ही महिलाएं गुरुवार का व्रत रखती हैं। इस व्रत को करने से घर में सुख एवं शांति बनी रहती है। वहीं, धन-संपत्ति एवं यश-कीर्ति में वृद्धि होती है। ज्योतिष भी आर्थिक तंगी से निजात पाने के लिए गुरुवार के दिन लक्ष्मी नारायण जी की पूजा करने की सलाह देते हैं। अगर आप भी करियर में सफलता पाना चाहते हैं, तो गुरुवार के दिन भक्ति भाव से भगवान विष्णु एवं मां लक्ष्मी की पूजा करें। साथ ही पूजा के समय ये उपाय जरूर करें।

गुरुवार के उपाय

साल के पहले गुरुवार के दिन स्नान-ध्यान के बाद लक्ष्मी नारायण जी की पूजा करें। वहीं, पूजा के समय लक्ष्मी नारायण जी को श्रीफल अर्पित करें। भगवान विष्णु एवं मां लक्ष्मी को नारियल अति प्रिय है।

अगर आप सुखों में वृद्धि पाना चाहते हैं, तो नए साल के पहले गुरुवार पर भगवान विष्णु एवं मां लक्ष्मी को गुड़ मिश्रित खीर का प्रसाद अर्पित करें। इस उपाय को करने से शुक्र मजबूत होता है।

अगर आप भगवान विष्णु की कृपा के भागी बनना चाहते हैं, तो गुरुवार के दिन भक्ति भाव से नारायण की पूजा करें। वहीं, पूजा के बाद पीले रंग की चीजें जैसे हल्दी, बेसन, चने की दाल, लड्डू आदि चीजें अर्पित करें।

ज्योतिष कुंडली में गुरु मजबूत करने के लिए गुरुवार के दिन पीले रंग के कपड़े पहनने की सलाह देते हैं। इसके लिए गुरुवार के दिन स्नान-ध्यान के बाद पीले रंग के कपड़े पहनें। इस समय जल में हल्दी मिलाकर सूर्य देव को अर्घ्य दें।

पंचांग

सूर्योदय – सुबह 07 बजकर 14 मिनट पर
सूर्यास्त – शाम 05 बजकर 36 मिनट पर
चंद्रोदय– रात 09 बजकर 16 मिनट पर
चंद्रास्त– शाम 08 बजकर 04 मिनट पर

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त – सुबह 05 बजकर 25 मिनट से 06 बजकर 20 मिनट तक

विजय मुहूर्त – दोपहर 02 बजकर 09 मिनट से 02 बजकर 50 मिनट तक

गोधूलि मुहूर्त – शाम 05 बजकर 34 मिनट से 06 बजकर 01 मिनट तक

महाकुंभ में नागा साधु क्यों निकालते हैं शाही बारात?

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में जल्द महाकुंभ मेले का आयोजन होने जा रहा है। इस बार यह 13 जनवरी से 26 फरवरी, 2025 तक लगेगा। इस त्याग, समर्पण और भक्ति भरे मेले में दुनिया भर के भक्त शामिल होते हैं। यह प्रत्येक12 साल में लगता है। वहीं, इस दौरान कई अनुष्ठान आयोजित किए जाते हैं, जिनमें से एक नागा साधु की शाही बारात भी है, तो चलिए यहां जानते हैं कि महाकुंभ में नागा साधु शाही बारात क्यों निकालते हैं?

क्यों निकाली जाती है शाही बारात?

महाकुंभ में नागा साधुओं की शाही बारात निकालने के पीछे एक पौराणिक कथा प्रचलित है। कहा जाता है कि जब देवों के देव महादेव माता पार्वती संग विवाह के लिए कैलाश से अपने ससुराल की ओर चले थे, उस दौरान उनकी भव्य और मनमोहक बारात निकाली गई थी, जिसे देखकर हर कोई मंत्रमुग्ध हो गया था। इस शाही बारात में समस्त देवी-देवता, सुर-असुर और गंधर्व आदि शामिल हुए थे।

कहते हैं कि जब शिव जी देवी पार्वती के साथ वापस लौटे, तो उन्होंने देखा कि नागा साधु वहीं खड़े होकर रो रहे हैं, जिसे देखकर भोलेनाथ ने उसका कारण पूछा, तो सभी नागा साधू ने कहा कि 'वे शिव बारात का हिस्सा न बनने से बेहद दुखी हैं, तब महादेव ने इसका समाधान निकालते हुए साधुओं को ये वचन दिया कि 'जल्दी ही वे भी शाही बारात का हिस्सा बनेंगे और इसमें उनके साथ वह भी साक्षात मौजूद रहेंगे।

शाही बारात देखने के लाभ

जब कुछ समय के बाद समुद्र मंथन हुआ, तो उससे अमृत की कुछ बूंदें धरती लोक पर गिरी और उसके बाद पहली बार महाकुंभ का आयोजन किया गया था। इस दौरान शिव जी के कहे अनुसार नागा साधुओं ने शाही बारात निकाली। कहते हैं कि इस पावन बारात को देखने से भो-लेनाथ की कृपा मिलती है। इसके साथ ही जन्मों जन्म के पापों से छुटकारा भी मिलता है।

नए साल में इन बातों पर करें अमल खुशियों से भरा रहेगा जीवन

टैरो कार्ड रीडिंग की मदद से आप अपने वर्तमान से लेकर भविष्य तक के बारे में जानकारी हासिल कर सकते हैं। अगर आप अपने जीवन में अच्छे परिणाम देखना चाहते हैं, तो इसके लिए एंजल की सलाह आपके बहुत काम आ सकती है। तो चलिए जानते हैं आपको किन बातों पर अमल करना चाहिए, ताकि आपको सकारात्मक परिणाम मिलते रहें।

एंजल आपको सलाह दे रहे हैं कि

साल के पहले दिन एंजल की सलाह मानकर आपको काफी फायदा मिल सकता है।

साल 2025 का खुले दिल से स्वागत करें। इस साल में नए तरीके, लक्ष्य और अवसर का पूरा लाभ उठाएं।

यह साल अनुशासित, समर्पित और प्रतिबद्ध रहने का साल है।

बोलते समय सावधान रहें।

इस साल निवेश की योजनाएं बना सकते हैं।

यह साल सामाजिक मेलजोल का साल भी होने वाला है।

खास लोगों की मदद करें।

साल के पहले दिन अपने लक्ष्य तय करें।

कल और आज आपके साथ रहे सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त करें।

अपनी जीवन यात्रा को सुखद बनाए रखें।

इन कामों को करने से बचें

एंजल आपको यह भी बताते हैं कि आज के दिन आपको कौन-से काम नहीं करने चाहिए, वरना आपको नुकसान उठाना पड़ सकता है –

किसी काम के लिए जिद्दी न बनें।

आक्रामक होना भी आपके लिए ठीक नही हैं।

'अपने मुंह मियां मिट्ठू न बनें।

रोजाना करें इन मंत्रों का जप

रोजाना इन मंत्रों का जप करें। इस दौरान मन में ये बाते दोहराएं कि मैं जीवन में मिली हर चीज के लिए आभारी हूं –

ओम नमः शिवाय.
ओम गं गणपतये नमः.
ओम दुम दुर्गाये नमः.
श्रीम
हनुमान चालीसा।

इस महीने के लिए उपाय

रोजाना ओम नमः शिवाय और ॐ ह्रीं ताहा मंत्र का जप करें
रोजाना हनुमान चालीसा का भी पाठ करें।
एक टू-डू लिस्ट बनाएं और अपने काम पूरे करें।
पीपल के पेड़ पर जल चढ़ाएं (रविवार को छोड़कर)
जो आप हासिल करना चाहते हैं, उसके लिए हर दिन अभ्यास करें।
रोज क्वार्ट्ज पहनने से आपको लाभ मिल सकता है।

लाल किताब के उपाय भर देंगे आपकी तिजोरी

गुरुवार के दिन बस करना होगा ये काम

लाल किताब की सनातन धर्म में बहुत है। यह पुस्तक वैदिक ज्योतिष शास्त्र पर आधारित है। इस पुस्तक की मदद से आप जीवन की हर समस्या का समाधान पता कर सकते हैं। आप आर्थिक समस्याओं से जूझ रहे हैं, तो यह किताब इससे निजात दिलाने में असरदार साबित हो सकती है। इस आर्टिकल में हम आपको आसान उपाय बताएंगे, जिससे धन की समस्या दूर हो सकती है।

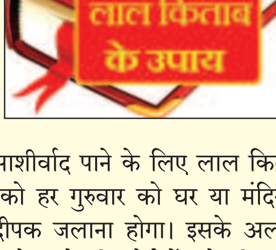

इन उपायों को जरूर करें

घर में सुख-समृद्धि व माता लक्ष्मी का आशीर्वाद आशीर्वाद पाने के लिए लाल किताब में एक उपाय है। इसमें आपको हर गुरुवार को घर या मंदिर में केले के पेड़ के नीचे घी दीपक जलाना होगा। इसके अलावा आप गुरुवार के दिन ही गाय को आटे की लोई में चने की दाल, गुड़ और हल्दी मिलाकर खिला सकते हैं। इस उपाय से आपकी आर्थिक समस्याएं दूर हो जाएंगी।

बृहस्पति देव का मिलेगा आशीर्वाद

लाल किताब में बृहस्पति देव को खुश करने के लिखे हुए हैं। इसमें आपको हर गुरुवार के दिन 'ॐ बृं बृहस्पतये नमः!' मंत्र का जाप कर है। इस वैदिक मंत्र के जाप से आपकी हर समस्या दूर हो सकती है। आपको बृहस्पति देव का आशीर्वाद प्राप्त होगा। उनकी पूजा के बाद गंध, अक्षत, पीले फूल व पीले रंग मिठाई व पीले रंग का वस्त्र जरूर दान करें।

कुंडली में मजबूत होगी बृहस्पति की स्थिति

आपका जीवन कष्टों से भरा हुआ है, तो हो सकता है कि कुंडली में बृहस्पति कमजोर हो। ऐसे में लाल किताब में बताए उपाय के अनुसार आपको हर गुरुवार को गरीबों को केले पीले रंग की मिठाई बांटनी चाहिए। आप गुरुवार के दिन गरीबों या फिर ब्राह्मणों को दही चावल भी खिला सकते हैं। ऐसा करने से कुंडली में बृहस्पति मजबूत हो सकते हैं।

संपादकीय

एकात्मता का दर्शन है- महाकुंभ

भारत की संस्कृति का आधार एकात्मता का स्वर है। भारतीय समाज में जो ऊंच-नीच की बीमारी आई, वह विशेष कालखंड की देन है। सत्य तो यह है कि भारत की संस्कृति में ऊंच-नीच के लिए कोई स्थान नहीं। यह दुनिया की इकलौती संस्कृति है जो कहती है कि हम सबमें ईश्वर का अंश है। यानी जो पिंड तुम्हारा है, वही पिंड मेरा है। भारत का दर्शन न तो जाति के आधार पर और न ही रंग-रूप एवं वेष-भूषा के आधार पर लोगों में विभेद करता है। भारत का दर्शन तो सबको अपना मार्ग चुनने की स्वतंत्रता देता है। यह बात हिन्दुत्व की आलोचना करनेवालों को समझनी चाहिए। हिन्दुत्व और भारतीयता के मूल विचार को समझना है तो उसका एक अवसर महाकुंभ के रूप में आ रहा है। कुंभ ऐसा मेला है, जहाँ भारत के कोने-कोने से लोग आते हैं। सभी जाति-बिरादरी, प्रांत, भाषा और संप्रदाय के लोग कुंभ में शामिल होते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी अपने लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में कहा है कि "महाकुंभ की विशेषता केवल इसकी विशालता में ही नहीं है। कुंभ की विशेषता इसकी विविधता में भी है। इस आयोजन में करोड़ों लोग एक साथ एकत्रित होते हैं। लाखों संत, हजारों परम्पराएँ, सैकड़ों संप्रदाय, अनेक अखाड़े, हर कोई इस आयोजन का हिस्सा बनता है। कहीं कोई भेदभाव नहीं दिखता है, कोई बड़ा नहीं होता है, कोई छोटा नहीं होता है। अनेकता में एकता का ऐसा दृश्य विश्व में कहीं और देखने को नहीं मिलेगा"। निःसंदेह, एकात्मता के जो दर्शन महाकुंभ में होते हैं, वह कहीं और नहीं हो सकते। ईशा फांउडेशन के संस्थापक सद्गुरु जग्गी वासुदेव कहते हैं कि "भारतीय संस्कृति इस धरती पर सबसे जटिल और रंगबिरंगी संस्कृति है। अगर आप गौर से देखें, तो पाएंगे कि हर पचास से सौ किलोमीटर पर लोगों के जीने का तरीका ही बदल जाता है। एक स्थान ऐसा है जहां इस जटिल संस्कृति को आप वाकई बहुत करीब से देख सकते हैं, वह है-कुंभ मेला"। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व सह-सरकार्यवाह डॉ. मनमोहन वैद्य कहते हैं कि ऐसा कहा जाता है कि "हमारे यहाँ विविधता में एकता है। वास्तविकता यह है कि भारतीय संस्कृति का एक ही तत्व है, जो विविध रूप में अभिव्यक्त हुआ है। यह एक तत्व अध्यात्म है"। उनकी यह बात सर्वथा उचित है। क्योंकि विविधता को बाह्य आधार पर एक रखना मुश्किल है जबकि आंतरिक तत्व के कारण विविधता में सहज ही एकात्मता रहती है। बहरहाल, वर्तमान परिस्थिति में हिन्दू समाज को महाकुंभ के इस दर्शन से सीख लेकर समाज जीवन में अपना व्यवहार करना चाहिए। हिन्दू समाज को बाँटने के लिए जो ताकतें जोर लगा रही हैं, उन्हें उत्तर देने का संकल्प महाकुंभ में लेना चाहिए। जिस प्रकार हम महाकुंभ में हिन्दू होकर शामिल होते हैं, वही भाव जीवन में रहना चाहिए। हमारी जातीय, भाषायी, प्रांतीय या अन्य पहचान कुछ भी हो सकती है लेकिन हम सब एक हैं। भारतीय संस्कृति के अभिन्न हिस्से हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने 'मन की बात' में एक आग्रह यह भी किया है कि "इस बार जब भी लोग महाकुंभ में शामिल हों तो वह वहाँ से समाज में एकता बनाए रखने का संकल्प लेकर लौटें"। हिन्दू समाज और उसकी संस्कृति की रक्षा के उद्देश्य से 8वीं शताब्दी में जगद्गुरु आदि शंकराचार्य ने कुंभ के महत्व को स्थापित किया और उसके वास्तविक स्वरूप को उभारा था। जब भारत और हिन्दू धर्म पर आक्रांताओं के आक्रमण हो रहे थे, तब कुंभ मेले हिन्दू धर्म एवं संस्कृति की रक्षा का माध्यम बने। समय की आवश्यकता है कि हम एक बार फिर कुंभ मेले से एकता का संदेश लेकर समाज के बीच में जाएं।

भारत का दर्शन न तो जाति के आधार पर और न ही रंग-रूप एवं वेष-भूषा के आधार पर लोगों में विभेद करता है। भारत का दर्शन तो सबको अपना मार्ग चुनने की स्वतंत्रता देता है। यह बात हिन्दुत्व की आलोचना करनेवालों को समझनी चाहिए। हिन्दुत्व और भारतीयता के मूल विचार को समझना है तो उसका एक अवसर महाकुंभ के रूप में आ रहा है। कुंभ ऐसा मेला है, जहाँ भारत के कोने-कोने से लोग आते हैं। सभी जाति-बिरादरी, प्रांत, भाषा और संप्रदाय के लोग कुंभ में शामिल होते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी अपने लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में कहा है कि "महाकुंभ की विशेषता केवल इसकी विशालता में ही नहीं है। कुंभ की विशेषता इसकी विविधता में भी है। इस आयोजन में करोड़ों लोग एक साथ एकत्रित होते हैं। लाखों संत, हजारों परम्पराएँ, सैकड़ों संप्रदाय, अनेक अखाड़े, हर कोई इस आयोजन का हिस्सा बनता है। कहीं कोई भेदभाव नहीं दिखता है, कोई बड़ा नहीं होता है, कोई छोटा नहीं होता है। अनेकता में एकता का ऐसा दृश्य विश्व में कहीं और देखने को नहीं मिलेगा"। नि:संदेह, एकात्मता के जो दर्शन महाकुंभ में होते हैं, वह कहीं और नहीं हो सकते। ईशा फांउडेशन के संस्थापक सद्गुरु जग्गी वासुदेव कहते हैं कि "भारतीय संस्कृति इस धरती पर सबसे जटिल और रंगबिरंगी संस्कृति है।

भारत के प्रति चीन का आचरण हमेशा ही संदिग्ध रहा है

ब्रह्मपुत्र नदी पर बांध निर्माण की चीन ने चली चाल

प्रमोद भार्गव

चीन ने भारतीय सीमा के निकट तिब्बत में ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया के सबसे बड़े बांध को बनाने की स्वीकृति दे दी है। इस बांध परियोजना को दुनिया की सबसे बड़ी बांध संरचना परियोजना बताया जा रहा है। इसकी लागत का अनुमान 137 अरब अमेरिकी डॉलर है। यह जानकारी चीन की सरकारी समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अधिकारी ने देते हुए कहा है कि 'चीन सरकार ने यारलुंग जांग्बो नदी (ब्रह्मपुत्र नदी का तिब्बती नाम) के निचले क्षेत्रों में एक जल विद्युत परियोजना के निर्माण को मंजूरी दी है। यह बांध हिमालय की एक विशाल घाटी में बनाया जाएगा। यहां ब्रह्मपुत्र नदी एक बड़ा मोड़ लेती हुई अरुणाचल प्रदेष और फिर बांग्लादेष में बहती है। यह सामाचार हांगकांग से प्रकाषित होने वाले साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट में छपा है।

चीन ने भारत के साथ मधुर संबंध बनाने के बीच एक नई विस्तारवादी चाल चल दी। चीन ने भारतीय सीमा के निकट तिब्बत में ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया के सबसे बड़े बांध को बनाने की स्वीकृति दे दी है। इस बांध परियोजना को दुनिया की सबसे बड़ी बांध संरचना परियोजना बताया जा रहा है। इसकी लागत का अनुमान 137 अरब अमेरिकी डॉलर है। यह जानकारी चीन की सरकारी समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अधिकारी ने देते हुए कहा है कि 'चीन सरकार ने यारलुंग जांग्बो नदी (ब्रह्मपुत्र नदी का तिब्बती नाम) के निचले क्षेत्रों में एक जल विद्युत परियोजना के निर्माण को मंजूरी दी है। यह बांध हिमालय की एक विशाल घाटी में बनाया जाएगा। यहां ब्रह्मपुत्र नदी एक बड़ा मोड़ लेती हुई अरुणाचल प्रदेष और फिर बांग्लादेष में बहती है। यह सामाचार हांगकांग से प्रकाषित होने वाले साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट में छपा है। भारत के प्रति चीन का आचरण हमेषा ही संदिग्ध रहा है। चीन इस नाते अपने हितों और विकास के लिए जो भी निर्णय लेता है, वे सीमाई देशों के लिए संकट का सबब बन जाते हैं। ऐसी शंकाएं इसलिए पैदा होती हैं, क्योंकि चीन भारत के सीमावर्ती क्षेत्र में कभी गलवान में सैनिक घुसपैठ कराता है, तो कभी अरुणाचल प्रदेश की सीमा पर गांव बसा देता है। उसके ये कृत्य उसकी साम्राज्यवादी मंषा उजागर करने वाले हैं। अब ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया की सबसे बड़ा बांध बनाने की मंषा ने भारत और बांग्लादेष की चिंता बढ़ा दी है। बताया जा रहा है कि बांध में भरे पानी से चीन प्रतिवर्ष 300 अरब किलोवाट प्रतिघंटे बिजली पैदा करेगा। सिंचाई के लिए भी यह जल उपयोग में लाया जाएगा। इसके पहले से भी चीन ब्रह्मपुत्र के मूल उद्गम स्थल यारलुंग जांग्बो नदी पर 60 हजार मेगावाट क्षमता का जल विद्युत संयंत्र लगा रहा है ।इस लक्ष्य की पूर्ति के लिए वह विशालकाय बांध के निर्माण में लगा है। आशंका है कि चीन इस बांध में भरे जाने वाले जल का इस्तेमाल भारत के विरुद्ध जल युद्ध के रूप में कर सकता है। इसकी काट के लिए भारत ने अरुणाचल प्रदेश के अपर सियांग क्षेत्र में 11,200 मेगावाट क्षमता की पनबिजली परियोजना पर काम शुरू कर दिया है ।1.10 लाख करोड़ रुपए की इस परियोजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (पीएफआर) भी बन गई है ।एक अन्य 9,380 मेगावाट क्षमता की पनबिजली परियोजना अरुणाचल

में पहले से ही निर्माणाधीन है। इस पहल से चीन शिनजियांग के रेगिस्तानी इलाके को उपजाऊ भूमि में बदलना और इस क्षेत्र की आबादी को पेयजल उपलब्ध कराना चाहता है। दक्षिणी तिब्बत की यारलुंग जांग्बो नदी के जल प्रवाह को रेगिस्तान की ओर मोड़ा जाएगा। इसे मोड़ने के लिए चीन के अभियन्ता ऐसी तकनीकों के परीक्षण में जुटे हैं, जिनका प्रयोग कर ब्रह्मपुत्र नदी के जलप्रवाह को 1000 किमी लम्बी सुरंग बनाकर मोड़ दिया जाए। इस योजना के जरिए चीन की मंशा अरुणाचल प्रदेश की सीमा से लगे तिब्बत से शिनजियांग में पानी ले जाने की है। भारत सरकार के साथ दुनिया भर के पर्यावरण प्रेमी चिन्तित हुए थे, क्योंकि सुरंग खुदाई से हिमालय के पारिस्थितिकी तंत्र पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा ।लेकिन चीन ने अपने रुख में बदलाव नहीं किया ।हालांकि ब्रह्मपुत्र नदी द्वारा कई बाँध बनाए जाने को लेकर भारत बीजिंग को पहले ही अपनी चिन्ताओं से अवगत करा चुका है। ब्रह्मपुत्र नदी के पानी को लेकर चीन का भारत से ही नहीं बांग्लादेश से भी विवाद है। इस नदी पर कई बाँध बनाकर चीन ने ऐसे जल प्रबन्ध कर लिये हैं कि वह जब चाहे तब भारत और बांग्लादेश में पानी के प्रवाह को रोक दे और जब चाहे तब ज्यादा पानी छोड़कर ब्रह्मपुत्र नदी के किनारे बसे इलाकों में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न कर दे। चीन ने ऐसी हरकत करते हुए साल 2016 में भारत में जलापूर्ति करने वाली ब्रह्मपुत्र नदी की सहायक नदी जियाबुकू का पानी रोक भी दिया था ।चीन यदि बांधों से ज्यादा पानी छोड़ देता है तो यह पूर्वोत्तर भारत की कृषि व्यवस्था तहस नहस कर सकता है। चीन के बांध भारत की पर्यावर्णीय व्यवस्था पर भी विपरीत असर डाल सकते हैं। एशिया की सबसे लम्बी इस नदी की लम्बाई 3000 किमी है। इसी की सहायक नदी जियाबुकू है। जिस पर चीन हाइड्रो प्रोजेक्ट बना रहा है। दुनिया की सबसे लम्बी नदियों में 29वाँ स्थान रखने वाली ब्रह्मपुत्र 1625 किमी तिब्बत क्षेत्र में बहती है। इसके बाद 918 किमी भारत और 363 किमी की लम्बाई में बांग्लादेश में बहती है। समुद्री तट से 3300 मीटर की ऊँचाई पर तिब्बती क्षेत्र में बहने वाली इस नदी पर चीन ने 12वीं पंचवर्षीय योजना के तहत तीन पनबिजली परियोजनाएँ निर्माण के प्रस्ताव पहले ही मंजूर कर चुका है और अब नए बांध निर्माण को मंजूरी दे दी है। चीन इन बाँधों का निर्माण अपनी आबादी के लिये व्यापारिक, सिंचाई, बिजली और पेयजल समस्याओं के निदान के उद्देश्य से कर रहा है, लेकिन उसका इन बाँधों और जल सुरंगों के निर्माण की पृष्ठभूमि में छिपा एजेंडा, खासतौर से भारत के खिलाफ जल हथियार के रूप में रणनीतिक इस्तेमाल भी हो सकता है ? दरअसल चीन में बढ़ती आबादी के चलते इस समय 886 शहरों में से 110 शहर पानी के गंभीर संकट से जूझ रहे हैं ।उद्योगों और कृषि सम्बन्धी जरूरतों के लिये भी चीन को बड़ी मात्रा में पानी की जरूरत है। चीन ब्रह्मपुत्र के पानी का अनूठा इस्तेमाल करते हुए अपने शिनजियांग, जांझु और मंगोलिया इलाकों में फैले व विस्तृत हो रहे रेगिस्तान को भी नियंत्रित करना चाहता है। चीन की यह नियति रही है कि वह अपने स्वार्थों की पूर्ति के लिये पड़ोसी देशों की कभी परवाह नहीं करता ।चीन ब्रह्मपुत्र के पानी का मनचाहे उद्देश्यों के लिये उपयोग करता है तो तय है, अरुणाचल में जो 17 पनबिजली परियोजनाएँ प्रस्तावित व निर्माणाधीन हैं, वे सब अटक प्रभावित हो सकती हैं ? ये परियोजनाएँ पूरी हो जाती हैं और ब्रह्मपुत्र से इन्हें पानी मिलता रहता है तो इनसे 37,827 मेगावाट बिजली का उत्पादन होगा। इस बिजली से पूर्वोत्तर के सभी राज्यों में बिजली की आपूर्ति तो होगी ही, पश्चिम बंगाल और ओड़ीसा को भी अरुणाचल बिजली बेचने लग जाएगा ।चीन अरुणाचल पर जो टेढ़ी निगाह बनाए रखता है, उसका एक बड़ा कारण अरुणाचल में ब्रह्मपुत्र की जलधारा ऐसे पहाड़ व पठारों से गुजरती है, जहाँ भारत को मध्यम व लघु बाँध बनाना आसान है। ये सभी बाँध भविष्य में अस्तित्व में आ जाते हैं और पानी का प्रवाह बना रहता है तो पूर्वोत्तर के सातों राज्यों की बिजली, सिंचाई और पेयजल जैसे बुनियादी समस्याओं का समाधान हो जाएगा।

दृष्टि कोण

आर्सेनिक की अधिकता से जीवन पर संकट

देश के भूजल में आर्सेनिक की मात्रा लगातार बढ़ती जा रही है। आज देश के 25 राज्यों के लगभग 230 जिले भूजल में बढ़ती आर्सेनिक समस्या से पीड़ित हैं। दुनिया भर में देखें तो लगभग 50 करोड़ लोग भूजल में आर्सेनिक की समस्या से जूझ रहे हैं। इससे पिगमेंटेशन, हाइपरकेराटोसिस, अल्सरेशन, त्वचा कैंसर, किडनी कैंसर, फेफड़ों का कैंसर के अलावा अब हृदय, लीवर, त्वचा के रंग में परिवर्तन, हथेलियों और तलवों पर सख्त धब्बे, पैरों की रक्तवाहिकाओं और मूत्राशय संबंधी बीमारियां हो रही हैं। वैज्ञानिकों ने आर्सेनिक युक्त दूषित पानी पीने से मधुमेह, उच्च रक्तचाप और प्रजनन संबंधी बीमारियों की आशंका भी जताई है। देश में कोलकाता का नाम आर्सेनिक से प्रदूषित शहरों में शीर्ष पर है। इस समय, देश के 27 राज्यों के 469 जिले फ्लोराइड से संदूषित हैं। भारत में भूजल में आर्सेनिक की मात्रा स्वीकार्य सीमा से काफी अधिक है, जिससे पश्चिम बंगाल, झारखंड, बिहार, असम, मणिपुर, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब और कर्नाटक सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। भारत में आर्सेनिक से प्रभावित लोगों की संख्या 5 करोड़ से अधिक है। आज असलियत में गंगा-मेघना-ब्रह्मपुत्र के मैदान का उत्तराखंड से लेकर पश्चिम बंगाल, बांग्लादेश सहित देश के पूर्वोत्तर के राज्य का भूजल आर्सेनिक से दूषित है। बांग्लादेश, भूजल में सर्वाधिक आर्सेनिक प्रदूषित देशों की सूची में शीर्ष पर है। दरअसल, भूजल में आर्सेनिक की मौजूदगी मुख्यतः 100 मीटर गहराई तक के जल में बनी रहती है। इससे गहरा जल आर्सेनिक से मुक्त रहता है लेकिन सबसे ज्यादा भूजल का उपयोग 100 मीटर तक के जल का होता है, इसलिए इसमें ही आर्सेनिक का प्रभाव सबसे ज्यादा रहता है। आर्सेनिक से दूध भी अछूता नहीं है। चूंकि आर्सेनिक युक्त भूजल का उपयोग सिंचाई कार्यों में भी होता है, इसलिए अकार्बनिक तत्व पौधों के शरीर में पहुंचकर जड़ों, तनों और पत्तियों के माध्यम से आगे बढ़ते हैं। और अंत में अनाज और सब्जियों में जाकर जमा हो जाते हैं। दरअसल, पानी में घुलनशील अकार्बनिक आर्सेनिक बहुत ही ज़हरीला होता है। इसके सेवन से जठरांत्र रोग सम्बन्धी लक्षण से मृत्यु तक हो जाती है। गौरतलब है कि चट्टानों और खनिजों के अपक्षय के दौरान आर्सेनिक मिट्टी और भूजल में प्रवेश करता है। यह मानवजनित स्रोतों से मिट्टी और भूजल में प्रवेश करता है। यह पर्यावरण के लिए भी खतरा है। क्योंकि आर्सेनिक उच्च तापमान प्रक्रियाओं जैसे कि कोयला आधारित बिजली संयंत्रों, वनस्पतियों को जलाने और ज्वालामुखी विस्फोट द्वारा वायुमंडल में उत्सर्जित होता है। पानी में विशेष रूप से भूजल में, जहां सल्फाइड खनिज जमा होते हैं और ज्वालामुखीय चट्टानों से निकलने वाली तलछट जमा होती है, आर्सेनिक की सांद्रता काफी बढ़ जाती है। दुनियाभर के जलस्तर में आर्सेनिक की बढ़ती मात्रा के चलते कैंसर के रोगियों की तादाद में बढ़ोतरी हो रही है। दुनिया में 2011 और 2019 के दौरान हर साल औसतन आर्सेनिक से हो रहे कैंसर के मामलों में 11.2 फीसदी की दर से बढ़ोतरी हो रही है। वहीं आर्सेनिक युक्त पानी पीने से किडनी के कैंसर के रोगियों की तादाद में 6 फीसदी की दर से बढ़ोतरी हो रही है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक इसे सातवां सबसे आम कैंसर माना गया है। अमेरिका के टेक्सास स्थित ए एण्ड एम यूनिवर्सिटी स्कूल आफ पब्लिक हैल्थ के वैज्ञानिकों के अनुसार आर्सेनिक युक्त पानी से किडनी के कैंसर का खतरा दो गुना हो जाता है। शोध में खुलासा हुआ है कि जिन क्षेत्रों में बसी आबादी जलाशयों, कुएं या फिर नदियों पर निर्भर हैं, वहां कैंसर का जोखिम 22 फीसदी अधिक पाया गया है। इससे किडनी या फेफड़े के कैंसर की संभावना बलवती हो जाती है। समूची दुनिया में 40 मिलियन से अधिक लोग पीने के पानी के लिए टैंकर या हैंडपंप के पानी पर निर्भर हैं। इससे आर्सेनिक के संपर्क में आने की प्रबल संभावना रहती है। वास्तव में, आर्सेनिक प्राकृतिक रासायनिक तत्व है। इसे ज़हरीली धातु माना जाता है। पानी से आर्सेनिक हटाने की दिशा में इस्तेमाल किए जाने वाले तरीकों में सोखना, आसवन और आयन एक्सचेंज में रिवर्स आस्मोसिस यानी आरओ जल निष्पादन प्रणाली सबसे बेहतर है। इससे आर्सेनिक जैसे घुले प्रदूषक हटा दिये जाते हैं। हानिकारक आर्सेनिक से पानी को मुक्त करके पानी को पीने योग्य बनाया जा सकता है। यह प्रणाली पानी को अर्धपारगम्य झिल्ली के माध्यम से साफ करने हेतु दबाव का काम करती है। आर्सेनिक से दूषित भूजल का जैविक उपचार आर्सेनिक को बायोमास में अवशोषित करके या बायोजेनिक हाइड्रोक्साइड या सल्फ़ाइड के साथ सह अवक्षेपण करके किया जा सकता है।

कुछ अलग

भारत की कूटनीतिक जीत

भारत ने कूटनीतिक तौर पर पाकिस्तान पर बड़ी जीत दर्ज की है। पाकिस्तान लंबे समय से ब्रिक्स समूह का सदस्य बनने का सपना देख रहा था और इसके लिए एड़ी-चोटी का जोर भी लगा रहा था। लेकिन भारत के जोरदार विरोध का ऐसा असर हुआ कि ब्रिक्स की सदस्यता तो दूर पाकिस्तान को सहयोगी देशों की सूची में भी जगह नहीं मिल पाई है। पाकिस्तान के लिए यह एक बड़ा झटका है। ब्रिक्स के 13 नए सहयोगी देशों की घोषणा की गई है, जिसमें सबसे बड़ा लाभ तुर्की को हुआ है। इन दिनों जम्मू-कश्मीर मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठाने से परहेज कर रहे तुर्की को सहयोगी देशों में जगह मिल गई है। माना जा रहा है कि जम्मू-कश्मीर को लेकर तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोगन के रुख में आए बदलाव की वजह से भारत ने ब्रिक्स में उसकी दावेदारी का विरोध नहीं किया। वहीं, अब पाकिस्तान की अपने ही देश में थू-थू हो रही है। इस मुद्दे पर पाकिस्तान को रूस और चीन का भी सहयोग नहीं मिल सका है। रूस ने घोषणा की है कि ब्रिक्स में जिन 13 देशों को शामिल किया गया है, उनमें अल्जीरिया, बेलारूस, बोलिविया, क्यूबा, इंडोनेशिया, कजाखस्तान, मलेशिया, थाइलैंड, तुर्की, यूगांडा, नाइजीरिया, उज्बेकिस्तान और वियतनाम हैं। ये सहयोगी देश आगे चलकर ब्रिक्स के सदस्य बनेंगे। रूस से इस समाचार के आते ही पाकिस्तान को सांप सूंघ गया है जो चीन के बल पर इस संगठन में शामिल होने के लिए पुरजोर ताकत लगाए हुए था। यही नहीं पाकिस्तान रूस को भी खुश करने में लगा हुआ था ताकि वह भारत पर दबाव डालकर ब्रिक्स की सदस्यता का रास्ता साफ कराए। वहीं भारत अपने पाकिस्तान विरोध पर पूरी ताकत से अड़ा हुआ था। पाकिस्तान की विदेश मामलों की जानकार और चर्चित पत्रकार मरियाना बाबर ने एक्स पर लिखा है, "यह पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय की पूरी तरह से विफलता है। वह भी तब जब इशाक डार विदेश मंत्री हैं जिनकी विदेशी मामलों में सबसे कम रुचि है। यहां तक कि नाइजीरिया ने पाकिस्तान से बेहतर किया और उसे ब्रिक्स का सहयोगी देश बना दिया गया है। पाकिस्तान को रूस, चीन और भारत ने ब्रिक्स से बाहर रखा"। याद रखें कि इशाक डार नवाज शरीफ के समधी और मरियम नवाज के ससुर हैं। इशाक डार पहले वित्त मंत्री हुआ करते थे लेकिन अब उन्हें शहबाज शरीफ के विरोध के बाद मजबूरन विदेश मंत्रालय से संतोष करना पड़ रहा है। ये सभी 13 नए देश 1 जनवरी 2025 से ब्रिक्स के सहयोगी देश होंगे। रूस इस समय ब्रिक्स का अध्यक्ष है। स्मरण रखें कि भारत रूस, ब्राजील, चीन और दक्षिण अफ्रीका के साथ ब्रिक्स का संस्थापक सदस्य देश है। ब्रिक्स का नियम है कि इस संगठन में नए सदस्य को शामिल करने को लेकर आम सहमति जरूरी है, ऐसे में भारत के सख्त रुख ने पाकिस्तान के लिए दरवाजे बंद कर दिए। वह भी तब जब चीन और उसके दबाव में रूस पाकिस्तान का समर्थन कर रहे थे। कई विश्लेषकों का कहना है कि अगर पाकिस्तान ब्रिक्स में शामिल होता तो इससे उसे काफी आर्थिक और राजनयिक लाभ मिलता। लेकिन भारत ने तय किया है कि जब तक पाकिस्तान आतंकवाद की राह नहीं छोड़ेगा, भारत वैश्विक मंच पर उसे अलग-थलग करने के लिए यथासंभव प्रयास करेगा। वैश्विक राजनीति में आज भारत की जो स्थिति है, उसको देखते हुए कहा जा सकता है कि पाकिस्तान के लिए आगे की राह भी कठिन है।

देश दुनिया से

विरोध-प्रतिरोध के बीच पनपता जीवंत लोकतंत्र

राजनीतिक, आर्थिक और तकनीकी दृष्टि से 2024 का साल भारत के लिए घटनाओं और उपलब्धियों से भरा रहा। आर्थिक मोर्चे पर भारत का उदय नए पावर हाउस के रूप में हो रहा है, पर साल की सबसे बड़ी गतिविधि राजनीति से जुड़ी थी। 17वीं लोकसभा का कार्यकाल 16 जून 2024 को पूरा हुआ, पर जो परिणाम आए, उनसे नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन को धक्का लगा। हालांकि, नरेंद्र मोदी को लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने का मौका मिला, पर अब भाजपा के पास पूर्ण बहुमत न होने से वह अपने सहयोगी दलों का सहारा ले रही है। बीजेपी को सबसे बड़ा धक्का उत्तर प्रदेश में लगा है, जहां के कुल 80 क्षेत्रों में से उसे केवल 33 में विजय मिली। समाजवादी पार्टी ने राज्य में 37 सीटों पर जीत हासिल करके भाजपा को दूसरे स्थान पर धकेल दिया। यह अप्रत्याशित था। राहुल गांधी के लिए भी व्यक्तिगत रूप से इस बार का चुनाव लाभकारी रहा। वर्ष 2019 में उन्हें अमेठी से हार का सामना करना पड़ा था, वहीं इस बार उन्होंने अमेठी से वापसी की। नेहरू-गांधी परिवार की एक अन्य सदस्य प्रियंका गांधी वाड्रा ने इस साल सक्रिय राजनीति में प्रवेश किया। लोकसभा चुनाव में अमेठी और वायनाड दोनों सीटों पर जीत के बाद राहुल गांधी ने वायनाड की सीट को छोड़ दिया, जहां से प्रियंका गांधी जीतकर आईं। लोकसभा चुनाव के परिणामों ने एकबारगी यह सोचने को मज़बूर किया कि क्या बीजेपी की विजय के चक्के ने अब उल्टी दिशा में घूमना शुरू कर दिया है? पर ऐसा भी नहीं है। इस वर्ष आंध्र प्रदेश, अरुणाचल, ओडिशा, सिक्किम, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभाओं के चुनाव भी हुए। जम्मू-कश्मीर में एक दशक के बाद विधानसभा चुनाव हुआ था। राज्य में अनुच्छेद 370 हटने के बाद यह पहला चुनाव था। इस बार मतदाताओं ने वोटिंग के सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए। उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली नेशनल कॉन्फ्रेंस ने शानदार वापसी की। वहीं हरियाणा, जम्मू-कश्मीर के जम्मू क्षेत्र और खासतौर से महाराष्ट्र के परिणामों ने बीजेपी को भारी राहत प्रदान की। प्रधानमंत्री बनने के नरेंद्र मोदी ने गृह, रक्षा, वित्त और विदेश विभाग अपने उन्हीं सहयोगियों को सौंपे जो पिछले कार्यकाल में उनके मंत्री थे। इससे उन्होंने यह ज़ाहिर कर दिया कि जैसा चल रहा था, वैसा ही चलेगा। बहरहाल केंद्र में गठबंधन की मजबूरियों के कारण इस सरकार को अब अगले चार साल तक अपने राजनीतिक-कार्यक्रमों को लागू करने में वैसी स्वतंत्रता नहीं होगी, जैसी पिछले दस वर्षों में रही। साल के अंत में सरकार ने 'एक देश, एक चुनाव' कार्यक्रम के साथ संविधान-संशोधन का विधेयक पेश किया है। उसे फिलहाल संयुक्त संसदीय समिति के पास भेज दिया गया है। अब उसे पास कराने के लिए जिस विशेष दो-तिहाई बहुमत की जरूरत भविष्य में होगी, उसके लिए सरकार को अपने गठबंधन सहयोगियों के अलावा दूसरे दलों के समर्थन की जरूरत भी होगी। साल की शुरुआत 22 जनवरी को अयोध्या के राममंदिर की स्थापना के साथ हो गई। लगता था कि अयोध्या-विवाद का समाधान हो जाने के बाद बीजेपी के पास एक मसला कम हो गया है, पर ऐसा है नहीं। वाराणसी के ज्ञानवापी, मथुरा के कृष्ण जन्मभूमि, राजस्थान के अजमेर शरीफ़ और अब संभल के विवादों ने राष्ट्रीय-परिदृश्य को घेर लिया है। इन विवादों के संदर्भ में साल के आखिरी महीने में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत के एक बयान ने एक और बहस को जन्म दे दिया है, जो संभवतः अगले साल के राष्ट्रीय-परिदृश्य को प्रभावित करती रहेगी। मोहन भागवत ने 19 दिसंबर को पुणे में 'हिंदू सेवा महोत्सव' के उद्घाटन के दौरान कहा, 'मंदिर-मस्जिद के रोज़ नए विवाद निकालकर कोई नेता बनना चाहता है तो ऐसा नहीं होना चाहिए, हमें दुनिया को दिखाना है कि हम एक साथ रह सकते हैं। अब वर्चस्व का ज़माना ख़त्म हो गया है। यह सब पुरानी लड़ाइयां हैं, इन्हें भूलकर हमें सबको संभालना चाहिए।' भागवत के बयान पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और कुछ धर्माचार्यों की प्रतिक्रियाओं ने उत्तर भारत के सर्द माहौल में गर्मी पैदा कर दी है। इस गर्मी के साथ साल के अंत में डॉ. भीमराव अंबेडकर को लेकर पैदा हुई तल्खी भी साल की महत्वपूर्ण घटनाओं में एक है। अंबेडकर की विरासत को लेकर राजनीति में तूफान आया हुआ है। अमित शाह की टिप्पणी के बाद संसद के परिसर में विरोध प्रदर्शन के दौरान दोनों पक्षों के बीच हाथापाई तक हुई। अगले साल की पहली तिमाही में ही दिल्ली विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं, इसलिए यकीनन सभी दल इस मुद्दे को उठाना जारी रखेंगे। इस तूफान के लक्षण 2024 के लोकसभा चुनाव के पहले प्रकट होने लगे थे, जब कांग्रेस ने जाति और संविधान की रक्षा को अपना मुद्दा बनाया। कहा गया कि भारतीय जनता पार्टी '400 पार' इसलिए चाहती है, ताकि वह संविधान को खत्म कर सके। संविधान खत्म होगा, तो आरक्षण भी खत्म हो जाएगा। माना जाता है कि आरक्षण खत्म होने के भय ने दलित वोटर को 'इंडिया' गठबंधन की शरण में जाने को प्रेरित किया। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी और जेल से बाहर आने के बाद उनके इस्तीफे ने भी राजनीतिक गलियारों में हलचल मचाई है। केजरीवाल के अलावा झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भी इस साल जेल जाना पड़ा, पर विधानसभा चुनाव में उनकी जीत ने इस कष्ट को काफी कम कर दिया। चुनाव का वर्ष होने के कारण इस साल पहले फरवरी में अंतरिम बजट पेश किया गया और फिर नई लोकसभा के गठन के बाद जुलाई में वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने पूर्ण बजट पेश किया। आर्थिक विकास और तकनीकी प्रगति के क्षेत्र में यह साल भारत के लिए उत्साहवर्धक रहा।

आप का नजरिया

मौत के बोरवेल

ऐसे समय में जब देश-दुनिया नये साल के जश्न में डूबने जा रही है मध्यप्रदेश व राजस्थान में खुले बोरवेल में गिरने से हुई दो बच्चों की मौत विचलित करती है। राजस्थान के दोसा जिले और मध्यप्रदेश के गुना की घटनाएं पहली बार नहीं हुई हैं। गाहे-बगाहे ऐसी खबरें पूरे देश से आती हैं। यह सोचकर ही मन सिहर उठता है कि कोई बच्चा कैसे एक अंधी सुरंग में भूखे-प्यासे, अपर्याप्त ऑक्सीजन व बिना हिले-डुले कुछ दिन मौत की प्रतीक्षा करता होगा। भय व घुप्प अंधेरे में बच्चा किन मानसिक व शारीरिक यातनाओं से गुजरता होगा, सोचकर भी डर लगता है। लेकिन फिर भी हमारा संवेदनहीन समाज व लापरवाह तंत्र इस त्रासदी को गंभीरता से नहीं लेता। जिस बोरवेल को खुदवाने में लाखों रुपये खर्च होते हैं, उसका मुंह बंद करने के लिये चंद रुपये खर्च करने में लोग आपराधिक लापरवाही दिखाते हैं। राजस्थान के कोटपुतली में बोरवेल में गिरी तीन साल की बच्ची को एक सप्ताह बाद भी न निकाला जाना तंत्र की विफलता को दर्शाता है। निस्संदेह, यह अभियान जटिल बताया जाता है और बारिश ने राहत कार्य में बाधा डाली, लेकिन शुरुआत में प्रशासन की शिथिलता पर सवाल उठे हैं। ऐसे अभियानों में राष्ट्रीय आपदा निरोधक बल तथा स्थानीय सुरक्षा बलों की नाकामी गाहे-बगाहे उजागर होती रहती है। निस्संदेह, ऐसे संकटों में तत्काल कार्रवाई और राहत- बचाव कार्य को आधुनिक तकनीक से शुरू करने की जरूरत महसूस की जाती रही है। यही वजह है कि आए दिन होने वाले बोरवेल हादसों के मद्देनजर देश की शीर्ष अदालत ने वर्ष 2010 में इस बाबत दिशानिर्देश जारी किए थे ताकि ऐसे हादसों को टाला जा सके। जिसमें बोरवेल के चारों ओर बाड़ लगाने तथा मजबूत बोल्ट के साथ स्टील कवर लगाने के निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद आए दिन बोरवेल में बच्चों के गिरने के मामले सामने आ रहे हैं। जाहिर किसान व स्थानीय प्रशासन सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की अनदेखी कर रहे हैं। अन्यथा ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति न होती। निस्संदेह, देश के विभिन्न भागों में बोरवेल हादसों का सामने आना जहां निगरानी करने वाले विभागों की लापरवाही को दर्शाता है, वहीं उन लोगों के आपराधिक कृत्य को भी दर्शाता है, जो बोरवेल का मुंह खुला छोड़ देते हैं। वहीं हादसे हमारे समाज में चेतना के अभाव को भी दर्शाते हैं कि खुले बोरवेल के खिलाफ आम लोगों के स्तर पर आवाज नहीं उठायी जाती। यह भी उल्लेखनीय है कि सिंचाई विभाग राज्यों का विषय होने के कारण इसमें केंद्र सरकार का दखल नहीं हो पाता। एक अनुमान के अनुसार देश में करीब पौने तीन करोड़ बोरवेल हैं। जिसमें से बड़ी संख्या में सूख चुके हैं। जिन्हें गैरजिम्मेदार लोगों द्वारा खुला छोड़ दिया जाता है, जो कालांतर हादसे की वजह बन जाते हैं। विडंबना यह भी है कि एनडीआरएफ द्वारा चलाये जाने वाले ऐसे राहत व बचाव के दो तिहाई अभियान नाकाम रहते हैं। दरअसल, सभी राज्यों में ऐसे मामलों में बच्चों की जान बचाने से जुड़े सुरक्षा उपाय हर जिले के अधिकारियों को एक मैनुअल के रूप में दिए जाने चाहिए। ताकि किसी हादसे के बाद राहत-बचाव कार्य तुरंत शुरू करके बच्चों को बचाया जा सके।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपके माता पिता आपकी फिजूलखर्ची को देखकर आज चिंतित हो सकते हैं और इसलिए आपको उनके गुस्से का शिकार भी होना पड़ सकता है। आज आप सामाजिक कार्यों पर ज़्यादा ध्यान देंगे और ज़रूरतमंदों की मदद करने की कोशिश करेंगे। आज आप अपने किसी वादे को पूरा नहीं कर पाएंगे जिसकी वजह से आपका प्रेमी आपसे नाराज हो जाएगा। नए संपर्क बनाने और व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए की गयी यात्रा फलदायी साबित होगी। आज आप सब कामों को छोड़कर उन कामों को करना पसंद करेंगे जिन्हें आप बचपन के दिनों में करना पसंद करते थे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अपने धन का संचय कैसे करना है यह हुनर आज आप सीख सकते हैं और इस हुनर को सीख कर आप अपना धन बचा सकते हैं। दिन के उत्तरार्ध में अचानक आई कोई अच्छी ख़बर पूरे परिवार को ख़ुशी देगी। व्यवसाय में किसी धोखेबाज़ी से बचने के लिए अपने आँख–कान खुले रखें। अगर आपके पास हालात से उबरने के लिए दृढ़ इच्छा–शक्ति है, तो कुछ भी असंभव नहीं है। आप अपने जीवनसाथी को समझने में आपसे ग़लती हो सकती है, जिसकी वजह से सारा दिन उदासी में गुज़रेगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज अपने घर के उन सदस्यों से दूर रहना चाहिए जो आपसे पैसा मांगते हैं और फिर लौटाते नहीं हैं। सही समय पर आपकी सहायता किसी को बड़ी परेशानी से बचा सकती है। दफ़्तर में आपको कुछ ऐसा काम मिल सकता है, जिसे आप हमेशा से करना चाहते थे। अगर आप अपने घर से बाहर रहकर अध्ययन या नौकरी करते हैं तो आज के दिन आप खाली समय में अपने घर वालों से बात कर सकते हैं। घर की किसी खबर को सुनकर आप भावुक भी हो सकते हैं। कई लोग साथ तो रहते हैं, लेकिन उनके जीवन में रोमांस नहीं होता। लेकिन यह दिन आपके लिए बेहद रोमानी होने वाला है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

जो लोग शादीशुदा हैं उन्हें आज अपने बच्चों की पढ़ाई पर अच्छा खासा धन खर्च करना पड़ सकता है। आप अनुभव करेंगे कि आपका जीवन अधिक अर्थपूर्ण हो रहा है। अपनी दीवानगी को क़ाबू में रखें, नहीं तो यह आपके प्रेम–संबंध को मुश्किल में डाल सकती है। कार्यक्षेत्र में बेहतर काम करने के लिए अपनी क्षमताओं को मांजने की कोशिश करें। अगर आप किसी विवाद में उलझ जाएँ तो तल्ख़ टिप्पणी करने से बचिए। पड़ोसियों का दख़ल शादीशुदा ज़िन्दगी में दिक़्क़त पैदा करने की कोशिश कर सकता है, लेकिन आप व आपके जीवनसाथी के बीच का बंधन बहुत मज़बूत है और इसे तोड़ना आसान नहीं है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

परिवार के किसी सदस्य के बीमार पड़ने की वजह से आपको आर्थिक परेशानी आ सकती है, हालांकि इस वक्त आपको धन से ज्यादा उनकी सेहत की चिंता करनी चाहिए। घर में तालमेल बनाए रखने के लिए साथ में मिलकर काम करें। हालाँकि प्यार में निराशा हाथ लग सकती है किसी भी तरह की साझीदारी करने से पहले उसके बारे में अपनी अंदरूनी भावना की बात ज़रूर सुनें। आज आपको ढेरों दिलचस्प निमंत्रण मिलेंगे– साथ ही आपको एक आकस्मिक उपहार भी मिल सकता है। जीवनसाथी के साथ एक आरामदायक दिन बीतेगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपके द्वारा धन को बचाने के प्रयास आज असफल हो सकते हैं हालांकि आपको इससे घबराने की जरुरत नहीं है स्थिति जल्द ही सुधरेगी। अपने जीवन–साथी के साथ बेहतर समझ ज़िन्दगी में ख़ुशी, सुकून और समृद्धि लाएगी। आज कार्यक्षेत्र में अचानक आपके काम की छानबीन हो सकती है। ऐसे में अगर आपने कोई गलती की होगी तो आपको इसका भुगतान करना पड़ सकता है। इस राशि के कारोबारी आज अपने कारोबार को नई दिशा देने के बारे में विचार कर सकते हैं। जीवन साथी की किसी बात को गंभीरता से न लेने की स्थिति में विवाद हो सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज आप अपना धन धार्मिक कार्यों में लगा सकते हैं जिससे आपको मानसिक शांति मिलने की पूरी संभावना है। पारिवारिक सदस्यों से मतभेद ख़त्म कर आप अपने उद्देश्यों की पूर्ति आसानी से कर सकते हैं। आप क़ामयाबी ज़रूर हासिल करेंगे – बस एक–एक करके महत्वपूर्ण क़दम उठाने की ज़रूरत है। आपके पास समय तो होगा लेकिन बावजूद इसके भी आप कुछ ऐसा नहीं कर पाएंगे जो आपको संतुष्टि दे। कोई रिश्तेदार अचानक आपके घर आ सकता है, जिसके चलते आपकी योजनाएँ गड़बड़ा सकती हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

शाम के समय थोड़ा आराम कीजिए। कोई बड़ी योजनाओं और विचारों के ज़रिए आपका ध्यान आकर्षित कर सकता है। किसी भी तरह का निवेश करने से पहले उस व्यक्ति के बारे में भली–भांति जाँच–पड़ताल कर लें। पारिवारिक मोर्चे पर समस्याएँ मुँह बाए खड़ी हैं। पारिवारिक ज़िम्मेदारियों की अनदेखी आपको सबकी नाराज़गी की केंद्र बना सकती है। आज किसी ऐसे इंसान से मिलने की संभावना है जो आपके दिल को गहराई से छूएगा। लेकिन आप अकेले तो होंगे लेकिन शांत नहीं आपके दिल में आज के दिन कई चिंताएं हैं होंगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आप घूमने–फिरने और पैसे ख़र्च करने के मूड में होंगे– लेकिन अगर आपने ऐसा किया तो बाद में आपको पछताना पड़ सकता है। दिन चढ़ने पर किसी पुराने दोस्त से सुखद मुलाक़ात होगी। आज आपकी कलात्मक और रचनात्मक क्षमता को काफ़ी सराहना मिलेगी और इसके चलते अचानक लाभ मिलने की संभावना भी है। आज काफ़ी दिमाग़ी कसरत मुमकिन है। आपमें से कुछ शतरंज खेल सकते हैं, वर्ग–पहेली हल कर सकते हैं, कोई कविता–कहानी लिख सकते हैं या भविष्य की योजनाओं पर गहराई से सोच सकते हैं। किसी पड़ोसी, दोस्त या रिश्तेदार की वजह से वैवाहिक जीवन में अनबन मुमकिन है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आप उम्मीदों की जादुई दुनिया में हैं। आपके द्वारा धन को बचाने के प्रयास आज असफल हो सकते हैं हालांकि आपको इससे घबराने की जरुरत नहीं है स्थिति जल्द ही सुधरेगी। परिवार के सदस्य सहयोगी होंगे, लेकिन उनकी काफ़ी सारी मांगें होंगी। आज आपकी कलात्मक और रचनात्मक क्षमता को काफ़ी सराहना मिलेगी और इसके चलते अचानक लाभ मिलने की संभावना भी है। आज खाली वक़्त किसी बेकार के काम में खराब हो सकता है। ज़िन्दगी बहुत ख़ूबसूरत नज़र आएगी, क्योंकि आपके जीवनसाथी ने आपके लिए कुछ ख़ास योजना बनाई है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज धन की बहुत आवश्यकता पड़ेगी लेकिन बीते दिनों में किये गये फिजुलखर्च के कारण उनके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से मिली आकस्मिक अच्छी ख़बर आपके पूरे परिवार के लिए ख़ुशी के लम्हे लाएगी। आपके बॉस किसी भी बहाने में दिलचस्पी नहीं ज़ाहिर करेंगे– इसलिए निगाहों में बने रहने के लिए अपना काम अच्छी तरह से करें। आपको महसूस होगा कि आपका जीवनसाथी इससे बेहतर पहले कभी नहीं हुआ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

धार्मिक और आध्यात्मिक रुचि के काम करने के लिए अच्छा दिन है। लम्बे अरसे को मद्देनज़र रखते हुए निवेश करें। आपको चिंतामुक्त होकर अपने क़रीबी दोस्तों और परिवार के बीच ख़ुशी के लम्हे तलाशने की ज़रूरत है। प्यार का भरपूर लुत्फ़ मिल सकता है। जो कला और रंगमंच आदि से जुड़े हैं, उन्हें आज अपना कौशल दिखाने के लिए कई नए मौक़े मिलेंगे। वक्त की नाजाकत को समझते हुए आज आप सब लोगों से दूरी बनाकर एकांत में वक्त बिताना पसंद करेंगे। ऐसा करना आपके लिए हितकर भी होगा। आज से पहले शादीशुदा ज़िन्दगी इतनी अच्छी कभी नहीं रही।

गुरुवार का पंचांग

दिनांक : 02 जनवरी 2025 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2081
मास : पोष , शुक्ल पक्ष
तिथि : तृतीया रात्रि 01:10 तक
नक्षत्र : श्रवण रात्रि 11:11 तक
योग : हर्षण दोपहर 02:57 तक
करण : तैतिल दोपहर 01:50 तक
चन्द्रराशि : मकर
सूर्योदय : 06:46, सूर्यास्त 05:53 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:42, सूर्यास्त 06:05 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:36 , सूर्यास्त 05:56 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:36 , सूर्यास्त 05:46 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : धनुर्मास चालू है

पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

नागरिकों की तरक्की और कुशलता की करी कामना : बंडारू

चंडीगढ़,01 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने नववर्ष के पावन अवसर पर माता मनसा देवी मंदिर में पूजा अर्चना कर प्रदेशवासियों की आर्थिक खुशहाली और समृद्धि की कामना की। उन्होंने प्रदेश की जनता को नए साल की बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

राज्यपाल ने कहा कि माता मनसा देवी के चरणों में राज्य के नागरिकों की तरक्की और कुशलता की कामना करते हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश आर्थिक व सामाजिक क्षेत्र के साथ स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य क्षेत्रों में अभूतपूर्व तरक्की करे और नई उम्मीदों और संकल्पों के साथ आगे बढे। उन्होंने कहा कि नए साल पर हरियाणा सरकार राज्य में नवीनतम कार्य करने का संकल्प लें और विशेष कर कृषि, सिंचाई, स्वरोजगार क्षेत्र में भी प्रगति करें ताकि प्रदेश का हर युवा नई सोच और उमंग के साथ आगे बढ़ सके। इस लक्ष्य को लेकर चलने से नागरिकों में भी आर्थिक खुशहाली का दौर आएगा।

पत्रकारों से बातचीत करते हुए राज्यपाल ने कहा कि नए साल पर हम यह प्रण लें कि किसान एवं गरीब लोगों के उत्थान के लिए कार्य करें ताकि उनका सामाजिक एवं आर्थिक जीवन स्तर बढे और उन्हें आगे बढ़ने के अवसर सुलभ हों। किसान देश का अन्नदाता है, किसान हितों के लिए कार्य करना प्रदेश व देश में आर्थिक सफलता के द्वार खोलना है। बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने का संकल्प लिया है। भारत की विश्व स्तर पर आर्थिक क्षेत्र में अद्वितीय वृद्धि सुनिश्चित हो और आम नागरिकों की इसमें अहम भागीदारी की मंगलकामना करते हैं। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी जनता के हितार्थ और आपसी सौहार्द एवं भाईचारे की प्रबल भावना के साथ कार्य कर रहे है।

राज्यपाल ने कहा कि नए साल में विशेषकर कृषि क्षेत्र का संकल्प किसानों की उन्नति के द्वार खोलेगा और इससे हर नागरिक के जीवन में समृद्धि और खुशहाली का दौर आएगा। इस अवसर पर लेडी गवर्नर बंडारू वसंथा, बी विजयलक्ष्मी, वेदनशी, यशोधरा, बंडारू शिव शंकर, आकाश बंडारू, मिथिलेश बंडारू, बंडारू दिनेश, विनोद, आरूश, श्रेष्ठा, श्रेयस, अतिरिक्त उपायुक्त निशा यादव, डीसीपी हिमाद्री कौशिक, मुख्य कार्यकारी अधिकारी अशोक बंसल, सचिव शारदा प्रजापति, एसडीओ राकेश पाहूजा सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

भजनलाल ने नववर्ष पर गिरिराज जी का लिया आशीर्वाद

डीग,01 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को नववर्ष पर ग्राम पूंछरी में दूसरे दिन सपरिवार गिरिराज जी का आशीर्वाद लिया और देश प्रदेश की खुशहाली की कामना की। इस दौरान उनके साथ गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म मौजूद रहे। मुख्यमंत्री नववर्ष के उपलक्ष्य में गोवर्धन परिक्रमा के अहम पड़ाव पूंछरी का लौठा पहुंचे। शर्मा ने विशेष मंगला आरती में आमजन की भाँति श्रीनाथजी मंदिर में दर्शन किए। उन्होंने सभी के साथ नए साल की रामा श्यामा करते हुए प्रदेशवासियों के सुख–समृद्धि की मंगल कामना की। उन्होंने पूँछरी का लौठा में मुकुट मुखारबिंद पर श्रीगिरिराज जी का दुग्धाभिषेक किया। इस दौरान श्रद्धालु श्री गिरिराज जी महाराज के जयकारे लगाते नजर आए। उन्होंने पंचामृत व जड़ी बूटियों के साथ दूध से गिरिराज जी महाराज का दुग्धाभिषेक किया। मुखारबिंद में दुग्धाभिषेक के पश्चात उन्होंने स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होकर गिरिराज जी का कीर्तन किया और आमजन के साथ नया साल मनाया। इसके साथ ही अनेक प्रकार के व्यंजनों का श्रीनाथ जी को भोग लगाया गया। श्रद्धालुओं के लिए विभिन्न कार्यक्रमों के साथ ही भंडारे, प्रसादी वितरण की भी व्यवस्था की गई थी।

उल्लेखनीय है कि गिरिराज जी परिक्रमा पथ के विकास को चार जोन में बांटकर विकसित करने की योजना बनाई गई है। पहले जोन का शिलान्यास 15 दिसंबर, 2024 को हुआ है जिसमें श्रीनाथ जी मंदिर, पूंछरी का लौठा मंदिर, दाऊजी का मंदिर, गंगा मंदिर, नरसिंह जी मंदिर, मुखारबिंद, अप्सरा कुंड एवं नवल कुंड, फाउंटेन, राधा वाटिका, बोटेनिकल गार्डन, लोटस पौंड, मयूर वाटिका, विष्णु अवतार गार्डन का विकास करवाया जाएगा। इसके बाद दूसरे जोन में भव्य प्रवेश एवं निकास द्वार, मार्ग का सौंदर्यीकरण, रोशनी, विश्राम मंडप, पेयजल सुविधाओं, फूड जॉइंट एवं स्टॉल, भगवान श्री कृष्ण से संबंधित मूर्तियां, गैलरियों का निर्माण जैसे कार्य करवाए जाएंगे। परिक्रमा पथ के तीसरे जोन में परिक्रमा मार्ग के बाहर एंट्री प्लाजा, ग्रीन कैनाल वाटरफ्रंट, पार्किंग, गोठ स्थल, भजन एवं कीर्तन स्थल, पौराणिक आर्ट गैलरी, गिरिराज जी म्यूजियम, सांस्कृतिक केंद्र, आध्यात्मिक केंद्र, आर्ट विलेज आदि का विकास किया जाएगा। वहीं, चौथे जोन में बनने वाली 250 फुट ऊंची मूर्ति श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र होगी। इस जोन में आश्रम गांव, मेडिटेशन हॉल, गौशालाओं, राजस्थानी हैंडीक्रॉफ्ट बाजार आदि का विकास किया जाएगा।

बुधवार को राजभवन में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय से शिष्टाचार मुलाकात कर नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं प्रदान की। राज्यपाल ने भी मुख्यमंत्री के सुखी एवं मंगलमय जीवन की कामना की। राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय से बुधवार को राजभवन में मुख्य सचिव विवेक जोशी ने शिष्टाचार मुलाकात कर नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं प्रदान की। मुख्य सचिव ने राज्यपाल को वर्ष 2025 का सरकारी कैलेंडर भी भेंट किया।

शेखावत ने तिरुपति बालाजी में किए दर्शन

जोधपुर,01 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने नए साल के पहले दिन तिरुपति बालाजी मंदिर में आशीर्वाद लिया। अपने धर्मपत्नी नोनद कंवर के साथ उन्होंने भगवान श्री वेंकटेश्वर के चरणों में पूजा अर्चना की। शेखावत ने तिरुमाला को 'भूलोक वैकुंठम' बताते हुए कहा कि यह स्थान वास्तव में अलौकिक है।

मंत्री शेखावत ने देशवासियों को नए साल की शुभकामनाएं दी और कहा कि 2025 एक नया उत्कर्ष लेकर आएगा, जो भारत को वर्ष 2047 के विकसित भारत के लक्ष्य की ओर एक कदम और करीब ले जाएगा। उन्होंने यह भी आह्वान किया कि हम सब मिलकर नववर्ष की शुरुआत संस्कृति, विरासत, एकता और निरंतर विकास के उत्सव के रूप में मनाएं। शेखावत ने समृद्धि और खुशहाली की कामना करते हुए तिरुपति बालाजी से प्रार्थना की कि भगवान श्री वेंकटेश्वर भारत पर अपनी छत्रछाया बनाए रखें और हर नागरिक के जीवन में सुख और समृद्धि आए।

केंद्र ने न्यायमूर्ति हरप्रीत सिंह बराड़ को पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय का स्थायी न्यायाधीश नियुक्त किया

नई दिल्ली, 01 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्र ने बुधवार को न्यायमूर्ति हरप्रीत सिंह बराड़ की पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के स्थायी न्यायाधीश के रूप में नियुक्ति को अधिसूचित किया । यह नियुक्ति सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की सिफारिश के बाद की गई है।

इस संबंध में जारी अधिसूचना में कहा गया है कि, भारत के संविधान के अनुच्छेद 217 के खंड (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति के अनुसार, राष्ट्रपति न्यायमूर्ति हरप्रीत सिंह बराड़ , पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश को उनके पदभार ग्रहण करने की तिथि से उस उच्च न्यायालय का स्थायी न्यायाधीश नियुक्त करते हैं। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने 12 दिसंबर, 2024 को हुई अपनी बैठक में न्यायमूर्ति हरप्रीत सिंह बराड़, अतिरिक्त न्यायाधीश को पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय में स्थायी न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।न्यायमूर्ति बराड़ का जन्म 20 दिसंबर, 1975 को श्री मुक्तसर साहिब जिले के फुलेवाला गाँव में हुआ था, और उनका कानूनी करियर बहुत शानदार रहा है। उनके पिता, स्वर्गीय गुरबचन सिंह बराड़, पंजाब राज्य के उप जिला अटॉर्नी और अतिरिक्त महाधिवक्ता के रूप में कार्यरत थे।

बराड़ की शैक्षणिक यात्रा 1990 में डीएवी हाई स्कूल, श्री मुक्तसर साहिब से मैट्रिकुलेशन के साथ शुरू हुई। उन्होंने 1995 में पंजाब विश्वविद्यालय से कला स्नातक की उपाधि प्राप्त की, उसके बाद 1999 में कानून की डिग्री प्राप्त की। 2000 में एक वकील के रूप में नामांकित होने के बाद, वे जल्दी ही रैंक में ऊपर उठे और 2009 से 2014 तक पंजाब के अतिरिक्त महाधिवक्ता बने। उन्होंने पंजाब शहरी नियोजन और विकास प्राधिकरण और पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड सहित कई महत्वपूर्ण सार्वजनिक निकायों का भी प्रतिनिधित्व किया । न्यायमूर्ति बरार कानूनी समुदाय में गहराई से शामिल थे, उन्होंने पंजाब और हरियाणा बार काउंसिल के सदस्य के रूप में कई कार्यकालों तक सेवा की और 2019 में इसके अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। उनका नेतृत्व पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन के अध्यक्ष के रूप में उनकी भूमिका तक बढ़ा, जो लगातार दो कार्यकालों तक चला। उल्लेखनीय रूप से, उन्हें 2021 में वरिष्ठ अधिवक्ता के रूप में नामित किया गया था। अपने पूरे करियर के दौरान, वे कानूनी साक्षरता को बढ़ावा देने, मुफ्त में मामलों का संचालन करने और कई मामलों में एमिकस क्यूरी के रूप में उच्च न्यायालय की सहायता करने के लिए प्रतिबद्ध थे। संवैधानिक और आपराधिक कानून में विशेषज्ञता रखने वाले, उन्हें अप्रैल 2023 में पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय में अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया , जो उनके प्रतिष्ठित कानूनी करियर में नवीनतम मील का पत्थर है।

एडमिनिस्ट्रेटर एडवाइजरी काउंसिल की बैठक

परिवहन विभाग से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई

चंडीगढ़,01 जनवरी (एजेंसियां)। चंडीगढ़ से सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री मनीष तिवारी की अध्यक्षता में एडमिनिस्ट्रेटर एडवाइजरी काउंसिल (ट्रांसपोर्ट) की बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में एसएसपी ट्रैफिक यू.टी. चंडीगढ़, संयुक्त सचिव–कम–निदेशक परिवहन, यू.टी. चंडीगढ़, चीफ इंजीनियर नगर निगम चंडीगढ़, चीफ इंजीनियर यू.टी चंडीगढ़, चीफ आर्किटेक्ट यू.टी चंडीगढ़, सेक्रेटरी स्टेट ट्रांसपोर्ट ऑथारिटी यू.टी. चंडीगढ़, सदस्य राधेश्याम गर्ग के अलावा, सी.आर.ई.एस.टी तथा एम.सी विभाग के प्रतिनिधि शामिल रहे।

बैठक के दौरान परिवहन विभाग से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। चेयरमैन को ऑटो रिक्शा रजिस्ट्रेशन के रेगुलेशन और सेफ्टी मुद्दों के संबंध में अवगत कराया गया कि पंजाब तथा हरियाणा में क्रमशः 5000 ऑटो–रिक्शा पंजीकृत किए गए हैं।

इस दौरान चेयरमैन ने शहर में इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के बारे में विस्तृत जानकारी मुहैया करवाने को कहा। उन्होंने बताया कि अधिकांश ईवी चार्जिंग पॉइंटस या तो क्षतिग्रस्त हो गए हैं या काम नहीं कर रहे हैं। चेयरमैन ने आगे बताया कि एक टिकाऊ, फायदेमंद और सस्ते ईवी पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर के बिना परिवहन क्षेत्र में कोई भी हरित परिवर्तन संभव नहीं है।

इसी तरह शहर के बाहर के वाहनों पर कंजेशन टैक्स लगाने के संबंध में चेयरमैन का विचार था कि यह एक अस्पष्ट प्रस्ताव है और भारतीय परिवेश के लिए उपयुक्त नहीं है। उन्होंने कहा कि सेंट्रल लंदन में कंजेशन टैक्स काम कर सकता है, लेकिन चंडीगढ़ सेंट्रल लंदन नहीं है।

बैठक में कमेटी को अवगत कराया गया कि पैसेंजर गुड टैक्स को निरस्त करने के संबंध में प्रस्ताव भारत सरकार को भेजा गया था, क्योंकि मोटर व्हीकल टेक्स और जीएसटी लोगों पर दोहरी मार और दोहरे कराधान के समान हैं। इस संबंध में भारत सरकार से अभी भी उत्तर की प्रतीक्षा है। जैसे ही भारत सरकार से उत्तर प्राप्त होगा, उसके अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। जिस पर उक्त एजेंडे पर आगे नहीं बढ़ने का निर्णय लिया गया।

विधायक सिद्धि कुमारी को झटका

देवस्थान विभाग ने पलटा अपना ही फैसला

बीकानेर,01 जनवरी (एजेंसियां)। बीकानेर के पूर्व राजघराने से जुड़े संपत्ति विवाद में भाजपा विधायक सिद्धि कुमारी को बड़ा झटका लगा है। पहले देवस्थान विभाग ने उनके पक्ष में फैसला दिया था, लेकिन अब उसी विभाग ने अपना फैसला पलट दिया है, जिससे राज्यश्री कुमारी के प्रभाव वाले ट्रस्ट को मजबूती मिली है।देवस्थान विभाग ने हाल ही में दिए गए आदेश में मुंबई हाईकोर्ट के एक फैसले का हवाला देते हुए स्पष्ट किया है कि राज्यश्री कुमारी इस परिवार की वरिष्ठतम सदस्य हैं। वर्तमान में राज्यश्री कुमारी, मधुलिका कुमारी, रीमा हुजा और हनुवंत सिंह वर्किंग ट्रस्टी के रूप में कार्यरत हैं, जबकि सिद्धि कुमारी पंजीकृत ट्रस्टी हैं।

अब महाकुंभ को लेकर भी सपा को लग रही मिर्ची

लेकिन सच यह है कि सपा ने किया था कुंभ-घोटाला

महालेखाकार की रिपोर्ट खोलती है अखिलेश की पोल

लखनऊ/प्रयागराज, 01 जनवरी (एजेंसियां)।

मकर संक्रांति 14 जनवरी 2025 से प्रयागराज में महाकुंभ प्रारंभ हो रहा है। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार इसके लिए तैयारियों में जुटी हुई है। इन्फ्रास्ट्रक्चर से लेकर भीड़ प्रबन्धन तक का काम तेजी से चल रहा है। योगी सरकार का कहना है कि 2025 का महाकुंभ सबसे दिव्य होगा।

अब इस आयोजन से भी विपक्ष को समस्या हो गई है। सपा से फैजाबाद के सांसद अवधेश कुमार ने कहा है कि महाकुंभ का आयोजन करना कोई नई बात नहीं है और उनकी सरकार में भी यह हुआ था। अवधेश कुमार ने दावा किया है कि इस बार के महाकुंभ में बंदरबांट हो रही है। सपा नेता अखिलेश यादव भी महाकुंभ की तैयारियों पर लगातार सवाल उठा रहे हैं। कहीं वह खम्भों की फोटो डालते हैं तो कहीं अधूरी पुलिस चौकी दिखाते हैं। उनका दावा है कि महाकुंभ का काम अधूरा है। जबकि, अखिलेश यादव और उनकी पार्टी के नेता यह भूल जाते हैं कि अब से ठीक 12 वर्ष पहले प्रयागराज में उन्हीं की सरकार में कुंभ का आयोजन हुआ था और उसके कुप्रबंधन की दुनिया भर में आलोचना हुई थी।

अखिलेश यादव आलोचना करने के बजाय अपने मुख्यमंत्री रहते हुए एक मॉडल सेट कर सकते थे लेकिन तब उन्होंने कुंभ में कोई रुचि नहीं दिखाई थी। महाकुंभ के दौरान हुई भगदड़ से लेकर पैसा न खर्च करने और भीड़ के प्रबन्धन तक में सैकड़ों गड़बड़ियां उनकी सरकार में हुई थीं। इसको लेकर महालेखाकार (कैग) ने पूरी सच्चाई उजागर की थी। 2013 के कुंभ के लिए अखिलेश यादव को आजम खान के अलावा और कोई शख्स नहीं मिल सका था। आजम खान को इस मेले की समिति का अध्यक्ष बनाया गया था। आजम खान को हिंदुओं के सबसे बड़े आयोजन कुंभ में कोई रुचि नहीं थी और वह उस दौरान रामपुर में अपनी समानांतर सरकार चलाने और जौहर यूनिवर्सिटी बनाने में लगे हुए थे।

आजम खान के मंत्री रहते हुए इस कुंभ के दौरान प्रयागराज के रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ में 42 लोग मारे गए थे। यह हादसा 10 फरवरी 2013 को हुआ था। इस दिन मौनी अमावस्या थी और लाखों श्रद्धालु उस दिन प्रयागराज में गंगा में स्नान करने आए थे।

इस हादसे को लेकर रिपोर्ट भी बाद में सामने आई थी। इस हादसे के कारणों में से एक यह भी था कि राज्य सरकार ने पर्याप्त बसों की व्यवस्था नहीं की थी। इस हादसे के बाद आजम खान ने दिखावे के तौर पर अपने इस्तीफे की पेशकश की थी लेकिन अखिलेश यादव ने इसे स्वीकार करने से इनकार कर दिया था। हादसे के दो दिन बाद अखिलेश यादव प्रयागराज गए थे और गाड़ी लेकर अंदर घूम कर वापस चले गए थे। उन्होंने यहां स्नान करना तक जरूरी नहीं समझा था। वर्तमान में खम्भों पर तार ना लगने को लेकर राज्य सरकार को कठघरे में खड़ा कर रहे अखिलेश यादव तब हादसे को लेकर राजनीति ना करने की अपील कर रहे थे।

गड़बड़ी सिर्फ यहीं तक सीमित नहीं थी। इस कुंभ को लेकर जब कैग ने ऑडिट किया तो असल सच्चाई खुली थी। कैग की रिपोर्ट में सामने आया था कि 2013 के कुंभ के लिए सारे काम पूरे करने की तिथि सबसे पहले 30 नवम्बर, 2012 रखी गई थी लेकिन इनमें से कई काम मेला चालू होने तक भी पूरे नहीं हुए। इनकी तिथि इस बीच तीन बार बढ़ाई गई। कैग रिपोर्ट के अनुसार, अखिलेश यादव की सरकार मेले की शुरुआत यानी 14 जनवरी, 2013 तक इन्फ्रास्ट्रक्चर से जुड़े 59 प्रतिशत काम नहीं पूरे पाई थी। यानी वर्तमान में खम्भों पर तार ना लगने को मुद्दा बना रहे अखिलेश यादव अपनी सरकार में मेला शुरू होने तक 60 प्रतिशत काम नहीं पूरा करवा पाए थे।

यहां तक सड़क निर्माण से जुड़े 111 कामों में से 65 मेला खत्म होने के तक भी पूरे नहीं हुए थे। और तो और, 26 करोड़ के 4 प्रोजेक्ट जड़ से ही शुरू नहीं हो पाए थे। इन सब के बावजूद अखिलेश सरकार ने कैग को जनवरी, 2013 में यह सूचना दी थी कि सारे काम पूरे हो गए। इसको लेकर कैग ने सरकार को कठघरे में खड़ा किया था। कैग ने अपनी जांच में यह भी पाया कि कुंभ के ली लिए जिन दवाइयों, गाड़ियों समेत बाकी चीजों की सप्लाई की जानी थी, उसमें भी 2 करोड़ से ज्यादा का सामान मेला चालू होने तक भी नहीं पहुँचा था। कई ऐसे कामों को कुंभ के पैसे से करवा लिया गया था, जो उससे जुड़े थे ही नहीं।

2013 के महाकुंभ के लिए 1152 करोड़ का बजट बना था और यह रिलीज किए गए थे। इस धनराशि में से 341 करोड़ केंद्र सरकार के दिए हुए थे। यह खर्च कुंभ के दौरान बनने वाले इन्फ्रास्ट्रक्चर और बाकी खरीद के लिए होना था। लेकिन यह पैसा पूरा खर्च तक नहीं किया गया। इस धनराशि में से 1017 करोड़ खर्च हुआ। यानी 134 करोड़ की धनराशि पड़ी रह गई।

इसके अलावा समाजवादी पार्टी को केंद्र सरकार ने 800 करोड़ अलग से कुंभ के लिए दिए थे। इस धनराशि में से एक पैसा अखिलेश यादव की सरकार ने कुंभ के कामों के लिए नहीं लगाया। इस पैसे को राज्य सरकार ने अपने काम में लगा लिया। कैग की रिपोर्ट कहती है कि यदि इस हिसाब देखा जाए तो सपा सरकार ने मात्र 10 करोड़ या बजट का 1 प्रतिशत ही अपने पास से लगाया।

क्योंकि 1141 करोड़ तो केंद्र सरकार ही दे चुकी थी। इन सब के बाद भी जो पैसा खर्च भी हुआ, उसमे भी खूब गड़बड़ी हुई। गड़बड़ी का स्तर यह था कि बस और मोटरसाइकिल के नम्बर मेले में काम करने वाले ट्रैक्टर के लिए दिए गए थे।

कैग रिपोर्ट बताती है कि 30 मजदूरों को एक ही समय में दो जगह पर काम करते हुए दिखा दिया गया था। इनको पैसा भी दे दिया गया था। कहीं पुल के मरम्मत के नाम पर करोड़ों का फालतू खर्च किया गया तो कहीं बैरीकेडिंग में पैसा उड़ाया गया। कुल मिलाकर खूब भ्रष्टाचार भी हुआ।

अखिलेश सरकार ने केवल इन्फ्रा बनाने या पैसा खर्चने में ही कोताही 2013 कुंभ में नहीं बरती, बल्कि यहां श्रद्धालुओं के प्रबन्धन में भी भारी लापरवाही बरती थी। एक अनुमान के अनुसार, इस कुंभ में लगभग 12 करोड़ लोग देश विदेश से शामिल हुए थे। कैग की ही रिपोर्ट बताती है कि यहां इन 12 करोड़ श्रद्धालुओं को संभालने के लिए मात्र 5 गोताखोर की नियुक्ति हुई थी। इतने बड़े आयोजन में लोगों की सुरक्षा को गंभीरता से ना लेना कुंभ के प्रति अखिलेश सरकार की उदासीनता को दर्शाता है।

जहां 2013 का कुंभ अखिलेश यादव ने विफलताओं का स्मारक बना दिया था, वहीं 2025 के कुंभ को योगी सरकार ने डिजिटल कुंभ के तौर पर आयोजित करने की तैयारी कर ली है।

इस महाकुंभ के लिए योगी सरकार ने विशेष एप बनाया है। यह एप 11 भाषाओं में चलेगा। महाकुंभ में हर सेवा के लिए ठठ कोड लगाए गए हैं। महाकुंभ की सुरक्षा के लिए पूरे मेला क्षेत्र में हजारों कैमरा लगाए गए हैं। इनका एक इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सिस्टम बनाया गया है। इस सिस्टम में एआई का भरपूर उपयोग हुआ है। इसके अलावा ड्रोन भी निगरानी यहां की जाएगी। महाकुंभ मेला क्षेत्र को 25 कमांड सेंटर में बांट दिया गया है।

महाकुंभ का मेला क्षेत्र कई किलोमीटर में विस्तृत होता है। इसके कारण श्रद्धालुओं को काफी पैदल चलना पड़ता था। अब यह स्थिति योगी सरकार बदल देगी। योगी सरकार ने इस महाकुंभ में मेला क्षेत्र के भीतर शटल बस, ई ऑटो और ई रिक्शा की व्यवस्था की है। यह श्रद्धालुओं की सहूलियत के 24 घंटे उपलब्ध रहेंगे। हजारों पुलिसकर्मियों की नियुक्ति भी की गई है।

बिजली गिरी, धरती फटी और निकला शिवलिंग!

गाजियाबाद, 01 जनवरी (एजेंसियां)।

गाजियाबाद के मसूरी थाना क्षेत्र के मुबारिकपुर डासना गांव में एक चमत्कारिक घटना ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। बारिश के दौरान खेत में गिरी आकाशीय बिजली से अचानक 8-10 फीट गहरा गड्ढा बन गया। हैरानी की बात यह है कि इस गड्ढे में एक प्राचीन शिवलिंग दिखाई दिया, जिसे देख गांव के लोग स्तब्ध रह गए। घटना के बाद इलाके में भारी भीड़ जुट गई और शिवलिंग की पूजा-अर्चना शुरू कर दी गई।

गांव के निवासी संजीव ने बताया कि वह अपने खेत में चारा लेने गए थे, तभी उन्होंने गड्ढे में कुछ अजीब सा देखा। नजदीक जाकर देखने पर शिवलिंग प्रकट होने का पता चला। इसकी सूचना उन्होंने ग्रामीणों को दी, जिसके बाद सैकड़ों लोग मौके पर इकट्ठा हो गए। शिवलिंग पर बने त्रिपुंड

चिन्ह और इसकी संरचना को देखते हुए लोग इसे चमत्कार मान रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यह घटना दैवीय संकेत है और इसे शिवजी की कृपा मानते हुए लोग भजन-कीर्तन करने लगे। शिवलिंग को खेत से निकालकर पास के मंदिर में स्थापित कर दिया गया है। महिलाएं और पुरुष बड़ी संख्या में पूजा-अर्चना के लिए जुट रहे हैं। स्थानीय लोगों ने इस स्थान पर भव्य शिव मंदिर बनाने की मांग की है। खेत के मालिक ने मंदिर निर्माण के लिए अपनी जमीन दान करने का प्रस्ताव दिया है। उनका कहना है कि यह स्थान अब पवित्र हो गया है और यहां मंदिर का निर्माण होना चाहिए। ग्रामीणों ने मंदिर निर्माण के लिए चंदा इकट्ठा करने की भी योजना बनाई है।

गांव के बुजुर्गों का कहना है कि शिवलिंग का प्रकट होना भगवान शिव की विशेष कृपा का प्रतीक है। लोगों का मानना है कि यह स्थान अब एक तीर्थस्थल के रूप में प्रसिद्ध होगा। स्थानीय महिलाओं ने शिव भजन और कीर्तन का आयोजन भी शुरू कर दिया है। घटना की जानकारी प्रशासन को दी गई है। हालांकि, इस चमत्कार को लेकर प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। लेकिन ग्रामीण इस घटना को आस्था और भगवान शिव की कृपा का संकेत मान रहे हैं। गांव के लोग अब मंदिर निर्माण की तैयारियों में जुट गए हैं और उम्मीद जता रहे हैं कि यह स्थान जल्द ही धार्मिक पर्यटन का केंद्र बन सकता है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट का महत्वपूर्ण फैसला

पत्नी का बाहरी लोगों से मिलना तलाक का कारण नहीं

प्रयागराज, 01 जनवरी (एजेंसियां)।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि पत्नी का अपनी मर्जी से घर से बाहर निकलना, पर्दा ना करना और लोगों से दोस्ती रखना पति के खिलाफ क्रूरता नहीं मानी जा सकती।

ऐसे में यह कारण तलाक का आधार नहीं बन सकते। हाईकोर्ट ने यह टिप्पणी लगभग 23 साल से अलग रह रहे दंपति के तलाक के मामले में की। कोर्ट ने हालांकि दोनों का रिश्ता खत्म कर दिया।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यह टिप्पणियां महेंद्र प्रसाद नाम के व्यक्ति द्वारा दायर याचिका की सुनवाई के दौरान की हैं। महेंद्र प्रसाद ने आरोप लगाया था कि उनकी पत्नी पिछले लगभग 30 वर्षों से साथ नहीं रह रही और

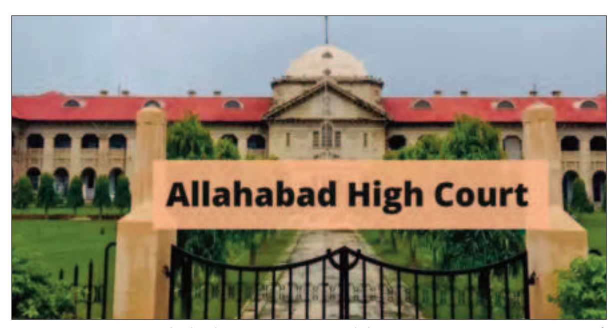

वह बाहर जाकर लोगों से मिलती है तथा साथ ही पर्दा नहीं करती। महेंद्र का आरोप था कि उनकी पत्नी विवाहित होने के बावजूद दूसरे व्यक्ति के साथ संबंध रखती है।

महेंद्र प्रसाद ने कहा था कि उनकी शादी 1990 में हुई थी और 1995 में उन्हें एक बेटा भी हुआ था। महेंद्र प्रसाद ने बताया था कि वह और उनकी पत्नी बमुश्किल 8 महीने साथ रहे हैं। उन्होंने कहा था कि 30 वर्ष अलग रहने के बावजूद उनकी पत्नी उसने तलाक के लिए राजी नहीं हो रही।

हाईकोर्ट में इस याचिका की सुनवाई जस्टिस सौमित्र दयाल सिंह और जस्टिस दोनाडी रमेश ने की।

हाईकोर्ट ने कहा, पत्नी का आजाद मर्जी वाला काम ऐसा करने वाली इंसान होना जो किसी अवैध संबंध को बनाए बिना अकेले यात्रा करे या समाज के अन्य सदस्यों से मिले, इसे क्रूरता का काम नहीं कहा जा सकता। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पति द्वारा लगाए गए उन आरोप को भी मानने से इनकार कर दिया जिनमें उसने कहा था कि उसकी पत्नी उसे गालियां देती थी और उसकी आर्थिक स्थिति को लेकर मजाक उड़ाती थी। हाईकोर्ट ने कहा कि दोनों की शादी परिवार ने की थी और एक दूसरे की आर्थिक स्थिति जानते थे, तथा अलग होने से पहले कुछ दिन तक वह साथ भी रहे।

हाईकोर्ट ने कहा कि पति ने यह भी नहीं बताया है कि यह गालियां या अपमान कब किया गया, इनकी जगह और तारीख भी नहीं बताई गई, ऐसे में यह आरोप नहीं माना जा सकता। हाईकोर्ट ने पत्नी के किसी पंजाबी बाबा नाम के व्यक्ति के साथ सम्बन्धों के आरोप भी मानने से इनकार कर दिया।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पाया कि कम से कम 23 वर्षों तक अलग रहने और अब भी एक साथ रहने को राजी नहीं हो रही पत्नी तलाक नहीं चाहती।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि दोनों का 23 साल तक अलग रहना और अब भी पत्नी का साथ रहने का राजी नहीं होना शादी को अपने आप खत्म कर देता है। इन्हीं कारणों को देखते हुए हाईकोर्ट ने दोनों की शादी का रिश्ता भंग कर दिया। हाईकोर्ट ने कहा कि पति-पत्नी, दोनों ही नौकरी करते हैं और आर्थिक रूप से सक्षम हैं, उनका बेटा भी 29 वर्ष का हो गया है, ऐसे में कोई भी गुजारा भत्ता नहीं दिया जाएगा।

पीलीभीत मुठभेड़ मामले में एक और नया खुलासा

बरामद हथियारों का पाकिस्तानी कनेक्शन पाया गया

पीलीभीत, 01 जनवरी (एजेंसियां)।

पीलीभीत मुठभेड़ में मारे गए आतंकियों से बरामद हथियारों का पाकिस्तानी कनेक्शन पाया गया है। आतंकियों के पास से बरामद दोनों ग्लॉक पिस्टल में ऑस्ट्रिया लिखा हुआ है। आतंकियों के पास से चांदी का कड़ा, रोलैक्स घड़ी और करीब 45 हजार नकदी भी मिली थी। पंजाब और पीलीभीत पुलिस के साझा ऑपरेशन में मारे गए आतंकियों के पास से मिले दो ग्लॉक पिस्टल और अन्य हथियारों के तार पाकिस्तान से जुड़े हैं। पुलिस और जांच एजेंसियां इन हथियारों की कुंडली खंगाल रही हैं।

पंजाब में आतंकियों और अपराधियों से बरामद हथियारों से जोड़कर देखा जाए तो यहां बरामद हथियारों के पाकिस्तानी कनेक्शन स्पष्ट हैं। पुलिस ने 23 दिसंबर को मुठभेड़ में मारे गए आतंकियों के पास से पिस्टल के अलावा दो एके 47 व 100 से अधिक कारतूस बरामद किए थे। चांदी का कड़ा, रोलैक्स घड़ी और करीब 45

हजार नकदी भी मिली थी। आतंकियों के पास से बरामद दोनों ग्लॉक पिस्टल में ऑस्ट्रिया लिखा हुआ है। पुलिस जांच में इंग्लैंड में बैठे आतंकियों के मददगार बब्बर खालसा के आतंकी कुलबीर सिंह सिद्धू का नाम प्रकाश में आया है। इसी कड़ी में आशंका है कि उक्त हथियार पाकिस्तान में बैठे आतंकियों के आकाओं के द्वारा ही उपलब्ध कराए गए।

पुलिस अब राज्य, केंद्रीय व अन्य एजेंसियों के संपर्क में है, ताकि सटीक जानकारी मिल सके। इतना ही नहीं, बरामद एके 47 और कारतूसों की भी जांच हो रही है। एसपी अविनाश पांडेय ने बताया कि आतंकियों से बरामद हथियारों की जांच-पड़ताल हो रही है। सुरक्षा एजेंसियों से संपर्क किया जा रहा है। पंजाब पुलिस से भी इनपुट लिया जा रहा है। मुठभेड़ में ढेर हुए तीनों आतंकियों के पास मिले मोबाइल फोन से भी कई राज खुलने की संभावना जताई जा रही। कागजी प्रक्रिया के बाद पुलिस मोबाइल फोन को जांच के लिए लैब भेजेगी। ऐसा माना जा रहा है कि फोन में आतंकियों के स्थानीय कनेक्शन को लेकर कई बातें सामने आ सकेंगी।

23 दिसंबर को एनआईए ने पंजाब के गुरदासपुर निवासी जतिंदर सिंह उर्फ ज्योति को मुंबई के मानखुर्द से गिरफ्तार किया था। वह हथियार सप्लाई करने वाले बलजीत सिंह उर्फ राणा की गिरफ्तारी के बाद जुलाई 2024 से फरार चल रहा था। पूछताछ में पता चला कि उसने मध्य प्रदेश से 10 पिस्तौल लाकर पंजाब के लांडा और बटाला के गुर्गों तक पहुंचाई थी। हथियारों के पाकिस्तान से आने की बात भी सामने आई थी। इधर, 23 दिसंबर को ही पीलीभीत के पूरनपुर में हुई मुठभेड़ में तीन खालिस्तानी आतंकियों को मार गिराया गया। उनके पास से भी इसी तरह की ग्लॉक पिस्टल बरामद हुई थीं। इसीलिए अब पुलिस हर बिंदु पर जांच पड़ताल कर रही है।

मारे गए आतंकियों का मूवमेंट जानने के लिए शहर की विभिन्न दुकानों से कब्जे में लिए गए डीवीआर खंगालने में पुलिस मंगलवार को भी जुटी रही। विवेचक बीसलपुर कोतवाल संजीव शुक्ला मंगलवार को भी पूरे दिन कोतवाली में मौजूद रहे। पुलिस पुलिस का मानना है कि सीसीटीवी फुटेज से पता चल सकेगा कि आतंकी कहां-कहां गए।

पंजाब के गुरदासपुर जिले के कलानौर थाने की बख्शीवाल पुलिस चौकी पर ग्रेनेड फेंकने के बाद आतंकी वरिंदर सिंह उर्फ रवि, जसनप्रीत उर्फ प्रताप सिंह, गुरविंदर सिंह पूरनपुर पहुंचे थे। 20 से 21 दिसंबर के बीच तीनों हरजी होटल में ही रुके थे। 23 दिसंबर को तड़के पुलिस मुठभेड़ में तीनों मारे गए थे। मुठभेड़ में मारे गए तीन आतंकियों का इंग्लैंड में बैठा मददगार कुलबीर सिंह उर्फ सिद्धू बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) से जुड़ा आतंकी है। सिद्धू ने ही जसपाल उर्फ सनी के जरिए तीनों आतंकियों को होटल में ठहराया था।

यूपी के शख्स ने खरीदी थी दाऊद इब्राहिम की दुकान

23 साल बाद मिला मालिकाना हक, रजिस्ट्री हुई

लेकर दुकान पर अब भी है दाऊद के गुर्गों का कब्जा

फिरोजाबाद, 01 जनवरी (एजेंसियां)।

फिरोजाबाद के हेमंत जैन ने 23 साल पहले एक दुकान खरीदी थी, लेकिन 23 साल बाद उसे दुकान का मालिकाना हक मिल सका। हेमंत ने जो दुकान खरीदी थी, वह अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम की थी। मुंबई बम धमाकों के बाद आयकर विभाग ने अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम की सम्पत्तियों की नीलामी की थी।, नीलामी में वह दुकान भी थी, जिसे फिरोजाबाद के हेमंत जैन ने खरीद ली थी। लंबी कानूनी लड़ाई के बाद उन्हें इस दुकान का मालिकाना हक मिला है। लेकिन अभी भी दुकान पर दाऊद इब्राहिम के गुंडों का ही कब्जा है।

मुंबई के जयराज भाई स्ट्रीट इलाके में यह दुकान करीब 144 वर्ग फीट की है। अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद की इस दुकान को आयकर विभाग से 20 सितंबर 2001 को नीलाम किया था। उस वक्त हेमंत जैन ने इस दुकान को 2 लाख रुपए में खरीद लिया था। उन्हें इस दुकान का मालिकाना हक अब जाकर मिला। हेमंत जैन ने बताया कि नीलामी में सम्पत्ति खरीदने के बाद उन्होंने काफी संघर्ष किया।

आयकर विभाग के अधिकारी भी दुकान के मालिकाना हक के मामले में उनका सहयोग नहीं कर रहे थे। हेमंत इसके लिए लगातार कानूनी लड़ाई लड़ते रहे। दाऊद के गुर्गों के साथ मिल कर सरकारी कर्मचारियों ने रजिस्ट्रार कार्यालय में नीलामी से संबंधित फाइल ही 2017 में गायब कर दी थी। इसके बाद हेमंत ने प्रधानमंत्री कार्यालय को कई पत्र लिखे। लंबी जद्दोजहद के बाद 19 सितंबर 2024 को उनके नाम पर रजिस्ट्री तो हो गई, लेकिन अभी भी दुकान पर दाऊद इब्राहिम के गुंडों का ही कब्जा है। हेमंत ने अब दुकान पर कब्जा लेने की कवायद शुरू की है।

नए साल पर पूजा-अर्चना के लिए तिरुमाला मंदिर में उमड़े श्रद्धालु

तिरुमाला, 01 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

नए साल 2025 के उपलक्ष्य में, आंध्र प्रदेश के तिरुमाला श्री वेंकटेश्वर मंदिर में बड़ी संख्या में भक्तों की भीड़ उमड़ी। यह मंदिर भगवान विष्णु के अवतार भगवान वेंकटेश्वर को समर्पित है और देश में सबसे अधिक देखे जाने वाले धार्मिक स्थलों में से एक है। यह सालाना लाखों भक्तों को आकर्षित करता है। समाचार एजेंसी से बात करते हुए, भक्तों में से एक, महालक्ष्मी ने नए साल की शुभकामनाएं दीं। महालक्ष्मी ने कहा, हम कल भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन के लिए आए थे। दर्शन बहुत अच्छे थे। सभी को नव वर्ष की शुभकामनाएं। एक अन्य भक्त चैतन्य ने कहा कि वह हर नए साल का जश्न मनाने और प्रार्थना करने के लिए तिरुमाला मंदिर आते हैं। चैतन्य ने कहा, हर साल मैं नए साल के मौके पर दर्शन के लिए यहां आता था। यहां आमतौर पर बहुत सारे लोग आते हैं, लेकिन इस बार भीड़ कम थी। दर्शन जल्दी पूरे हो गए। यहां सुविधाएं अच्छी हैं और एसएसडी टोकन जल्दी मिल जाते हैं। मैं स्थानीय मंदिर जाऊंगा और फिर वापस आऊंगा। एक और भक्त चिरंजीवी ने कहा कि मैं भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन

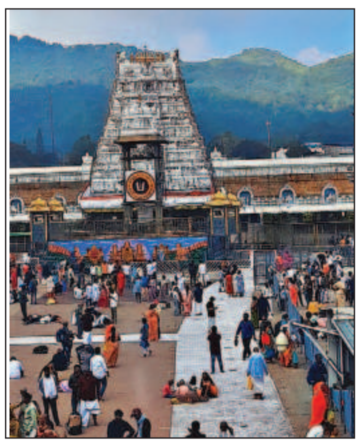

के लिए हैदराबाद से आया था। इस इलाके में सुविधाएं अच्छी हैं, जहां 3 से 5 लाख श्रद्धालु इकट्ठा हो सकते हैं। मैं नए साल पर दर्शन के लिए आया था। दर्शन 3 घंटे में ही पूरे हो गए।

इस बीच, देश भर से लोग नए साल को मनाने के लिए मंदिरों और चर्चों में बड़ी संख्या में एकत्र हुए, चाहे वह दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, अयोध्या, हरिद्वार, मथुरा, वाराणसी, अजमेर, तिरुपति या गुवाहाटी हो, लोग दिन मनाने के लिए प्रतिष्ठित धार्मिक स्थलों पर उमड़ पड़े।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में खराब मौसम की स्थिति के बीच, लोगों ने अपने दिन की शुरुआत कॉनॉट प्लेस के प्रसिद्ध प्राचीन हनुमान मंदिर में सुबह की प्रार्थना और 'आरती' के साथ की। राजधानी शहर के झंडेवालान मंदिर में भी कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिला।कालकाजी मंदिर में बड़ी संख्या में भक्त उमड़े, जबकि छतरपुर मंदिर और बिड़ला मंदिर में सुबह की आरती हुई।उत्तर प्रदेश के अयोध्या में 2025 के पहले दिन बड़ी संख्या में लोग श्री राम जन्मभूमि मंदिर में प्रार्थना करने पहुंचे।भारत ने पूरे देश में जश्न के साथ 2025 का स्वागत किया, क्योंकि विभिन्न शहरों में लोगों ने इस अवसर को खुशी और उत्साह के साथ मनाया। कई शहरों में पार्टियों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, लाइव संगीत प्रदर्शनों और थीम आधारित सजावट के साथ नए साल का जश्न शुरू हो गया।दिल्ली में हौज खास, कनॉट प्लेस और लाजपत नगर जैसी मशहूर जगहों पर नए साल का जश्न मनाने वालों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुरक्षित जश्न सुनिश्चित करने के लिए दिल्ली पुलिस ने पहले से ही सुरक्षा के इंतजाम कर रखे थे।

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल ने तिरुमला में पूजा-अर्चना की

तिरुपति, 01 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने साल के पहले दिन तिरुपति जिले में तिरुमाला श्री वेंकटेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना की।जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल ने मंदिर में पूजा-अर्चना की और अपने हैंडल पर नए साल की शुभकामनाएं दीं।एलजी मनोज सिन्हा के कार्यालय ने पोस्ट किया, नए साल के खुशी के अवसर पर सभी को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। साल 2025 सभी के लिए खुशियाँ, स्वास्थ्य और समृद्धि लेकर आए।नए साल 2025 के उपलक्ष्य में, बड़ी संख्या में भक्तों ने आंध्र प्रदेश के तिरुमाला श्री वेंकटेश्वर मंदिर में दर्शन किए।

गोलकोंडा किले में तीन दिवसीय अपनी सेना को जानो मेला कल से

हैदराबाद, 01 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सेना की ओर से हैदराबाद स्थित ऐतिहासिक गोलकोंडा किले में तीन-पांच जनवरी तक तीन दिवसीय 'अपनी सेना को जाने' मेला आयोजित किया जा रहा है।यहां बुधवार को जारी रक्षा विज्ञप्ति में कहा गया कि सेना की ओर से मुख्यालय तेलंगाना और आंध्र उप क्षेत्र (टीएएसए) के तत्वावधान में आयोजित तथा आर्टिलरी सेंटर, हैदराबाद की ओर से समन्वित यह कार्यक्रम सेना दिवस परेड 2025 की भव्य प्रस्तावना के रूप में आयोजित किया गया है।भारतीय सेना द्वारा मुख्यालय तेलंगाना और आंध्र उप क्षेत्र (टीएएसए) के तत्वावधान में आयोजित और आर्टिलरी सेंटर, हैदराबाद द्वारा समन्वित, यह कार्यक्रम सेना दिवस परेड 2025 के लिए एक भव्य प्रस्तावना के रूप में कार्य करता है, बुधवार को यहां एक रक्षा विज्ञप्ति में कहा गया।यह सिर्फ एक प्रदर्शनी नहीं है; यह मेला भारतीय सेना की ताकत, अनुशासन और राष्ट्र के प्रति समर्पण का उत्सव है।

सभी नागरिकों को सेना के कर्मियों के साथ बातचीत करने, अत्याधुनिक सैन्य उपकरण देखने और सशस्त्र बलों की प्रेरक विरासत के बारे में जानने का मौका मिलेगा।यह आयोजन शिक्षा, प्रेरणा और देशभक्ति का एक आदर्श मिश्रण है, जिसका उद्देश्य राष्ट्र की सुरक्षा में सेना की भूमिका की गहरी समझ को बढ़ावा देना है। यह एक अनूठा आयोजन सभी नागरिकों को भारतीय सेना से जुड़ने, इसकी तकनीकी क्षमता को देखने और इसकी परिचालन क्षमताओं के बारे में जानकारी प्राप्त करने का एक अनूठा अवसर प्रदान करता है।अपने ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व के लिए प्रसिद्ध गोलकोंडा किला इस आयोजन के लिए एक शानदार पृष्ठभूमि प्रदान करता है। इसकी पहुँच और प्रतिष्ठित कद आगंतुकों को लुभाने और उनके अनुभव को बढ़ाने का वादा करता है।

मेले को सुचारू संचालन, आकर्षक गतिविधियों और सभी उपस्थित लोगों के लिए अधिकतम दृश्यता सुनिश्चित करने के लिए सावधानीपूर्वक योजनाबद्ध किया गया है।

कार्यक्रम के दौरान तोपों, छोटे हथियारों और उन्नत परिचालन उपकरणों और उनके विनिर्देशों और संचालन महत्व को समझाने वाले बोर्डों को प्रदर्शित करने वाले प्रमुख उपकरणों के अलावा, संचार प्रणालियों, इंजीनियरिंग उपकरणों, परमाणु जैविक और रासायनिक (एनबीसी) युद्ध सूट और बहुत कुछ दिखाने वाले छोटे उपकरण स्टॉल भी प्रदर्शित किए गए, जिन्हें विस्तार योग्य टेंट में रखा गया।तीन दिवसीय कार्यक्रम के दौरान सैन्य उपकरणों के साथ फोटो खिंचवाने के अवसर और सशस्त्र बलों में कैरियर के अवसरों के बारे में विस्तृत जानकारी के साथ एक समर्पित भर्ती बूथ भी प्रदर्शित किया जाएगा।सैन्य बैंड द्वारा लाइव प्रदर्शन और वीरता पदक, वीरता की कहानियों और अन्य ऐतिहासिक यादगार वस्तुओं की प्रदर्शनी भी कार्यक्रम के दौरान प्रदर्शित की जाएगी।सेना के जवान प्रत्येक स्टॉल पर आगंतुकों से जुड़ने, अंतर्दृष्टि साझा करने और प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उपलब्ध रहेंगे।सभी प्रदर्शनों को सभी उपस्थित लोगों के लिए एक सुरक्षित अनुभव सुनिश्चित करने के लिए सख्त सुरक्षा प्रोटोकॉल के साथ व्यवस्थित किया गया है।

युवा उम्मीदवारों के लिए सशस्त्र बलों में विभिन्न कैरियर पथों को समझने के लिए व्यावहारिक अनुभव और प्रेरक मार्गदर्शन कार्यक्रम के दौरान आयोजित किया जाएगा।

एयर इंडिया की घरेलू उड़ानों में इन-फ्लाइट इंटरनेट की सुविधा शुरू

हैदराबाद, 01 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

एयरलाइन एयर इंडिया ने बुधवार को एयरबस ए350, बोइंग 787-9 और चुनिंदा एयरबस ए321 नियो विमानों की ओर से संचालित घरेलू उड़ानों में वाई-फाई इंटरनेट की शुरुआत करने की घोषणा की।एयरलाइन ने एक विज्ञप्ति में कहा कि अब यात्रियों को उड़ान के दौरान निशुल्क इंटरनेट का उपयोग करने का मौका मिलेगा, जिससे वे अपने मोबाइल फोन, लैपटॉप या अन्य उपकरणों के माध्यम से इंटरनेट पर ब्राउज़िंग, ईमेल भेजने, और अन्य ऑनलाइन सेवाएं प्राप्त कर सकते हैं।

यह सुविधा एयरबस ए350, बोइंग 787-9 और चुनिंदा एयरबस ए321 नियो विमानों की ओर से संचालित होने वाली घरेलू उड़ानों में की गयी है।

तेलंगाना बजट की तैयारियां शुरू, 4 जनवरी तक प्रस्ताव प्रस्तुत किए जाएंगे

हैदराबाद, 01 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राज्य सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए बजट अनुमान तैयार करने की औपचारिक शुरुआत कर दी है। सभी विभागाध्यक्षों और अन्य आकलन अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे निर्धारित प्रारूप में वित्त विभाग के पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन बजट अनुमान प्रस्तुत करें।

प्रारूप के अनुसार अनुमान प्रस्तुत न करने की स्थिति में संबंधित विभागों को इसके लिए बजटीय आवंटन नहीं किया जाएगा।अधिकारियों को चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए संशोधित अनुमान 4 जनवरी तक वित्त विभाग के पोर्टल के माध्यम से फिर से प्रस्तुत करने का भी निर्देश दिया गया। मंगलवार को जारी आदेशों में वित्त विभाग ने कहा कि बजट को कई सामाजिक-राजनीतिक विचारों को ध्यान में रखते हुए उपलब्ध संसाधनों के इष्टतम आवंटन के लिए तैयार किया जाएगा।

अधिकारियों को आगामी वित्तीय वर्ष के लिए विभिन्न मौजूदा योजनाओं के साथ-साथ नई प्रस्तावित योजनाओं के वेतन और व्यय सहित राजस्व प्राप्तियों और राजस्व व्यय से संबंधित प्रस्ताव प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया।

बजट अनुमान करों, शुल्कों और शुल्कों की मौजूदा दरों के आधार पर तैयार किए जाएंगे। हालांकि, अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे इन दरों में किसी भी तरह की वृद्धि या कमी का प्रस्ताव न करें, जिसे राज्य सरकार ने मंजूरी नहीं दी है। वे अपनी राजस्व प्राप्तियों में सुधार के लिए एक नया आधार तलाश सकते हैं, कड़ी निगरानी के माध्यम से लीकेज पर अंकुश लगा सकते हैं और संबंधित कर्मचारियों के प्रदर्शन में सुधार कर सकते हैं। इस बीच, वित्त विभाग के सूत्रों ने कहा कि संबंधित विभागों को बजट अनुमान तैयार करने के लिए मौखिक निर्देश पहले ही प्रसारित किए जा चुके हैं, जिन्हें अगले चार दिनों में पोर्टल के माध्यम से अपलोड किया जाएगा। प्रस्ताव प्राप्त होने पर, वित्त विभाग संक्रांति उत्सव के बाद विभागवार बैठकें करेगा। इन बैठकों की अध्यक्षता उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क संबंधित मंत्री के साथ करेंगे, ताकि जनवरी के अंत तक बजट तैयार करने का मार्ग प्रशस्त हो सके। फरवरी के पहले सप्ताह में पेश किए जाने वाले केंद्रीय बजट में किए गए आवंटन के आधार पर, राज्य के बजट अनुमानों को ठीक किया जाएगा। राज्य का बजट फरवरी के तीसरे सप्ताह में विधानसभा में पेश किए जाने की संभावना है।

संक्रांति के लिए टीजीएसआरटीसी 6,432 विशेष बसें चलाएगा

हैदराबाद, 01 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) ने 6,432 विशेष बसें चलाने का फैसला किया है, जिनमें से 557 सेवाओं के लिए आरक्षण की सुविधा प्रदान की गई है, क्योंकि संक्रांति पर यात्रियों की भीड़ रहती है।आरटीसी अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि पिछली संक्रांति के लिए 4,484 विशेष बसों की योजना बनाई गई थी, लेकिन यात्रियों की भीड़ को देखते हुए निगम ने करीब 5246 बसें चलाईं।

इसे देखते हुए इस बार 6,432 विशेष बसों की व्यवस्था की गई है, जो 9 से 15 जनवरी तक यात्रियों के लिए उपलब्ध रहेंगी।

आरटीसी अधिकारियों ने दो-हराया कि राज्य सरकार की महालक्ष्मी योजना के तहत संक्रांति के लिए चलने वाली पल्ले वेलुगु, एक्सप्रेस, सिटी ऑर्डिनरी और मेट्रो एक्सप्रेस बसों में महिलाओं के लिए मुफ्त बस परिवहन सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

संभल में एएसआई सर्वेक्षण

बावड़ी के दूसरे तल पर पत्थरों से बनी संरचनाएं और सीढ़ियां मिलीं

मुरादाबाद, 01 जनवरी (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के संभल जिले के चंदौसी स्थित मुस्लिम बहुल मोहल्ला लक्ष्मणगंज में मिली प्राचीन बावड़ी में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) का सर्वे एवं खुदाई का कार्य लगातार 11वें दिन मंगलवार को भी जारी रहा। एएसआई की टीम के निर्देशन में प्राचीन बावड़ी की खुदाई और मिट्टी हटाने का काम चल रहा है। आज बावड़ी का दूसरा तल, पत्थरों से बनी संरचनाएं व सीढ़ियां सामने आ गईं। चंदौसी नगर पालिका के 50 मजदूर शाम करीब 5 बजे तक बावड़ी की साफ-सफाई में लगे रहे। इसके बाद खोदाई रोक दी गयी। अब बुधवार को फिर खुदाई होगी।

नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी कृष्ण कुमार सोनकर ने बताया कि एएसआई की तीन सदस्यीय टीम और नगर पालिका के सहयोग से दर्जनों मजदूर बावड़ी की खुदाई में मंगलवार को भी जुटे रहे। बावड़ी के द्वितीय तल, पत्थरों से बनी संरचनाएं, सुरंगनुमा रास्ते और दर्जनों सीढ़ियां दिखाई देने लगी हैं। बावड़ी के कुएं और गलियारों की पूरी संरचना को साफ करने का कार्य जारी है। वहीं दो दिन पूर्व रविवार को बावड़ी में एक व्यक्ति के द्वारा शंखनाद करने और कुछ पंपलेट बांटने के बाद से पुलिस व पीएसी का पहरा सख्त हो गया है। स्थानीय प्रशसन ने बावड़ी परिसर में बाहरी लोगों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है।

एएसआई की देखरेख में जैसे-जैसे खुदाई का कार्य आगे बढ़ रहा है, बहुत सी चीजें स्पष्ट होती जा रही हैं। मुरादाबाद लोकसभा से पूर्व सांसद व पूर्व मंत्री स्व. रानी इंद्रामोहिनी के बेटे राजा चंद्रविजय सिंह उर्फ बेबी राजा के प्रतिनिधि कौशल किशोर ने बीते दिन संभल जिलाधिकारी राजेंद्र पैंसिया को दिए प्रार्थना पत्र में चंदौसी स्थित मोहल्ला लक्ष्मणगंज में प्राचीन बावड़ी को पुरातत्व विभाग अथवा पर्यटन विभाग को सौंपने की मांग की ताकि संभल जनपद के साथ पूरे मुरादाबाद मंडल के लोगों को एक ऐतिहासिक धरोहर के रूप में पर्यटन का स्थाना मिल सके। मंगलवार को पूर्व सांसद राजा चंद्र विजय सिंह उर्फ बेबी राजा ने कहा कि चंदौसी में मिली प्राचीन बावड़ी एक अनोखी धरोहर है। उनके पूर्वज बताया करते थे कि उत्तर प्रदेश में बावड़ी निर्माण कम ही स्थानों पर होता था।

महाकुंभ से पहले और साफ-सुथरा होगा प्रयागराज

प्रयागराज शहर में लगा पहला बायो सीएनजी प्लांट

नगर निगम को हर साल कचरे से होगी 56 लाख की आय

प्रयागराज, 01 जनवरी (एजेंसियां)।

महाकुंभ से पहले प्रयागराज और साफ-सुथरा हो जाएगा। इसके लिए प्रयास तेज कर दिए गए हैं। प्रयागराज शहर में घरों, होटल-रेस्टोरेंट्स और मंदिरों से 200 टन गीला कचरा हर दिन निकलता है। अब इसी कचरे से प्रयागराज नगर निगम 56 लाख रुपए सालाना कमाई करने जा रहा है। यानी जिस सब्जी, फल-फूल या जूठन को कभी यूं ही फेंक दिया करते थे, उसी से रोजाना अब 21500 किलो बायो सीएनजी और 200 टन जैविक खाद भी बनेगी। इसके लिए बाकायदा अरैल में उत्तर प्रदेश का पहला बायो गैस प्लांट स्थापित किया गया है। खास बात यह है कि महाकुंभ से पहले ये काम करना भी शुरू देगा और फरवरी से उत्पादन भी शुरू हो जाएगा।

दरअसल, प्रयागराज में हर दिन निकलने वाले कूड़े के कारण कचरे का पहाड़ बनता जा रहा था। हर तरह का कचरा होने के कारण उसे निस्तारित करना बड़ी समस्या थी। ऐसे में प्रयागराज नगर निगम ने कचरे से ऊर्जा बनाने की सोच को धरातल पर उतारा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वेस्ट-टू-वेल्थ की अवधारणा को साकार किया है। प्रयागराज आरएनजी (नवीकरणीय प्राकृतिक गैस) परियोजना अत्याधुनिक और नवीनतम तकनीक के साथ नगर निगम के ठोस कचरे को बायोगैस में संसाधित करने के लिए सबसे

उन्नत और कुशल सुविधाओं में से एक है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को प्रयागराज नगर निगम द्वारा स्थापित यूपी के पहले बायो-सीएनजी प्लांट का निरीक्षण किया। इस दौरान नगर आयुक्त चंद्र मोहन गर्ग ने मुख्यमंत्री को बताया कि यह बायो सीएनजी प्लांट प्रतिदिन 21.5 टन बायो सीएनजी और 200 टन जैविक खाद और 30 मीट्रिक टन ब्रिकेट का उत्पादन करेगा। इससे प्रयागराज नगर निगम को प्रतिवर्ष 56 लाख रुपए की रॉयल्टी प्राप्त होगी। औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, महापौर गणेश केसरवानी, प्रमुख सचिव नगर विकास विभाग अमृत अभिजात, अतिरिक्त सचिव संजय प्रसाद भी मौजूद रहे।

इस प्लांट की कुल क्षमता 343 टन प्रति दिन उत्पादन की है। हर दिन प्लांट से 21.5 टन बायो सीएनजी के साथ 100 टन ठोस जैविक खाद और 100 टन तरल जैविक खाद बनेगी। प्रथम चरण में 200 टन क्षमता के नगरीय कचरे से बायो सीए-नजी बनाने का कार्य पूरा हो चुका है। शेष 143 टन धान के पुआल और गोबर से गैस बनाने का काम प्रगति पर है। नगर निगम के पर्यावरण अभियंता उत्तम वर्मा ने बताया कि बायोगैस परियोजना से 45 हजार घरेलू उपभोक्ताओं के साथ ही किसानों को भी फायदा होगा। इसके साथ ही नगर निगम को सालाना करीब 5 करोड़ रुपए की बचत होगी। परियोजना में लगभग 200 व्यक्तियों के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। एक बार पूरी तरह से चालू हो जाने पर, प्लांट से लगभग 25 कर्मियों को सीधे रोजगार मिलेगा, जबकि 100 से अधिक लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से काम मिल सकेगा। इसके अलावा स्थानीय आर्थिक विकास में भी योगदान देगा।

पीपीपी मॉडल से इस बायो सीएनजी प्लांट का संचालन होगा। इसके लिए प्रयागराज नगर निगम ने 12.49 एकड़ जमीन नैनी के जहांगीराबाद में अरैल घाट के पास दी है। प्लांट का संचालन एवर एनवायरो रिसोर्स मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड करेगी। इसके लिए नगर निगम और कंपनी के बीच 25 साल के लिए अनुबंध हुआ है। इसके बाद कंपनी प्लांट का संचालन नगर निगम को सौंप देगी। फिलहाल इस प्लांट के संचालन के लिए करीब 1250 यूनिट बिजली की हर दिन खपत हो सकती है।प्लांट हेड हिमांशु बताते हैं कि कचरे से बायो सीएनजी बनने तक की साइकिल करीब 20 से 25 दिन की होती है। प्लांट की शुरुआत में करीब 30 टन गोबर प्रति दिन डाला जाएगा। इससे एक्टिव बैक्टीरिया बनेगा। एक बार यह प्रोसेस शुरू हो जाएगा, उसके बाद रोजाना गोबर की जरूरत नहीं पड़ेगी। बाद में फिर जरूरत के अनुसार गोबर का उपयोग किया जाएगा। दो चरणों में 21.5 टन प्रतिदिन का बायो-सीएनजी प्लांट स्थापित करने की योजना है। पहले चरण के लिए दो डाइजेस्टर स्थापित किए गए हैं। जो केवल 200 टन प्रतिदिन गीले कचरे का उपयोग करके 8.9 टन रोजाना बायो-सीएनजी का उत्पादन करेंगे। दूसरे चरण में रोजाना शेष 13.2 टन बायो-सीएनजी का उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है। हालांकि इसकी अनुमति बाद में प्लांट संचालकों की ओर से ली जाएगी। प्लांट के माध्यम से जैविक कचरे को ऊर्जा में बदलकर हर साल करीब 56700 टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन को कम किया जा सकेगा। लैंडफिल से कचरे का यह डायवर्जन ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने में और सहायता करता है। इस प्लांट को करीब 125 करोड़ की लागत से तैयार किया गया है। इस प्लांट से बायो-सीए-नजी की आपूर्ति प्रयागराज सहित उत्तर प्रदेश में औद्योगिक और खुदरा ग्राहकों को भी की जाएगी।

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 78,590/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 88,210/- (प्रति किलोग्राम)

शेयर मार्केट

बीएसई : 78,507.41 +368.40 +0.47%

एनएसई :23,742.90 98.10 (0.41%) ↑

शुभ लाभ का वार्षिक सब्सक्रिप्शन लें और उतने ही मूल्य का विज्ञापन छपवाएं

शुभ लाभ R. No. 5306
SPACE COUPON Rs. 2500/-
SUBSCRIPTION FORM
Name :
Period of Subscription : Annual Rs.
Mode of Payment : CHEQUE / D.D.
Cheque No. & Date .... Drawn ....
Name of the Executive ....
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, T19 Towers, Ranigunj, Secunderabad-500 003 (T.S.)

सुधि पाठकों को यह सूचित करना है कि हिंदी दैनिक शुभ लाभ वार्षिक सब्सक्रिप्शन स्कीम में आंशिक फेरबदल के साथ नये सिरे से सदस्यता अभियान शुरू कर रहा है। रुपये 2500/- के सालाना सब्सक्रिप्शन पर आप निर्धारित अवधि में रुपये 2500/- मूल्य (10x10 वर्ग सेंटीमीटर) का विज्ञापन निःशुल्क प्रकाशित करा सकते हैं। सब्सक्रिप्शन कूपन की प्रकाशित फोटो के अनुरूप आप अपनी प्राप्ति-रसीद प्राप्त कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए [illegible] पर संपर्क करें। - प्रबंधक

सूचना : सुधि पाठकों और विज्ञापनदाताओं से आग्रह है कि वे वार्षिक सब्सक्रिप्शन एवं विज्ञापन की राशि ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के जरिए सीधे संस्थान के बैंक खाते में डालें या बार-कोड द्वारा भेजें...

A/C Holder Name : Shree Siddivinayak publications
Bank Name : City Union Bank OD Account
A/c.No. : 512120020029300
Branch : Balanagar, Hyderabad
IFS Code : CIUB0000464

एअर इंडिया आने वाले वर्षों में अपनी वैश्विक पहुंच और बढ़ाएगी : कैम्पबेल विल्सन

नई दिल्ली,01 जनवरी (एजेंसियां)। एअर इंडिया की वैश्विक उपस्थिति आने वाले वर्षों में और बढ़ने वाली है। विमानन कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक (एमडी) कैंपबेल विल्सन ने बुधवार को कंपनी के विस्तार की महत्वाकांक्षी योजनाओं की घोषणा करते हुए यह बात कही।

एअर इंडिया प्रमुख कैंपबेल विल्सन ने अपने नए साल की शुभकामनाओं में एयरलाइन की बेड़े और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला, जिससे भारतीय विमानन के लिए एक मजबूत भविष्य सुनिश्चित होगा। उन्होंने कहा कि निजीकरण के बाद से कंपनी ने काफी प्रगति की है और आने वाले वर्षों में इसकी वैश्विक पहुंच और बढ़ेगी।

विल्सन ने कहा कि घरेलू और कम दूरी के अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों की सेवा देने वाले एकल-गलियारे वाले बेड़े की आंतरिक मरम्मत का काम जारी है। यह 2025 के मध्य तक पूरा हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में एयर इंडिया की वैश्विक कवरेज में और वृद्धि होगी, क्योंकि हाल ही में हमारे ऑर्डरबुक में 100 विमान जोड़े गए हैं, जो 2023 में 470 विमानों के लिए की गई प्रतिबद्धता को और बढ़ाएगा। विल्सन ने कहा कि इन नए विमानों को बेंगलुरु में एक बिल्कुल नई 12-बे रखरखाव सुविधा और प्रशिक्षण स्कूल, अमरावती में एक नया 34-विमान उड़ान स्कूल और गुरुग्राम में उपर्युक्त प्रशिक्षण अकादमी द्वारा समर्थन दिया जाएगा, जो न केवल हमारी एयरलाइन बल्कि भारत के विमानन पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने की हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। विल्सन ने कहा कि जनवरी 2025 एअर इंडिया की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। एयरलाइन टाटा समूह में अपनी वापसी की तीसरी वर्षगांठ मना रही है।

न्यूज़ ब्रीफ

विमान ईंधन 1,401.37 रुपए तक हुआ सस्ता, नई दरें लागू

नई दिल्ली। नए साल 2025 की शुरुआत कई सारे बदलाव के साथ हो गई है। विमानन क्षेत्र को राहत देने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों (ओएमसी) ने एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) के दाम में 1,401.37 रुपये प्रति किलोलीटर की कटौती की है। इस कटौती के बाद हवाई सफर सस्ता हो सकता है। नई दरें बुधवार से लागू हो गईं। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक, नई दिल्ली में विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमत 1,401.37 रुपये घटकर 90,455.47 रुपये प्रति किलोलीटर (1000 लीटर) हो गई है। इसी तरह कोलकाता में इसका भाव 93,059.79 रुपये प्रति किलोलीटर, मुंबई में 84,511.93 रुपये प्रति किलोलीटर और चेन्नई में 93,670.72 रुपये प्रति किलोलीटर हो गया है। उल्लेखनीय है कि पिछले साल दिसंबर में तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने एटीएफ की कीमत में 1,318.12 रुपये प्रति किलोलीटर और नवंबर में 2,941.5 रुपये प्रति किलोलीटर की बढ़ोतरी की गई थी। विमान ईंधन की कीमतों में यह गिरावट हवाई यात्रियों के लिए संभावित लाभ में तब्दील हो सकती है।

कॉमर्शियल गैस सिलेंडर 16 रुपए तक हुआ सस्ता, नई दरें लागू

नई दिल्ली। नया साल 2025 अपने साथ कई सारे बदलाव को लेकर आया है। इन बदलावों का असर आपकी जिंदगी और जेब पर पड़ेगा। मारुति सुजुकी, हुंडई, टाटा मोटर्स, किआ इंडिया, जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया की गाड़ियां महंगी हो गई हैं। वहीं, 19 किलोग्राम वाला कॉमर्शियल गैस सिलेंडर 16 रुपये तक सस्ता हो गया है। हालांकि, घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की कीमत में बदलाव नहीं हुआ है। नई दरें लागू हो गई हैं। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने बुधवार को 19 किलोग्राम वाले कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में 16 रुपये तक की कटौती की है। राजधानी दिल्ली में इसका दाम 14.50 रुपये घटकर 1804 रुपये हो गया है, जो पहले 1818.50 रुपये में मिल रहा था। वहीं, कोलकाता में इसकी कीमत 16 रुपये घटकर 1911 रुपये हो गई है, जो पहले 1927 में मिल रहा था। मुंबई में कॉमर्शियल गैस सिलेंडर 15 रुपये घटकर 1756 रुपये का हो गया है, जबकि चेन्नई में यह सिलेंडर 1966 रुपये का मिल रहा है। उल्लेखनीय है कि तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया है। राजधानी दिल्ली में यह 803 रुपये और मुंबई में 802.50 रुपये का मिल रहा है।

देश का तंबाकू निर्यात पांच वर्ष में बढ़कर 12,005 करोड़ रुपए के रिकॉर्ड स्तर पर

नई दिल्ली। देश का तंबाकू निर्यात पिछले पांच वर्ष में 87 फीसदी बढ़कर वित्त वर्ष 2023-24 में रिकॉर्ड

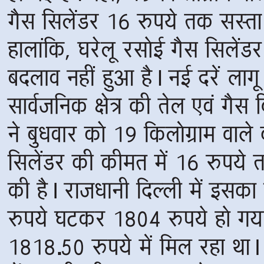

12,005.89 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया है, जबकि वित्त वर्ष 2019-20 में यह 6,408.15 करोड़ रुपये रहा था। इससे किसानों की आय भी दोगुनी से ज्यादा हो गई है। इस दौरान निर्यात मात्रा 218.84 मिलियन किलोग्राम से बढ़कर 315.51 मिलियन किलोग्राम हो गई है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अनुसार तंबाकू बोर्ड ने उद्योग की स्थिरता और विकास पर ध्यान केंद्रित किया है। तंबाकू बोर्ड अपना स्थापना दिवस मना रहा है।आंकड़ों के अनुसार फ्लू क्योर्ड वर्जीनिया (एफसीवी) तंबाकू से किसानों की आय वित्त वर्ष 2019-20 और वित्त वर्ष 2023-24 के बीच दोगुनी से ज्यादा हो गई है। वित्त वर्ष 2019-20 में यह 124 रुपये प्रति किलोग्राम थी, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़कर 279.54 रुपये हो गई है। भारत दुनिया में चीन के बाद तंबाकू का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश है। इसके साथ ही भारत दुनिया में चीन, ब्राजील और जिम्बाब्वे के बाद एफसीवी तम्बाकू का चौथा सबसे बड़ा उत्पादक है। भारत ब्राजील के बाद अनिर्मित तम्बाकू (मात्रा के संदर्भ में) का दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक भी है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

सावधान! देश की...

के भविष्य की जिम्मेदारी कौन लेगा?

प्रकृति ने भारत को भूमि और गर्भ में प्रचुर उर्वरता प्रदान की है। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा कृषि उत्पादक और सबसे बड़ी आबादी वाला देश है। हालांकि, अधिक उपज देने वाली किस्मों के आने से इस भूमि की उर्वरता कम हो गई है, जिसके लिए बहुत ज्यादा पानी, सिंथेटिक खाद और कीटनाशकों की जरूरत होती है। समय के साथ, हमने अपनी पारंपरिक किस्मों को खो दिया है। पारंपरिक खेती के तरीके अब कुछ ही किसानों तक सीमित रह गए हैं, जबकि ज्यादातर किसान व्यावसायिक लाभ के लिए अधिक उपज देने वाली किस्मों की ओर चले गए हैं। पीछे मुड़कर देखें तो हम पाते हैं कि पंजाब और हरियाणा में जमीन के बड़े हिस्से ने अपनी उर्वरता खो दी है और खाद्य उत्पादन के लिए कृत्रिम इनपुट पर काफी हद तक निर्भर हो गए हैं। साथ ही, कैंसर जैसी बीमारियों में भी इसी तरह की वृद्धि हुई है, जो परोक्ष रूप से हमारे भोजन में मौजूद रासायनिक अवशेषों से जुड़ी हुई हैं। इसके अलावा, जल स्तर में भी भारी गिरावट आई है, जिससे भूमि के बड़े हिस्से भविष्य में पारिस्थितिक रूप से बंजर हो सकते हैं। समाज में स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती पर बढ़ते ज़ोर ने, ख़ास तौर पर कोविड के बाद, जैविक खेती में तेजी ला दी है, जिसके उत्पाद बाजार में प्रीमियम कीमतों पर बिक रहे हैं। इस प्रकार स्थिति पूरी तरह बदल गई है, क्योंकि साठ साल बाद, हमारी भूमि की उर्वरता के ह्रास के मद्देनजर जैविक खेती एक लोकप्रिय पद्धति बन रही है।

सर्वाइकल कैंसर वैक्सीन पहले चरण में नौ से छब्बीस साल की लड़कियों को दी जाएगी। इसके बाद, यही वैक्सीन कम उम्र के लड़कों को भी दी जाएगी। गर्भाशय ग्रीवा, गर्भाशय का निचला हिस्सा है जो योनि से जुड़ता है। गर्भाशय ग्रीवा कैंसर, कोशिकाओं की वृद्धि है जो गर्भाशय ग्रीवा में शुरू होती है। मानव पेपिलोमावायरस के विभिन्न उपभेद, जिन्हें एचपीवी के रूप में भी जाना जाता है, अधिकांश गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर पैदा करने में भूमिका निभाते हैं। एचपीवी यौन संपर्क के माध्यम से फैलने वाला एक सामान्य संक्रमण है। एचपीवी के संपर्क में आने पर, शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली आमतौर पर वायरस को नुकसान पहुंचाने से रोकती है। हालांकि, वायरस कुछ प्रतिशत व्यक्तियों में वर्षों तक जीवित रह सकता है। यह उस प्रक्रिया में योगदान देता है जो कुछ ग्रीवा कोशिकाओं को कैंसर कोशिकाओं में बदल देती है। पुरुषों में, मानव पेपिलोमावायरस (एचपीवी) लिंग पर और जननांग और गुदा क्षेत्रों के आसपास के अन्य क्षेत्रों में जननांग मस्से पैदा कर सकता है। एचपीवी में 100 से अधिक वायरस का एक समूह शामिल है, जिसमें टाइप 6 और 11 दोनों लिंगों में 90 प्रतिशत जननांग मस्से के लिए जिम्मेदार हैं।

हमारे देश में लड़कों में समलैंगिक यौन संबंध घृणित और विकृत चित्त का मसला माना जाता है। एचपीवी टीकाकरण कार्यक्रम में लड़कों को शामिल करने का मतलब है कि सरकार यह मान बैठी है कि भारत में लड़के सामान्य तौर पर समलैंगिक संबंध रखते हैं। प्रजनन क्षमता पर इसके प्रभाव को जाने बिना किए गए क्लिनिकल ट्रायल्स में 1530 लोगों (जिनमें आधे पुरुष थे) के आधार पर राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम में सर्वावैक एचपीवी वैक्सीन को शामिल करने का निर्णय एक अक्षम्य भूल हो सकती है।भारत का अस्तित्व उसके नागरिकों में निहित है। सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी जनता के हितों की सेवा करना और उनके मौलिक अधिकारों की रक्षा करना है। राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम में एचपीवी वैक्सीन को शामिल करना, जो केवल 1,530 व्यक्तियों को शामिल करने वाले क्लिनिकल ट्रायल्स पर आधारित है, भारत के नागरिकों के हितों की सेवा करने के संवैधानिक दायित्व के प्रति एक कठोर उपेक्षा को दर्शाता है। गरीब किसानों को हानिकारक रसायन खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ा, जिससे उनकी जमीन बंजर हो गई। इस बार, सार्वजनिक धन का इस्तेमाल नई नस्लों को बांझ बनाने के लिए किया जा रहा है। क्या होगा अगर सर्वावैक वैक्सीन ने हमारी युवा आबादी की प्रजनन क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव डाला तो? इसके विनाशकारी परिणाम सामने दिख रहे हैं।

कांग्रेस का ...

बीरेन सिंह ने मणिपुर हिंसा को लेकर कांग्रेस नेता जयराम रमेश की टिप्पणी का करारा जवाब देते हुए बताया कि कैसे कांग्रेस ने राज्य में लगातार म्यांमार के घुसपैठियों को बसने दिया और म्यांमार में अड्डा बनाकर भारत में आतंक फैलाने वाले आतंकी समूहों से भी समझौते किए। उन्होंने कांग्रेस से कहा कि वह राज्य की स्थिति पर राजनीति करना छोड़ कर मुद्दे सुलझाने में सहायता करे।

मणिपुर की स्थिति कांग्रेस सरकार के दौरान क्या थी, यह बताते हुए बीरेन सिंह ने कहा, आप और बाकी सारे लोग जानते हैं कि मणिपुर के आज उथल पुथल में होने का कारण कांग्रेस के अतीत के पाप हैं। जैसे कि मणिपुर में बर्मी (म्यांमार) शरणार्थियों को लगातार बसाना और म्यांमार के उग्रपंथियों के साथ समझौते पर हस्ताक्षर करना। इसकी अगुवाई पी चिदंबरम ने भारत के गृह मंत्री रहते हुए अपने कार्यकाल में की थी।

बीरेन सिंह ने कहा, आज मैंने जो माफी मांगी है, वह उन लोगों के लिए है जो इस हिंसा के कारण विस्थापित हो गए हैं और बेघर हुए हैं। एक मुख्यमंत्री के रूप में मेरी यह अपील थी कि जो हुआ उसे भूलें, सरकार के सहयोग से जिंदगी की नई शुरुआत करें और हमें माफ कर दें। सीएम बिरेन सिंह ने कांग्रेस नेताओं पर प्रहार किया और कहा, मेरी माफी संवेदनाओं और संजीदगी से भरी है, उसमें भी आप राजनीति घसीट लाए।बीरेन सिंह ने जयराम रमेश को याद दिलाया कि कैसे कांग्रेस के राज के दौरान मणिपुर जलता रहा था। उन्होंने कहा, मैं आपको याद दिला दूं कि मणिपुर में नागा-कुकी संघर्ष के चलते लगभग 1,300 लोग मारे गए और हजारों लोग बेघर हुए थे। यह हिंसा कई साल तक जारी रही थी। 1992 और 1997 के बीच समय-समय पर हिंसा भड़कती रही थी। सबसे ज्यादा हिंसा 1992-93 के दौरान हुई थी। यह पूरी हिंसा 1992 में शुरू हुई थी और लगभग पांच वर्षों 1992-1997 तक जारी रही थी।

सीएम बीरेन सिंह ने कहा, यह दौर पूर्वोत्तर भारत में सबसे हिंसक संघर्षों में से एक था। इसके चलते मणिपुर में नागा और कुकी समुदायों के बीच संबंधों प्रभावित हुए। क्या पीवी नरसिम्हा राव, जो 1991 से 1996 तक भारत के प्रधानमंत्री थे और इस दौरान कांग्रेस के अध्यक्ष भी थे, तब क्या माफी मांगने मणिपुर आए थे? कुकी-पाईते की लड़ाई में राज्य में 350 लोगों की मौत हुई थी। कुकी-पाईते हिंसा (1997-1998) के दौरान, आईके गुजराल भारत के प्रधानमंत्री थे। क्या उन्होंने मणिपुर का दौरा किया और लोगों से माफी मांगी?

बीरेन सिंह ने पूछा कि कांग्रेस मणिपुर मामले को हल करने में प्रयास करने के बजाय इस पर राजनीति क्यों कर रही है? बीरेन सिंह का यह जवाब जयराम रमेश के उस सवाल पर आया जिसमें उन्होंने पूछा था कि पीएम मोदी खुद मणिपुर आकर माफी क्यों नहीं मांगते। जयराम रमेश ने दावा किया था पीएम मोदी जानबूझकर मणिपुर नहीं जा रहे। उन्होंने यह बात सीएम बीरेन सिंह के राज्यवासियों से माफी मांगने के बाद कही थी। बीरेन सिंह ने 31 दिसंबर को वर्ष 2024 में हुई हिंसा के लिए दुख जताया था और माफी मांगी थी।

गौरतलब है कि कुकी और नागा समुदाय के बीच वर्ष 1990 के दशक से लड़ाई चल रही है। यह लड़ाई कुकी समुदाय की कुकीलैंड को पाने के लिए चालू किए गए आंदोलन के बाद शुरू हुई थी। इस कथित कुकीलैंड का बड़ा हिस्सा मणिपुर की पहाड़ियों में है, यहां पर नागाओं का कब्जा था। यह लड़ाई तब चालू हुई जब जब कुकी लड़ाकों ने नागाओं पर हमला किया, उनके गांव जलाए और नागा समुदाय के सैकड़ों लोगों को मार डाला या उन्हें बेघर कर दिया।

तब नागाओं ने कुकी समुदाय को चेतावनी भी दी थी कि वह हिंसा बंद कर दें लेकिन इसका कोई असर नहीं हुआ। इसके बाद, नागाओं ने कुकी समुदाय पर हमले करना शुरू कर दिया और अगले 3 वर्षों में, कुकी समुदाय के 230 से अधिक लोग मारे गए। कई हजार लोग नागा इलाके से बाहर भी कर दिए गए। यह संघर्ष 1997 में जाकर रुका जब कूकी और पाईते के बीच लड़ाई चालू हुई। कुकी और पैती एक ही समूह से संबंधित हैं, लेकिन दोनों अपनी भाषा के आधार पर खुद को अलग करते हैं।

1992 में जब नागाओं ने जबरदस्ती बस रहे कुकी समुदाय के लोगों को भगाया तो वह पाईते के इलाकों में बसने लगे। इनमें से एक चुराचांदपुर भी है जो पाईते का मूलनिवास रहा है। कुकी मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में बसने लगे, जो पैतियों का गृहस्थान है। यहां आकर बसने वाले लोगों को कूकी उग्रवादियों ने समर्थन दिया और पाईते को परेशान करना चालू कर दिया। उन्हें अपने ही इलाके छोड़ने को कहा गया। बाद में पाईते ने सुरक्षा के लिए एक उग्रवादी समूह भी बनाया।

इसके बाद यहां हालात लगातार खराब होते रहे। कूकी उग्रवादी समूह ने जून 1997 में सैकुल नामक पाईते के गांव पर हमला किया और 13 पाईते को मार डाला। इसके बाद दोनों के बीच बड़े पैमाने पर हिंसा हुईं, जिसमें लगभग 15000 लोग मारे गए और बेघर हुए। दोनों समुदाय के बीच शांति तब आई जब अक्टूबर 1998 में एक शांति समझौते पर हस्ताक्षर हुए। इसके तहत 2 अलग-अलग संप्रदायों कुकी और ज़ोमिस को मान्यता मिली।

मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने जिस समझौते के विषय में बात की वह 2005 में कांग्रेस सरकार ने किया था। यह समझौता कूकी लड़ाकों और भारतीय सेना के बीच सस्पेंशन ऑफ ऑपरेशन था। इसके तहत कूकी लड़ाकों को संघर्ष रोकना था। इसके अलावा केंद्र सरकार, मणिपुर सरकार और 25 कूकी लड़ाका संगठनों के बीच एक और समझौता हुआ था। शांति समझौते के अनुसार लड़ाका समूहों को हथियार और गोला-बारूद का इस्तेमाल न करने के लिए कहा गया था, लेकिन इसके बाद भी कई बार झड़प और वसूली के चलते चिंता की स्थिति बनी रही।

सीएम बीरेन सिंह...

प्रगति हुई है। उन्होंने उम्मीद जताई कि 2025 में मणिपुर में सामान्य स्थिति और शांति वापस लौटेगी। उन्होंने कहा, मैं सभी समुदायों से अपील करता हूं कि जो कुछ हुआ, उसे पीछे छोड़ दें और एक नई शुरुआत करें। हमें एक शांतिपूर्ण और समृद्ध मणिपुर बनाने के लिए एकजुट होकर काम करना होगा।

मुख्यमंत्री ने हिंसा और इसके बाद की स्थिति की जानकारी देते हुए कहा कि इस साल लगभग 200 लोगों की जान गई। राज्य में 12,247 एफआईआर दर्ज की गईं और 625 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा सुरक्षा बलों ने अब तक 5,600 हथियार, भारी मात्रा में विस्फोटक और 35,000 गोलियां बरामद की हैं। मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार की मदद का भी जिक्र करते हुए कहा कि केंद्र ने पर्याप्त सुरक्षा बल, विस्थापित परिवारों के लिए सहायता राशि और उनके लिए नए घर बनाने के लिए धन उपलब्ध कराया है।

एकीकृत सैन्य...

महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत सिर्फ अपनी रक्षा करने के अलावा और भी बहुत कुछ करने की स्थिति में है। समूह के कर्मचारियों को नववर्ष के अपने संदेश में महिंद्रा ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय संबंध अधिकाधिक लेन-देन वाले बन सकते हैं, जो राष्ट्रीय हित तथा राष्ट्रीय ताकत के दम पर संचालित होंगे।

बांग्लादेशी घुसपैठिया ...

लवली खातून के खिलाफ रेहाना सुल्ताना ने कलकत्ता हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की है।

रेहाना सुल्ताना के वकील अमलान भादुड़ी ने कहा कि याचिकाकर्ता ने टीएमसी उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ा था, लेकिन वह लवली खातून से हार गई थीं, जिन्होंने कांग्रेस और वाम गठबंधन की उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ा था, लेकिन अंदर-अंदर टीएमसी लवली को समर्थन दे रही थी। खातून के चुनाव जीतने के एक या दो महीने के भीतर ही वह टीएमसी में शामिल हो गई।

लवली खातून का असली नाम नासिया शेख है और वह बांग्लादेश की अवैध घुसपैठिया है, जो बिना पासपोर्ट के अवैध रूप से भारत में घुसी थी। 2015 में खातून के नाम पर आधार कार्ड जारी किया था, और 2018 में जन्म प्रमाण पत्र जारी किया गया। लवली खातून ने चुनाव में अपनी पात्रता साबित करने के लिए आधार कार्ड, वोटर कार्ड और यहां तक कि ओबीसी स्टेटस जैसे फर्जी दस्तावेज भी बनवाए। लवली खातून पड़ोस के गांव के शेख मुस्तफा का नाम पिता के नाम पर लिखवा लिया, जबकि उसके पिता का असली नाम जमील बिस्वास है। राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर में भी शेख मुस्तफा के परिवार में लवली का कोई जिक्र नहीं है।

वकील ने सवाल उठाया है कि खातून कैसे चुनाव लड़ सकती हैं, जबकि वह भारतीय नागरिक नहीं हैं। इस मामले का पर्दाफाश ऐसे समय में हुआ है जब अवैध रूप से देश में प्रवेश करने वाले बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं को वापस उनके मुल्क में धकेलने की कार्रवाइयां जोर पकड़ रही हैं। दिल्ली से बांग्लादेशी घुसपैठियों को पिछले दिनों वापस बांग्लादेश भेजा गया। पश्चिम बंगाल में भी जाली दस्तावेजों के आधार पर पासपोर्ट बनाने के आरोप में सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिन्हें वापस बांग्लादेश धकेलने की कार्रवाई हो रही है।

भारत पाकिस्तान ...

भारत और पाकिस्तान के बीच इस सूची का आदान-प्रदान हर साल एक जनवरी को होता है और दोनों देशों को एक-दूसरे को सूचित करना होता है कि उनके परमाणु प्रतिष्ठान और सुविधाएं इस समझौते के दायरे में हैं।

इस समझौते पर 31 दिसंबर 1988 को दोनों देशों ने हस्ताक्षर किए थे। 27 जनवरी 1991 को इसे लागू किया गया था। इस समझौते का मकसद दोनों देशों के बीच परमाणु प्रतिष्ठानों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है, ताकि परमाणु युद्ध या हमले की संभावना को कम किया जा सके। भारत और पाकिस्तान के बीच यह 34वीं बार सूची का आदान-प्रदान हुआ। एक जनवरी 1992 से यह आदान-प्रदान लगातार हो रहा है।कश्मीर पर विवाद और सीमा पार आतंकवाद जैसे मुद्दों के कारण दोनों देशों के बीच संबंध हाल के वर्षों में तनावपूर्ण रहे हैं। इसके बावजूद इस सूची का आदान प्रदान किया गया, जो समझौते और सुरक्षा के प्रति दोनों देशों की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इसके अलावा, भारत और पाकिस्तान ने आज एक-दूसरे के कब्जे में रह रहे नागरिक कैदियों और मछुआरों की सूची की भी आदान-प्रदान किया। विदेश मंत्रालय ने बताया कि यह सूची कूटनीतिक चैनलों के जरिए साझा की गई। यह आदान-प्रदान 2008 के कांसुलर पहुंच (एक्सेस) समझौते के तहत किया गया है, जिसके अनुसार दोनों देशों को हर साल एक जनवरी और एक जुलाई को एक-दूसरे को अपने कब्जे में मौजूद नागरिक कैदियों और मछुआरों की सूची देनी होती है।

भारत ने 381 नागरिक कैदियों और 81 मछुआरों के नाम की सूची दी है, जो या तो पाकिस्तानी हैं या जिनके पाकिस्तानी होने का शक है। वहीं, पाकिस्तान ने 49 नागरिक नागरिक कैदियों और 217 मछुआरों के नाम की सूची साझा की है, जो या तो भारतीय हैं या जिनके भारतीय होने का शक है।

विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तान से कहा कि वह जल्द से जल्द इन नागरिक कैदियों, मछुआरों और लापता भारतीय सैनिकों को रिहा करे और उन्हें भारत भेजे। भारत ने यह भी कहा कि 183 भारतीय मछुआरों और नागरिक कैदियों को जल्द रिहा किया जाए, जिन्होंने अपनी सजा पूरी कर ली है। इसके अलावा, भारत ने पाकिस्तान से यह भी कहा है कि जो 18 भारतीय नागरिक पाकिस्तान की जेलों में हैं और जिनको अब तक कांसुलर पहुंच प्रदान नहीं की गई है, उन्हें तुरंत कांसुलर पहुंच प्रदान की जाए। मंत्रालय ने पाकिस्तान से यह भी कहा कि वह सभी भारतीय और भारत होने के शक वाले नागरिक कैदियों और मछुआरों की सुरक्षा सुनिश्चित करे, जब तक वे भारत वापस नहीं भेजे जाते।

खाद पर अब ....

मोदी कैबिनेट का एक और फैसला भी आया है, जिसके तहत बीमा योजना को किसानों के लिए और आकर्षक बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी मिली है। फसल बीमा योजना को आसान बनाने के लिए उसके नियम कानून को संशोधित किया जाएगा। इससे सस्ते दर पर और आसान नियम के तहत फसलों का बीमा हो पाए इसकी व्यवस्था होगी।

पीएम मोदी की अध्यक्षता में साल 2025 की पहली केंद्रीय कैबिनेट बैठक हुई, जिसमें बड़े फैसले लिए गए हैं। इसमें डीएपी पर सब्सिडी बढ़ाने का फैसला लिया गया है। ये पैकेज एक साल के लिए लागू रहेगा यानी 31 दिसंबर 2025 तक के लिए इसका फायदा लिया जा सकेगा। सरकार ने डीएपी खाद निर्माताओं को वित्तीय सहायता देने के लिए इस पैकेज की मंजूरी दी और कच्चे माल की बढ़ती लागत की भरपाई के लिए इस फैसले को लागू किया जा रहा है।

सरकार ने किसानों को सस्ती दर पर डीएपी उर्वरक की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए एकमुश्त विशेष पैकेज को 3,850 करोड़ रुपए तक बढ़ाने का बुधवार को फैसला किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) की बैठक में यह निर्णय लिया गया। इस फैसले से किसानों को डीएपी की 50 किलो वजन की एक बोरी 1,350 करोड़ रुपए में मिल सकेगी। डाय-अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) उर्वरक के लिए एकमुश्त विशेष पैकेज को जनवरी-दिसंबर, 2025 की अवधि के लिए मंजूरी दी गई है। सरकार के इस कदम का उद्देश्य किसानों को सस्ती कीमतों पर डीएपी की उपलब्धता सुनिश्चित करना है।

मंत्रिमंडल ने किसानों को किफायती मूल्य पर डीएपी की सतत उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए 01.01.2025 से 31.12.2025 तक की अवधि के लिए एनबीएस सब्सिडी से परे डाय-अमोनियम फॉस्फेट पर एकमुश्त विशेष पैकेज को मंजूरी दी है। इसके तहत किसानों को डीएपी का 50 किलोग्राम का बैग 1,350 रुपए में उपलब्ध कराया जाएगा। पीएम फसल बीमा योजना और पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना को कैबिनेट ने 2025-26 तक जारी रखने की मंजूरी दी है। 2021-22 से 2025-26 तक योजना पर 69,515.71 करोड़ का कुल व्यय होगा। कैबिनेट ने नवाचार और प्रौद्योगिकी के लिए फंड के निर्माण को भी मंजूरी दे दी है। 824.77 करोड़ प्रोफाइल फंड का उपयोग योजना के तहत तकनीकी पहलों के वित्तपोषण के लिए किया जाएगा।

बंदूक लाइसेंस...

अधिकारियों द्वारा 2.74 लाख से अधिक बंदूक लाइसेंस देने में अनियमितताओं की जांच कर रही है। एजेंसियों का अनुमान है कि यह कथित घोटाला 100 करोड़ रुपए से अधिक का है। सीबीआई को 16 तत्कालीन जिला मजिस्ट्रेटों के खिलाफ अभियोजन की मंजूरी का इंतजार है।सीबीआई ने अदालत को बताया कि उसे अभी भी 16 तत्कालीन जिला मजिस्ट्रेटों (13 आईएएस अधिकारी और तीन केएएस अधिकारी) के खिलाफ अभियोजन मंजूरी का इंतजार है, जिन्होंने पूर्ववर्ती जम्मू और कश्मीर राज्य के विभिन्न जिलों में अपनी पोस्टिंग के दौरान देश भर में अपात्र लोगों को अवैध रूप से बंदूक लाइसेंस जारी किए थे। 25 नवंबर 2024 को मुख्य न्यायाधीश ताशी रबस्तान और न्यायमूर्ति एमए चौधरी की उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ ने मामले में चयनात्मक अभियोजन पर नाराजगी व्यक्त की थी। सीबीआई द्वारा जांच पूरी कर लेने के बावजूद केंद्रीय गृह मंत्रालय ने अभी तक उनके अभियोजन को मंजूरी नहीं दी है।विशेष रूप से, पीठ ने कुपवाड़ा के पूर्व जिला मजिस्ट्रेट कुमार राजीव रंजन के मामले का भी उल्लेख किया था, जिनके खिलाफ सीबीआई ने 16 अक्टूबर 2018 को ही मामला दर्ज किया था। भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत लोक-सेवकों (पब्लिक सर्वेंट) पर मुकदमा चलाने के लिए अभियोजन की मंजूरी जरूरी होती है। लेकिन सरकार इसे लटका कर रखती है।इस साल की शुरुआत में राजीव रंजन, उनके पिता कृपा शंकर रॉय और भाई ज्योति रंजन उन दो दर्जन लोगों में शामिल थे जिनमें सेवारत और सेवानिवृत्त सरकारी अधिकारी, बंदूक डीलर और बिचौलिए शामिल थे। इनके खिलाफ ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में सीबीआई की विशेष अदालत में मुकदमा चलाने के लिए शिकायत दर्ज की थी। अपनी शिकायत में ईडी ने कहा था कि आरोपियों ने सीधे तौर पर राज्य की सुरक्षा में बाधा डाली है और उनके खिलाफ धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) 2002 के प्रावधानों के तहत कार्रवाई करने और उनकी चल और अचल सम्पत्तियों को जब्त करने की मांग की।ईडी ने अपनी शिकायत में कहा है, सीधे तौर पर राज्य की सुरक्षा में बाधा उत्पन्न हुई, क्योंकि ऐसे लाइसेंस कुछ मामलों में हथियारों की अवैध खरीद/जारी करने के लिए भी इस्तेमाल किए गए थे। पड़ोसी देशों के साथ सीमाओं से जम्मू और कश्मीर की निकटता, निर्धारित नियमों और विनियमों के उल्लंघन में हथियार लाइसेंस जारी करने से इस तथ्य का सबूत मिलता है कि आरोपियों द्वारा न केवल गलत लाभ कमाया गया है बल्कि उनके कार्यों से भी नुकसान हुआ है।

पुलिस मुठभेड़ों ...

उन्होंने कहा कि अपराधियों के खिलाफ मुठभेड़ों को और बढ़ाने के लिए योजनाएं बनाई जा रही हैं। पुलिस का ध्यान विशेष रूप से उन अपराधियों पर है जो गंभीर अपराधों में लिप्त हैं। उन्होंने यह भी कहा कि शासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी अपराध नियंत्रण की इस मुहिम को और प्रभावी बनाने के लिए रणनीतियां तैयार कर रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि योगी सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत अपराधियों के खिलाफ जारी कठोर कार्रवाई ने कानून व्यवस्था को मजबूत बनाया है। राज्य में बड़े पैमाने पर मुठभेड़ों, सम्पत्ति जब्तीकरण और रासुका के तहत हुई कार्रवाईयों से यह साफ हो गया है कि उत्तर प्रदेश अपराधियों के लिए सुरक्षित पनाहगाह नहीं रहेगा। पुलिस का यह अभियान आगे भी जारी रहेगा, जिससे राज्य में कानून का शासन स्थापित हो सके।

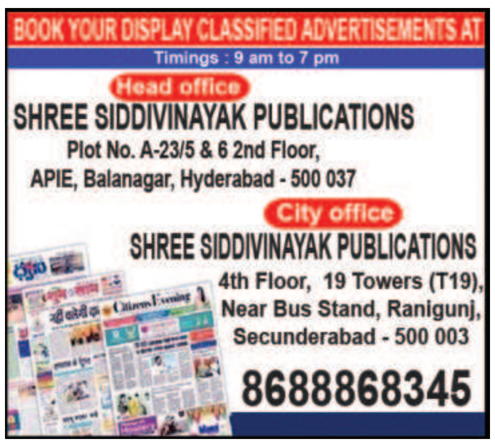

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, गुरुवार, 02 जनवरी, 2025

डॉ. भारती कुलकर्णी ने आईसीएमआर-राष्ट्रीय पोषण संस्थान के निदेशक के रूप में कार्यभार संभाला

हैदराबाद, 01 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

प्रशंसित चिकित्सक-वैज्ञानिक डॉ भारती कुलकर्णी ने बुधवार को आईसीएमआर -राष्ट्रीय पोषण संस्थान (आईसीएमआर-एनआईएन) के निदेशक का पदभार संभाला। डॉ कुलकर्णी ने पुणे विश्वविद्यालय से बाल रोग में विशेषज्ञता हासिल की है और जॉन्स हॉपकिन्स ब्लूमबर्ग स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ, यूएसए से सार्वजनिक स्वास्थ्य में मास्टर डिग्री प्राप्त की है। उन्होंने क्वींसलैंड यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, ऑस्ट्रेलिया से डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की है। उन्होंने 20 से अधिक वर्षों तक आईसीएमआर-एनआईएन में एक वैज्ञानिक के रूप में कार्य किया और पिछले तीन वर्षों से, वह भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), नई दिल्ली में प्रजनन और बाल स्वास्थ्य और पोषण विभाग के प्रमुख का पद संभाल रही हैं।

उन्होंने महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्वास्थ्य पोषण समस्याओं, विशेष रूप से मातृ एवं शिशु पोषण के क्षेत्र में, जिसमें एनीमिया, बाल कुपोषण, स्वास्थ्य और बीमारी की विकासात्मक उत्पत्ति, शरीर की संरचना, आहार विविधता को बढ़ावा देने के लिए समुदाय-आधारित हस्तक्षेप, कृषि-पोषण संबंध शामिल हैं, पर कई बड़ी बहु-केंद्रित शोध परियोजनाओं की अवधारणा बनाई और उनका नेतृत्व किया है। इन अध्ययनों से उत्पन्न साक्ष्य ने स्वास्थ्य और पोषण नीतियों और कार्यक्रमों को मजबूत करने में योगदान दिया है। उन्होंने छोटे बच्चों के लिए पूरक आहार में सुधार, भारतीय बच्चों के लिए विकास और वृद्धि मानकों के मानदंडों को उन्नत करने और एनीमिया और मृत जन्म को कम करने के लिए आईसीएमआर की बहु-साइट राष्ट्रीय स्वास्थ्य अनुसंधान प्राथमिकता परियोजनाओं की अवधारणा और आरंभ में भी योगदान दिया है। उन्हें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय वित्त पोषण एजेंसियों से कई शोध अनुदान मिले हैं। उन्होंने उच्च-प्रभाव वाले सहकर्मी-समीक्षित अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं, कई पुस्तक अध्यायों और नीति दस्तावेजों में 130 से अधिक प्रकाशन लिखे हैं।

उन्हें डॉ. राजम्मल पी देवदास और डॉ. पीजी तुलपुले के सम्मान में भाषण पुरस्कार से सम्मानित किया गया है और वे नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज, भारत की फेलो हैं।

भाजपा नेता गोविंद राठी का अभिनंदन करते हुए लव फॉर काऊ फाउंडेशन के जसमत पटेल, रिद्धिश जागीरदार, मुकेश चौहान, तरुण मेहता, आर के जैन, जगन्नाथ मठ के महंत अजय स्वामी व अन्य।

माँ दुर्गा की कृपा संस्था द्वारा दारूलशिफ़ा स्थित रेनबो होम्स स्नेहघर में करीब 50 बच्चों में अल्पहार वितरित किया । उक्त कार्य में इंचार्ज ममता ने पूर्ण सहयोग प्रदान किया । अल्पहार सेवा मुंबई निवासी स्व. भाविन मच्छार की स्मृति में की गई । सेवा में मुकुंद लाल अग्रवाल, विनय किशोर तायल, श्रीमती संतोष अग्रवाल, एडवोकेट हेमा मालिनी तायल, शारदा अग्रवाल ने सहयोग प्रदान किया।

सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ आयोजित

हैदराबाद, 01 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। देवभूमि उत्तराखंड सेवा संस्थान की महिला अध्यक्षा श्रीमती दीप्ति रावत के निवास पर श्री दक्षिणेश्वर केदारनाथ मंदिर ट्रस्ट और सर्वदलीय गौरक्षा मंच के संस्थापक सदस्यों ने 31 दिसंबर की अर्धरात्रि को सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया और नव वर्ष 011 जनवरी को महेंद्रा हिल्स स्थित मां वैष्णों देवी दरबार मंदिर में ललिता माता की साधिका श्रीदेवी और टीम के साथ श्री त्रिपुर सुंदरी राज राजेश्वरी ललिता अम्बा का सहस्त्राचन किया ।

इस अवसर पर श्री नयाल सनातनी ने बताया कि अंग्रेजी नववर्ष पर भी अवकाश का दिन होने के कारण सभी ने सामूहिक रूप से दुर्गा चालीसा, मां वैष्णों के भजन कीर्तन करके सामूहिक आरती की । नव वर्ष पर प्रातः से वैष्णो देवी मंदिर की परम साधिका दीदी मां राजी गुप्ता के अनुरोध पर ललिता माता साधिका श्री देवी रोजा, कल्याणी नायडू, लता रेड्डी, अनुराधा, कमल पंथ, प्रेम नयाल, रीना, आसा, विजेता चौहान, ऊषा, दीप्ति रावत, मंजू मिश्रा आदि ने सामूहिक ललिता सहस्त्र नाम दिव्य पाठ कर वैष्णो माता की पूजा-अर्चना की । उत्तराखंड संस्थान के बलवीर रावत, योगेश सिंह, मनोज प्रभाकर पैनोली, राजेश मिश्रा, रमाकांत राजेंद्र रावत आदि अनेक भक्तों ने भजनों का आनंद लिया ।

श्री नयाल सनातनी ने बताया कि अंग्रेजी नववर्ष पर भी अपनी संस्कृति को हमें नहीं भूलना चाहिए ।उन्होंने कहा कि हमें परनिंदा से दूर रहकर गौमाता और गौरी-गणेश, भगवान केदारनाथ की नित्य आराधना से कल्याण का मार्ग मिलेगा । बुराई में भी अच्छाई ढूंढ लेना ही सनातन संस्कृति है ।

एनआरआई से व्हीलचेयर के लिए चार्ज किया 10 हजार, रेलवे ने पोर्टर का लाइसेंस रद्द किया

नई दिल्ली, 01 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हज़रत निज़ामुद्दीन रेलवे स्टेशन पर रेलवे के लाइसेंसी पोर्टर द्वारा एनआरआई यात्री को व्हीलचेयर से प्लेटफॉर्म तक पहुंचाने के एवज में 10 हजार रुपये लेने का मामला प्रकाश में आने के तुरंत बाद, मंडल रेल प्रबंधक, दिल्ली मंडल ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोषी लाइसेंसी पोर्टर (कुली) के खिलाफ कड़ी प्रशासनिक और कानूनी कार्रवाई करते हुए उसका बिल्ला वापस ले लिया गया है। इसके अलावा मामले में हस्तक्षेप करके यात्री को 90% राशि वापस करवा दी गई है।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में रेलवे प्रशासन ने कहा कि रेलवे यात्री हित को सर्वोपरि मानता है और ऐसी घटनाओं को बर्दाश्त नहीं करेगा। रेलवे प्रशासन ऐसी घटनाओं के प्रति शून्य सहिष्णुता की पालिसी रखता है।

मंडल रेल प्रबंधक, दिल्ली मंडल ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि रेलवे यात्रियों को सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस तरह की घटनाएं रेलवे की छवि को धूमिल करती हैं और यात्रियों के विश्वास को कमजोर करती हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि ऐसे मामलों में दोषी व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।रेलवे प्रशासन सभी यात्रियों से अपील की है कि यदि उन्हें किसी भी प्रकार की समस्या का सामना करना पड़े तो तुरंत रेलवे हेल्पलाइन नंबर 139 पर संपर्क करें।

त्रैमासिक हिंदी कार्यशाला का आयोजन

हैदराबाद, 01 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

क्षेत्रीय होम्योपैथी अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद (आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के तहत) द्वारा त्रैमासिक हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती नीता बेटिगेरी, सहायक निदेशक, केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान, हैदराबाद शामिल हुईं। संस्थान के प्रभारी अधिकारी डॉ. पी. हिमा बिंदु, वैज्ञानिक-3 ने स्वागत भाषण दिया और अतिथि का परिचय दिया। मुख्य अतिथि श्रीमती नीता बेटीगेरी ने राजभाषा के रूप में हिंदी के महत्व और इसकी उद्भव पर व्याख्यान दिया। उन्होंने संगठन के कुशल कामकाज के लिए हिंदी के आधिकारिक कार्यान्वयन के लिए हिंदी में प्रशिक्षण पर भी जोर दिया। प्रशिक्षण के विभिन्न स्तरों और नामांकन के लिए उनकी पात्रता पर भी चर्चा की गई। हिंदी की व्याकरण का उपयोग सरल भाषा में संक्षिप्त में सबको अवगाथ करवाएं। इस अवसर पर प्रतिभागियों को आसानी से हिंदी सीखने के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए हिंदी व्याकरण संबंधी गतिविधि भी आयोजित की गई। कार्यशाला का समापन डॉ. किरणमयी, वैज्ञानिक-2 के धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया।

नववर्ष कार्यक्रम मनाते हुए अमृत चिट्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के चेयरमैन अमृत कुमार जैन, निदेशक अभय जैन, निदेशक सक्सेना। साथ में हैं प्रबंधक रामेश्वर, रमेश, निरंजन, रमेश एवं अन्य कर्मचारी।

श्री नीलकंटेश्वर महालक्ष्मी मंदिर, भगवानगंज, कोलसावाड़ी में आयोजित प्रसादी के अवसर पर उपस्थित पं. महेशचंद्र व्यास (मोनी गुरु), निलेश महाराज, लखन महाराज, रामदेव नागला, घनश्याम दवे, प्रवीण त्रिवेदी, गिरधर दवे, श्याम व्यास, दिनेश कुमार नागला, संतोष व्यास, अजय ठाकुर, किशोर दवे एवं अन्य।

कुंभ मेला अग्रवाल बंधु द्वारा भण्डारा आयोजित

हैदराबाद, 01 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। कुंभ मेला अग्रवाल बंधु, अशोक फाउंडेशन के तत्वावधान में अमावस्या के अवसर पर अशोक फाउंडेशन अध्यक्ष पंकज कुमार अग्रवाल के नेतृत्व में भण्डारा चौक-रिकाबगंज में भंडारा का आयोजन किया गया। भंडारा कार्यक्रम का शुभारंभ देवी अन्नपूर्णा, मां भगवती की पूजा अर्चना के साथ पंकज कुमार अग्रवाल, श्रीनिवास व अन्य कार्यकर्त्ताओं की उपस्तिथ में धर्म की जय घोष के साथ किया गया । जिसमें स्थानीय लोगों ने हर्षोल्लास के साथ सम्मिलित होकर भंडारे प्रसाद का लाभ लिया।

प्रवर्तन निदेशालय आज से फॉर्मूला ई-रेस मामले की करेगा जांच

हैदराबाद, 01 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष एवं तेलंगाना के पूर्व नगरपालिका मंत्री के टी रामा राव (केटीआर) को फॉर्मूला ई रेस मामले में एक विदेशी संस्था को 45 करोड़ रुपये स्थानांतरण करने के आरोप में सात जनवरी को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने पेश होना है।

इस मामले में ईडी ने पहले केटीआर को समन जारी किया था और आईएएस अधिकारी अरविंद कुमार, नगर प्रशासन और शहरी विकास (एमएयूडी) विभाग के पूर्व प्रधान सचिव और हैदराबाद महानगर विकास प्राधिकरण (एचएमडीए) के पूर्व मुख्य अभियंता बीए एन रेड्डी को क्रमशः 2 और 3 जनवरी को अपने समक्ष पेश होने के लिए कहा था।ईडी भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) द्वारा दर्ज की गई एफआईआर के आधार पर धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत जांच कर रहा है। यह एफआईआर हैदराबाद में 2023 में फॉर्मूला-ई कार रेस के आयोजन में 55 करोड़ रुपये की कथित वित्तीय अनियमितताओं के संबंध में दर्ज की गई है। ईडी यह भी जांच कर रहा है कि क्या विदेशी कंपनी फॉर्मूला-ई ऑर्गनाइजर्स (एफओई) को 45 करोड़ रुपये के हस्तांतरण में कोई

विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) का उल्लंघन हुआ था। पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के बेटे केटीआर के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के साथ-साथ भारतीय दंड संहिता की धारा 409 (आपराधिक विश्वासघात) और 120 बी (आपराधिक साजिश) के तहत 19 दिसंबर को दर्ज एसीबी एफआईआर का संज्ञान लेते हुए ईडी ने 20 दिसंबर को केटीआर, अरविंद कुमार और रेड्डी के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया।

भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 13(1)(ए) के अलावा धारा 409 (आपराधिक विश्वासघात) और 120-बी (आपराधिक साजिश) के तहत दर्ज एफआईआर में, केटीआर को मुख्य आरोपी बनाया गया था, जबकि अरविंद कुमार और रेड्डी को क्रमशः दूसरा और तीसरा आरोपी बनाया गया था।मंगलवार को तेलंगाना उच्च न्यायालय ने हैदराबाद में फॉर्मूला-ई कार रेस के आयोजन में कथित वित्तीय अनियमितताओं के संबंध में उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर को चुनौती देने वाली केटीआर द्वारा दायर रद्द करने की याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। याचिका पर दलीलें सुनने के बाद अदालत ने अंतरिम आदेश भी बढ़ा दिया जिसमें निर्देश दिया गया कि फैसला आने तक पुलिस केटीआर को गिरफ्तार न करे।

हजारों लोगों ने समृद्ध 2025 के लिए आशीर्वाद मांगा, पूजा स्थलों पर उमड़ी भीड़

हैदराबाद, 01 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) ।
हैदराबाद और आसपास के जिलों मेडचल-मलकजगिरी और रंगारेड्डी में सभी धर्मों और समुदायों के लोगों के पूजा स्थल बुधवार को नए साल 2025 के पहले दिन खचाखच भरे रहे। कई लोग शांतिपूर्ण 2024 के लिए धन्यवाद देने के लिए आए, वहीं कुछ ऐसे भी थे जिन्होंने प्रार्थना की और आने वाले समृद्ध वर्ष के लिए ईश्वर का आशीर्वाद मांगा।

बुधवार की सुबह से ही हैदराबाद भर के मंदिरों, चर्चों और गुरुद्वारों के प्रबंधन ने सफाई की गतिविधियाँ शुरू कर दीं और बाद में विशेष अनुष्ठान और धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए, जिसमें अपने सदस्यों के लिए बेहतर वर्ष और सभी की समृद्धि के लिए प्रार्थना की गई। हैदराबाद के प्रसिद्ध मंदिर, जो नए साल के पहले दिन बड़ी संख्या में भक्तों को आकर्षित करने के लिए जाने जाते हैं, जिनमें बिरला मंदिर, चिलकुर बालाजी मंदिर, टीटीडी श्री वेंकटेश्वर मंदिर, हिमायतनगर, जुबली हिल्स पेद्दाम्मा मंदिर, सिकंदराबाद और हैदराबाद में इस्कॉन मंदिर, बंजारा हिल्स में हरे कृष्ण मंदिर, जगन्नाथ स्वामी मंदिर, श्री कनकदुर्गा नागलक्ष्मी मंदिर, बशीरबाग में बड़ी संख्या में भक्त शामिल हुए।बड़ी संख्या में परिवार सेंट एंथोनी चर्च, मेट्टुगुडा, ऑल सेंट्स चर्च, त्रिमुलगिरी और होली ट्रिनिटी चर्च, बोलारम में आयोजित विशेष प्रार्थनाओं में शामिल होने के लिए पहुंचे। सिकंदराबाद क्षेत्र में बड़ी संख्या में समारोह हॉल नए युग के ईसाई प्रचारकों द्वारा बुक किए गए थे, जिन्होंने नए साल 2025 के पहले दिन के अवसर पर विशेष प्रार्थनाएँ कीं।

तेलंगाना : 2024 में यातायात उल्लंघनकर्ताओं से 535 करोड़ का जुर्माना वसूला गया

हैदराबाद, 01 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) ।
यातायात पुलिस विभाग ने 2024 (15 दिसंबर तक) के दौरान राज्य में मोटर वाहन अधिनियम (एमवी अधिनियम) के प्रावधानों के उल्लंघन के विभिन्न प्रकार के 1.57 लाख से अधिक मामलों में जुर्माना के रूप में 535 करोड़ रुपये वसूले हैं। हालांकि, यह पिछले साल की तुलना में थोड़ा कम था।

राज्य यातायात पुलिस विभाग द्वारा जारी वार्षिक आंकड़ों के अनुसार, पिछले साल 1,57,68,339 मामले दर्ज किए गए और 540.91 करोड़ रुपये का जुर्माना वसूला गया।

राज्य में दर्ज कुल मामलों में से दो-तिहाई तीन आयुक्तालयों: हैदराबाद, साइबराबाद और राचकोंडा के अंतर्गत थे।यातायात पुलिस ने वर्ष के दौरान अकेले हैदराबाद शहर में नशे में गाड़ी चलाने के 55,234 मामले दर्ज किए और अपराधियों से 10.69 करोड़ रुपये का जुर्माना वसूला।

मुलुगु और भूपालपल्ली जिलों में सबसे कम मामले दर्ज किए गए।हेलमेट न पहनना, तेज गति से वाहन चलाना, सिग्नल जंप करना और वाहन चलाते समय मोबाइल पर बात करना जैसे उल्लंघन सड़कों और चौराहों पर लगे सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड हो रहे हैं।

सनतनगर लोढ़ा में नव वर्ष मनाते हुए शैफरोन डायरेक्टर सपना-विमल गुप्ता, सैफरन डायरेक्टर विनीत-भाग्यश्री गुप्ता।

नव भारत संगम का कैलेंडर विमोचित

हैदराबाद, 01 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
जियागुड़ा पार्षद बोहिनी दर्शन ने ईमामपुरा स्थित श्रीश्री रेणुका येलम्मा मंदिर में नव भारत संघ का कैलेंडर-2025 का अनावरण किया।प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार नवभारत संगम के तत्वावधान में तैयार नववर्ष कलामणि-2025 का विमोचन जियागुड़ा के पार्षद बोहिनी दर्शन द्वारा अध्यक्ष मधिरा सत्यनारायण, कुलसुमपुरा पुलिस स्टेशन एसआई के. राजेश्वर के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में श्री श्री रेणुका एलम्मा मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद किया एवं सभी को नव वर्ष की शुभकामनाएँ दी।

इस अवसर पर श्री दर्शन ने कहा कि वे जियागुड़ा डिवीजन को एक आदर्श डिवीजन बनाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। जियागुड़ा डिवीजन में बिजली संभाग का विकास चरणबद्ध तरीके से किया जा रहा है। इस मौके पर नव भारत संगम की अध्यक्ष मधिरा सत्यनारायण ने कहा कि ईमामपुरा जियागुड़ा डिवीजन में काफी पीछे है। उन्होंने कहा कि यहां पर मच्छरों के प्रकोप से लोग बीमार पड़ रहे हैं। इस पर पार्षद बोहिनी दर्शन ने कहा कि जियागुड़ा डिवीजन के ईमामपुरा में जल्द ही विकास कार्य शुरू किए जाएंगे।कार्यक्रम में नव भारत संगम के अध्यक्ष मधिरा सत्यनारायण, उपाध्यक्ष जी. विनय कुमार, महासचिव वाई. जसवन्त कुमार, कोषाध्यक्ष एम. महेश बाबू एसोसिएशन के प्रतिनिधि जी. बालकिशन, डी. लक्ष्मीनारायण, सी नरसिंग राव, सैम, ए. गौतम, वी. अरुण, एस. अर्जुन व अन्य शामिल हुए।

राधाकृष्ण गुजराती भोजनालय का भव्य शुभारंभ

हैदराबाद, 01 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
सिकंदराबाद झिरा स्थित गुजराती स्कुल प्रांगण में राधाकृष्ण गुजराती भोजनालय का उद्घाटन बुधवार दि. 01 जनवरी को जसमतभाई पटेल, जसभाई पटेल, जनकभाई ब्रह्मभट्ट के करकमलों से सम्पन्न हुआ।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में राधाकृष्ण गुजराती भोजनायल के संचालक अनुप पटेल ने बताया कि उक्त कार्यक्रम में लव फोर काऊ फाउ्णडेशन के चेयरमेन जसमतभाई पटेल, श्री गुजराती सेवा मंडल के मानद मंत्री जनकभाई ब्रह्मभट्ट, सम्माननिय अतिथि के रूप में गुजराती सेवा मंडल के ट्रस्टी जसभाई पटेल, प्रमुख समाजसेवी रमेशभाई मजेठीया, जागीरदार फाउंडेशन मंत्री रिद्धीश रमेश जागीरदार, गुजराती ब्राह्मण समाज अध्यक्ष तरूणभाई महेता, जैन संस्कार वाटीका सलाहकार मुकेश चौहान जैन आदि गणमान्य ने भाग लिया।

अनुप पटेल ने आगे कहा कि नव उद्घाटित राधाकृष्ण गुजराती भोजनालय में दोपहर एवं सायंकाल में शुद्ध व सात्विक गुजराती भोजन (थाली) तथा ऑडर के मुताबिक थेपला, खाखडा, फाफडा, जलेबी, गाठीया आदि मिलेगा। बहारगांव जाने वाले या पर्यटन के अंतर्गत नगर आने वाले सभी भोजन प्रेमियों के लिए यह एक अनोखा स्थल रहेगा। जहाँ गुजराती थाली खाने के इच्छुक को उनके पसंद अनुरूप भोजन मिलेगा।

इस अवसर पर नानजीभाई पटेल, नरेन्द्र कोटक, कौशीक पटेल, हरेश पटेल, रमेशभाई नेगांधी, विष्णु पटेल, दिनेश लालगुरू, भीमजीभाई पटेल, विजय शाह, दिनेश, विष्णु पटेल, वंदना पटेल, कपिला पटेल, विजय पटेल, सोनल पटेल आदि बडी संख्या मे लोग उपस्थित थे।

अवसर पर संचालक परिवार का श्री गुजराती सेवा मंडल एवं लव फॉर काऊ टीम की ओर से अभिनंदन किया गया।

थैलेसीमिया और सिकल सेल सोसाइटी ने किया स्टाफ और मरीजों के साथ नववर्ष का स्वागत

हैदराबाद, 01 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
थैलेसीमिया और सिकल सेल सोसाइटी ने नए साल 2025 का स्वागत एक प्रेरणादायक उत्सव मनाया, जिसमें स्टाफ, मरीज और उनके परिवार के लोग खुशी, उम्मीद और सामुदायिक एकजुटता के लिए एक साथ आए। उक्त कार्यक्रम का उद्देश्य थैलेसीमिया से पीड़ित लोगों के साथ-साथ उनके स्वास्थ्य के लिए अथक परिश्रम करने वाले समर्पित चिकित्सा और सहायक कर्मचारियों के बीच बंधन को मजबूत करना था।

थैलेसीमिया और सिकल सेल सोसाइटी के अध्यक्ष डॉ. चंद्रकांत अग्रवाल ने समारोह में सक्रिय रूप से भाग लिया, और वर्ष के दौरान टीएससीएस द्वारा की गई प्रगति और इन स्थितियों से पीड़ित लोगों को निरंतर सहायता की आवश्यकता के महत्व पर प्रकाश डाला।

अग्रवाल समाज मलकपेट के तत्ववाधान में प्रतिमाह अनुसार मासिक अन्नाप्रसाद का आयोजन गंज स्थित अग्रसेन हॉल के पास किया गया। जिसमें 600 लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर शाखा के मानद मंत्री प्रदीप बंसल, सह मंत्री शैलेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सत्यनारायण मोदी, केंद्रीय समिति सदस्य लाजपतराय गुप्ता, परामर्शदाता महावीर प्रसाद अग्रवाल, गोविंद नारायण मोदी, श्याम सुंदर अग्रवाल, हरिश्चंद्र बजाज, सुरेश गोयल, पंकज पटवारी, गोपाल मोदी, आयुष गोयल, धर्मेश अग्रवाल, जितेंद्र गोयल ने अपनी सेवा प्रदान की।

राधे राधे ग्रुप द्वारा अन्नदान किया गया

हैदराबाद, 01 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत बुधवार को हरचंद्रराय कौशल्यादेवी अग्रवाल परिवार (पटवारी फार्मा, भोईगुड़ा) द्वारा नामपल्ली स्थित पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर पर रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, महेश अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, ई. जगन (चंपापेट), रोहित अग्रवाल उमाकांत गुप्ता, उर्मिला गुप्ता, प्रीतिका अग्रवाल, राजेश योगा सरजी, संजय गोयल, भगतराम गोयल, मनीष फिटकारीवाला, सोनू फिटकारीवाली, संजय अग्रवाल, सविता अग्रवाल, कैलाशचंद केडिया, निर्मला केडिया एवं राधे राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित थे।

20 वर्षीय पर्वतारोही माउंट गोरीचेन मुख्य शिखर पर चढ़ने वाले सबसे युवा पर्वतारोही बने

हैदराबाद, 01 जनवरी(शुभ लाभ ब्यूरो)।
एक अभूतपूर्व उपलब्धि में तेलंगाना के महबूबाबाद के 20 वर्षीय भुक्या यशवंत नाइक ने 6,488 मीटर ऊंचे माउंट गोरीचेन मुख्य शिखर पर सफलतापूर्वक चढ़ाई की है । ऐसा करने वाले वह सबसे कम उम्र के व्यक्ति बन गए हैं। तेलंगाना के एक आदिवासी क्षेत्र से पूर्वी हिमालय की सबसे कम चढ़ाई वाली चोटियों में से एक के शिखर तक की उनकी यात्रा उनके अटूट समर्पण और रोमांच के प्रति जुनून का प्रमाण है। समाचार एजेंसी से बात करते हुए, युवा पर्वतारोही यशवंत ने कहा, मैंने अपनी स्कूली शिक्षा और आगे की शिक्षा अपने जिले में पूरी की है। मैं वर्तमान में अपनी डिग्री की पढ़ाई कर रहा हूं। मैंने अपनी इंटरमीडिएट की शिक्षा के दौरान ही पर्वतारोहण की यात्रा शुरू कर दी थी। मैंने हमेशा रक्षा सेवाओं में शामिल होने का सपना देखा था । अपनी जीवनशैली के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, हमारी कोई विशेष जीवनशैली नहीं है। मैं हर दिन सुबह दौड़ता हूं और बाद में लगभग 2 घंटे तक शारीरिक फिटनेस करता हूं। मैं अपना खाना खुद बनाता हूं और खाता हूं।

वे अपने अभियानों के बारे में बताते हुए कहा कि मेरा हालिया अभियान माउंट गोरीचेन है। मैं माउंट गोरीचेन पर चढ़ने वाला सबसे कम उम्र का व्यक्ति हूँ । यह एक बहुत ही कठिन चोटी और भूभाग है। हम इस पर्वत पर चढ़ने वाले पहले नागरिक हैं। इससे पहले, मैंने रूस में माउंट एल्ब्रस, दक्षिण अफ्रीका में माउंट किलिमंजारो, ऑस्ट्रेलिया में माउंट कोसियसज़्को, लद्दाख में कांग यात्से हिल, हिमाचल में माउंट युनम और अन्य पर चढ़ाई की है। माउंट गोरीचेन

शिखर पर , उन्होंने कहा, यह अभियान बहुत कठिन है। भूभाग बहुत कठिन है। हमें ग्लेशियरों पर चलना पड़ा। बेस कैंप से 2 घंटे चलने के बाद, हर जगह ढीली चट्टानों के साथ एक पूरा ग्लेशियर था। ऐसे भूभाग पर चलना बहुत मुश्किल है। हमारी टीम ने बहुत संघर्ष किया। बेस कैंप तक, सब कुछ सामान्य था लेकिन बेस कैंप से समिट कैंप तक, भूभाग बहुत कठिन था। हमें 200 मीटर तक जुमारिंग करनी थी लेकिन ग्लेशियर पर ढीली चट्टानें होने के कारण वे अक्सर हम पर गिरती रहीं। यह अब तक का सबसे कठिन भूभाग था जिस पर मैंने चढ़ाई की है। हमारी समिट टीम में 6 लोग शामिल थे। वह कहते हैं कि उनका सपना माउंट एवरेस्ट और 7 महाद्वीपों की 7 सबसे ऊंची चोटियों पर चढ़ने का है। अपने एक अविस्मरणीय अनुभव को याद करते हुए उन्होंने कहा, मैं 13 दिन के वीज़ा के साथ माउंट एल्ब्रस गया था। लेकिन वहाँ पहुँचने के बाद, मौसम -22 था और हम शिखर पर नहीं पहुँच सके। हम 3-4 दिनों तक बेस कैंप में रहे। यह सब आखिरी दिन तक सीमित था जब मुझे तय करना था कि पहाड़ पर चढ़ना है या वापस लौटना है। मैंने वहाँ रहने के लिए कई संघर्षों का सामना किया था और इसलिए मैंने जारी रखने का फैसला किया। हमने खराब मौसम के बावजूद रात 9 बजे शिखर पर चढ़ना शुरू किया। कुछ घंटों की पैदल यात्रा के बाद, मौसम बहुत ठंडा था। हमने 3900 मीटर की ऊँचाई पर बेस कैंप से शुरुआत की और 5000 मीटर की ऊँचाई तक, तेज़ हवाओं के साथ मौसम बहुत कठिन था। उस समय, मैं लगभग हार मानने ही वाला था। मेरे शेरपा ने मेरा बहुत साथ दिया। लेकिन शिखर पर पहुँचने और नज़ारा देखने के बाद, मैं सब कुछ भूल गया। पर्वतारोही भुक्या यशवंत के भाई अन्वेश भुक्या ने कहा, यशवंत बचपन से ही बहुत सक्रिय थे और उन्होंने 15 साल की उम्र में इंटरमीडिएट के दौरान पर्वतारोहण की यात्रा शुरू की थी। उन्होंने अब तक कई उपलब्धियां हासिल की हैं। उनका परिवार बहुत सहायक है, लेकिन वे आर्थिक रूप से गरीब हैं। उनके माता-पिता उनके लिए बहुत डरते हैं, लेकिन उनकी उपलब्धियों को देखकर, वे अब खुश हैं। मुझे उम्मीद है कि वह कई ऊंचे पहाड़ों पर चढ़ेंगे।

वेस्ट हैम यूनाइटेड के स्ट्राइकर माइकल एंटोनियो को अस्पताल से मिली छुट्टी

लंदन, 01 जनवरी (एजेंसियां)।

वेस्ट हैम यूनाइटेड के स्ट्राइकर माइकल एंटोनियो को एक गंभीर कार दुर्घटना के बाद अस्पताल में तीन सप्ताह बिताने के बाद मंगलवार से छुट्टी दे दी गई है। 7 दिसंबर को एपिंग, एसेक्स में हुई दुर्घटना के बाद एंटोनियो के निचले अंग में फ्रैक्चर की सर्जरी की गई थी और उन्हें सेंट्रल लंदन के एक अस्पताल में ले जाया गया था। नेशनल हेल्थ सर्विसेज और एयर एम्बुलेंस यूके की त्वरित प्रतिक्रिया के बाद, कार में फंसे एंटोनियो को वाहन से बाहर निकाला गया और अस्पताल ले जाया गया। ईस्ट लंदन स्थित इस क्लब ने एनएचएस और एयर एम्बुलेंस को उनकी सेवाओं के लिए धन्यवाद देने के लिए चैरिटी के माध्यम से 60,000 पाउंड तक जुटाए हैं। क्लब की ओर से मंगलवार को जारी बयान में कहा गया, वेस्ट हैम यूनाइटेड ने हाल ही में प्रीमियर लीग में वॉल्वरहैम्प्टन वांडरर्स के खिलाफ़ खेले गए मैच में पहने गए कपड़ों की नीलामी के बाद एनएचएस और एयर एम्बुलेंस यूके चैरिटी को लगभग 60,000 पाउंड का दान दिया है। मिशेल एंटोनियो की सड़क दुर्घटना के बाद हुई नीलामी से प्राप्त राशि एनएचएस और एयर एम्बुलेंस यूके चैरिटी के बीच बराबर-बराबर बांटी जाएगी, जो यूके की एयर एम्बुलेंस चैरिटी के जीवन रक्षक कार्यों का समर्थन करने वाली राष्ट्रीय चैरिटी है। एंटोनियो प्रीमियर लीग में वेस्ट हैम के सर्वकालिक शीर्ष स्कोरर हैं, जिन्होंने 268 लीग मैचों में 68 गोल किए हैं।

वेस्ट हैम के कप्तान जेरेड बोवेन ने कहा, हम सभी एनएचएस और एयर एम्बुलेंस यूके दोनों द्वारा मिशेल को उनके और उनके परिवार के लिए चुनौतीपूर्ण समय के दौरान दी गई देखभाल के लिए आभारी हैं, और वे देश भर के लोगों के लिए हर दिन जो करते रहते हैं, उसके लिए भी आभारी हैं। कठिन समय के दौरान एक साथ रहना ही वेस्ट हैम यूनाइटेड का हिस्सा होना है और टीम की ओर से, मैं दो महान कारणों के लिए अविश्वसनीय राशि जुटाने में हमारी मदद करने के लिए सभी को धन्यवाद देना चाहता हूँ। वेस्ट हैम यूनाइटेड की मुश्किलें और बढ़ गई हैं, एंटोनियो के बाहर होने के बाद, क्लब ने इस खबर के साथ अपने सीज़न को एक बड़ा झटका दिया है कि कप्तान जेरोड बोवेन के पैर में फ्रैक्चर हो गया है। यह चोट रविवार को लंदन स्टेडियम में लिवरपूल के खिलाफ़ हैमर्स की 0-5 की हार के दौरान लगी थी।

न्यूज ब्रीफ

कार्लसन ने नेपोमनियाचची के साथ साझा किया ब्लिट्ज़ खिताब, महिला वर्ग में वेनजुन चैंपियन

नई दिल्ली। ऐतिहासिक और पहले कभी न देखे गए परिणाम के तहत, मौजूदा विश्व ब्लिट्ज़ चैंपियन नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन ने बुधवार को न्यूयॉर्क के वॉल स्ट्रीट में रूस के इयान नेपोमनियाचची के साथ 2024 विश्व ब्लिट्ज़ चैम्पियनशिप का खिताब साझा किया। दोनों खिलाड़ियों ने सडन डेथ में लगातार तीन बार ड्रॉ खेला, जिसके बाद खिताब साझा करने का फैसला किया गया। इससे पहले, कार्लसन ने लगातार दो जीत के साथ फाइनल की शुरुआत की और जीतने के लिए उन्हें सिर्फ़ एक ड्रॉ की ज़रूरत थी, लेकिन नेपोमनियाचची ने अविश्वसनीय लड़ाई और लचीलापन दिखाया। उन्होंने डिमांड पर एक बार नहीं बल्कि दो बार जीत हासिल की, अंतिम स्कोर 2.0-2.0 से बराबर होने के बाद सडन डेथ को मजबूर किया। तीन सडन-डेथ गेम्स में दोनों खिलाड़ियों के बीच कोई अंतर नहीं था और कार्लसन ने नेपोमनियाचची को खिताब साझा करने की पेशकश की, और फीडे ने अंतिम पुष्टि की। यह फाइनल 2021 क्लासिकल वर्ल्ड चैंपियनशिप मैच का दोहराव था, जिसमें नेपोमनियाचची कार्लसन से मैच हार गए थे। संयोग से, कार्लसन ने नेपोमनियाचची के दूसरे स्थान पर रहने के अभिशाप को भी तोड़ दिया। रूसी खिलाड़ी सात अलग-अलग मौकों पर फाइनल में लड़खड़ाने के बाद खिताब जीतने में विफल रहे थे। उन्होंने 2013, 2015 और 2021 विश्व रैपिड चैम्पियनशिप, 2014 विश्व ब्लिट्ज़ चैम्पियनशिप, 2022 विश्व फिशर रैंडम चैम्पियनशिप में रजत पदक जीता है और 2021 और 2023 क्लासिकल विश्व चैम्पियनशिप में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। यह कार्लसन का आठवां ब्लिट्ज़ खिताब और 18वीं प्रमुख चैम्पियनशिप जीत है, इससे पहले उन्होंने पांच क्लासिकल विश्व चैम्पियनशिप और इतनी ही रैपिड विश्व चैम्पियनशिप जीती हैं। नॉर्वे के इस खिलाड़ी की शुरुआत अच्छी नहीं रही, क्वार्टरफाइनल गेम 2 में वह यूएसए के हैंस नीमन से हार गए और पहले दो गेम के बाद मैच में 0.5-1.5 से पिछड़ गए। अपने पुराने अंदाज में कार्लसन ने जोरदार वापसी की और नीमन को लगातार दो गेम में हराया और सेमीफाइनल में पहुंचे। सेमीफाइनल में पोलैंड के जान-क्रिस्तोफ डूडा – जो चीन के डिंग लिरेन पर विश्व चैंपियनशिप में डी. गुकेश के लिए सेकंड में से एक थे – कार्लसन के सामने कोई मुकाबला नहीं कर पाए। 32 वर्षीय खिलाड़ी ने पोलैंड के खिलाड़ी को 3.0-0.0 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। महिला वर्ग में चीन की जू वेनजुन ने फाइनल में हमवतन लेई टिंगजी को हराकर महिला विश्व ब्लिट्ज चैंपियन का खिताब जीता। ओपन सेक्शन की तरह ही, फाइनल 2023 में खेले गए विश्व चैम्पियनशिप मैच का दोहराव था, जो वेनजुन और टिंगजी के बीच खेला गया था। और वेनजुन ने फाइनल में लगातार पांच गेम ड्रॉ करने के बाद अपनी चीनी समकक्ष पर डबल जीत हासिल की। नॉकआउट में भारत की एकमात्र उम्मीद, आर. वैशाली ने क्वार्टर फाइनल में चीन की झू जिनर के खिलाफ हार के साथ शुरुआत की, लेकिन चार गेम के बाद मैचअप 2.5-1.5 से जीतने के लिए जल्दी ही वापसी की।

मनु भाकर ने नववर्ष की शुभकामनाएं दीं, कहा-आइए नए संकल्पों के साथ 2025 का स्वागत करें

नई दिल्ली। डबल ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर ने बुधवार को नए साल की शुभकामनाएं दीं। भारत ने पूरे देश में जश्न के साथ 2025 का स्वागत किया और विभिन्न शहरों में लोगों ने इस अवसर को खुशी और उत्साह के साथ मनाया। कई शहरों में पार्टियों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, लाइव संगीत प्रदर्शनों और थीम वाली सजावट के साथ नए साल का जश्न शुरू हो गया। अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर मनु ने कहा, 2024 के उतार-चढ़ाव, अच्छे और बुरे के लिए चीयर्स! आइए 2025 का स्वागत नए संकल्पों के साथ करें जो हमारे जीवन को बेहतर बनाते हैं। पेरिस ओलंपिक का मुख्य आकर्षण निशानेबाज मनु भाकर का प्रदर्शन था। 22 वर्षीय मनु स्वतंत्रता के बाद के युग में ओलंपिक के एक ही संस्करण में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय एथलीट बन गईं। इससे पहले यह गौरव पेरिस 1900 खेलों में नॉर्मन प्रिचर्ड के नाम था। मनु ने महिलाओं की व्यक्तिगत 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में तीसरा स्थान हासिल करके ओलंपिक में भारत के लिए पदक तालिका खोली, वह भारत के लिए ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली महिला निशानेबाज बन गईं। इसके बाद, सरबजोत सिंह और भाकर ने 10 मीटर एयर पिस्टल (मिश्रित टीम) स्पर्धा में कांस्य पदक जीता, जो भारत का पहला शूटिंग टीम पदक था। अपने अंतिम इवेंट में, भाकर ऐतिहासिक ग्रैंड ट्रेबल से चूक गईं और महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल शूटिंग स्पर्धा में चौथे स्थान पर रहीं। वह ओलंपिक में तीन पदक जीतने वाली पहली भारतीय बनने का अवसर चूक गईं।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में सर्वाधिक रेटिंग अंक हासिल करने वाले भारतीय गेंदबाज बने बुमराह

नई दिल्ली, 01 जनवरी (एजेंसियां)।

तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में सर्वाधिक रेटिंग अंक हासिल करने वाले भारतीय गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने मेलबर्न में एक और सफल टेस्ट मैच के बाद आईसीसी पुरुष टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है, जिसमें उन्होंने मैच में नौ विकेट लिए थे। सर गारफील्ड सोबर्स ट्रॉफी के लिए आईसीसी पुरुष क्रिकेटर ऑफ द ईयर अवार्ड और आईसीसी पुरुष टेस्ट क्रिकेटर ऑफ द ईयर अवार्ड के लिए नामित किये गए बुमराह ने रविचंद्रन अश्विन को पीछे छोड़ते हुए 907 रेटिंग पॉइंट्स हासिल किये हैं।

बुमराह अब इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर डेरेक अंडरवुड के साथ सर्वकालिक सूची में संयुक्त 17वें स्थान पर हैं। इस सूची में इंग्लैंड के तेज गेंदबाज सिडनी बार्न्स (932) और जॉर्ज लोहमैन (931) शीर्ष पर हैं। जबकि इमरान खान (922) और मुथैया मुरलीधरन (920) तीसरे और चौथे स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस, 837 रेटिंग पॉइंट के साथ टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में तीसरे स्थान पर हैं। जबकि जोस हेजलवुड 843 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं।

2025 का पहला साप्ताहिक अपडेट जिसमें सेंचुरियन में दक्षिण अफ्रीका और पाकिस्तान के बीच पहले टेस्ट और बुलावायो में जिम्बाब्वे और अफगानिस्तान के बीच टेस्ट मैच में प्रदर्शन को भी शामिल किया गया है, कमिंस ने 283 अंकों के साथ ऑलराउंडरों की सूची में अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ तीसरा थान हासिल किया है, जो अगस्त 2019 में हासिल किए गए उनके पांचवें स्थान से बेहतर है। ऑलराउंडरों की सूची में रवींद्र जडेजा 405 अंकों के साथ शीर्ष पर हैं।

मेलबर्न टेस्ट में कमिंस की 49 और 41 की पारी ने उन्हें बल्लेबाजों के बीच 10 पायदान ऊपर चढ़कर 97वें स्थान पर पहुंचा दिया है। दक्षिण अफ्रीका के मार्को जेनसन ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ पांचवीं रैंकिंग हासिल की है। उन्होंने दूसरी पारी में 52 रन देकर छह विकेट लिए, जिससे उन्हें पहली बार 800 रेटिंग अंक हासिल करने में मदद मिली। वहीं पाकिस्तान के तेज गेंदबाज मोहम्मद अब्बास ने मैच में सात विकेट लेने के बाद 23वें स्थान पर फिर से रैंकिंग में प्रवेश किया है।

नसीम शाह (छह स्थान ऊपर 33वें स्थान पर) और डेन पैटरसन (आठ स्थान ऊपर 46वें स्थान पर) सेंचुरियन में अपने प्रदर्शन के रैंकिंग में आगे बढ़े हैं, जबकि ऑस्ट्रेलिया के स्कॉट बोलैंड (सात स्थान ऊपर 38वें स्थान पर) और जिम्बाब्वे के ब्रायन बेनेट (48 स्थान ऊपर 94वें स्थान पर) भी गेंदबाजी रैंकिंग में बढ़े हैं। टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में पाकिस्तान के बाएं हाथ के बल्लेबाज सऊद शकील दूसरी पारी में 84 रन बनाकर अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ छठे स्थान पर पहुंच गए हैं। स्टीव स्मिथ 140 रन बनाकर तीन पायदान ऊपर सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल 84 और 82 रन बनाकर अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 854 रेटिंग अंकों के साथ चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं।

सेंचुरियन में 89 और 37 रन बनाकर मैन ऑफ द मैच बने दक्षिण अफ्रीका के सलामी बल्लेबाज एडेन मार्कराम आठ पायदान ऊपर चढ़कर 16वें थान पर पहुंच गए हैं, जबकि भारत के नितीश कुमार रेड्डी आठवें नंबर पर अपने शानदार शतक के बाद 20 पायदान ऊपर 53वें स्थान पर पहुंच गए हैं। सीन विलियम्स की 154 रनों की पारी ने उन्हें 653 अंकों के साथ 19वें स्थान पर पहुंचा दिया है, जो कि 2014 में ब्रेंडन टेलर के 684 अंकों तक पहुंचने के बाद जिम्बाब्वे के किसी बल्लेबाज द्वारा बनाए गए सर्वोच्च अंक हैं। रहमत शाह (234) और हशमतुल्लाह शाहिदी (246) की अफगानी जोड़ी क्रमश: 52वें और 57वें स्थान पर पहुंच गई है।

आईसीसी टी20 रैंकिंग में, श्रीलंका के पथुन निसांका बल्लेबाजों में तीन स्थान ऊपर छठे स्थान पर हैं, जबकि न्यूजीलैंड के मिशेल सेंटनर (पांच स्थान ऊपर नौवें स्थान पर) और मथेशा पथिराना (आठ स्थान ऊपर 26वें स्थान पर) अपनी टी20 श्रृंखला के पहले दो मैचों के बाद गेंदबाजी रैंकिंग में ऊपर आ गए हैं, जिसमें मेजबान न्यूजीलैंड 2-0 से आगे है।

इंग्लैंड के दिग्गज वेन रूनी को दूसरे दर्जे, के क्लब प्लायमाउथ ने कोच पद से हटाया

लंदन, 01 जनवरी (एजेंसियां)।

इंग्लैंड के पूर्व दिग्गज फुटबॉलर वेन रूनी का कोचिंग करियर मंगलवार को प्लायमाउथ आर्गीले द्वारा बर्खास्त किए जाने के बाद बर्बाद होता दिख रहा है। रूनी ने गर्मियों में तीन साल के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए थे, जिसके केवल सात महीने बाद ही वे क्लब छोड़ रहे हैं। इस क्लब के 23 मैचों में से केवल 18 अंक हासिल करने के साथ ही प्लायमाउथ इस डिवीज़न में सबसे निचले पायदान पर है। पिछले नौ मैचों में से छह में उसे हार का सामना करना पड़ा है और डिवीज़न में उसका डिफेंसिव रिकॉर्ड सबसे खराब है। उसने 51 गोल खाए हैं और केवल 22 गोल किए हैं। प्लायमाउथ ने सोशल मीडिया पर रूनी के जाने की घोषणा करते हुए कहा कि क्लब और कोच ने तुरंत प्रभाव से अलग होने पर आपसी सहमति जताई है। रूनी ने उन्हें प्रबंधन का मौका देने के लिए प्लायमाउथ को धन्यवाद दिया और कहा कि क्लब के लिए उनके दिल में हमेशा एक विशेष स्थान रहेगा। 39 वर्षीय रूनी के लिए उनके छोटे से कोचिंग करियर में यह बर्खास्तगी निराशाओं की एक श्रृंखला में नवीनतम है, जिससे किसी और के लिए उन्हें नौकरी देने का जोखिम उठाना मुश्किल हो जाएगा। बर्मिंघम सिटी में कुछ क्षण बिताने के बाद उन्हें आश्चर्यजनक रूप से प्लायमाउथ की नौकरी दी गई, जहाँ उनके प्रभारी के रूप में 15 मैचों में से केवल दो जीत और नौ हार के दौर ने क्लब को मिड-टेबल से लीग वन (तीसरे डिवीजन) में पहुंचा दिया। बर्मिंघम से पहले, रूनी ने यूएस आउटफिट, डीसी यूनाइटेड को कोचिंग दी, जिसमें 14 जीत, 14 ड्रॉ और 25 हार शामिल थीं। उनकी पहली कोचिंग नौकरी डर्बी काउंटी में थी, जहाँ उन्होंने कठिन वित्तीय परिस्थितियों में डगआउट में अपने 84 मैचों में से 24 जीते और 22 ड्रॉ किए, जो 2021-22 सीज़न के अंत में डर्बी के लीग वन में जाने के साथ समाप्त हुआ।

आयुष लिस्ट ए क्रिकेट में 150 से अधिक रन बनाने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने

अहमदाबाद। मुंबई के आयुष म्हात्रे ने यहां नगालैंड के खिलाफ विजय हजारे ट्रॉफी में 181 रनों की अपनी पारी के साथ ही एक एक अहम उपलबधि हासिल की है। आयुष अब लिस्ट ए क्रिकेट में 150 से अधिक रन बनाने वाले सबसे कम उम्र का के खिलाड़ी बन गये हैं। आयुष ने अपनी इस पारी के साथ ही यशस्वी जयसवाल का रिकॉर्ड तोड़ दिया।आयुष ने 17 साल और 168 दिन की उम्र में यशस्वी के बनाये पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया। यशस्वी ने 17 साल और 291 दिन की उम्र में साल 2019 में झारखंड के खिलाफ मुंबई की ओर से खेलते हुए 150 से अधिक रन बनाये थे। आयुष ने 11 छक्कों और 15 चौकों की मदद से केवल 117 गेंदों पर ही 181 रन बनाए। उनकी इस पारी से मुंबई ने 50 ओवर में सात विकेट पर 403 रन बनाए।

फलेवियो कोबोजी यूनाईटेड कप

सिडनी में इटली के फलेवियो कोबोजी यूनाईटेड कप टेनिस में बैकहैंड शॉट लगाते हुए।

आईपीएल में अनसोल्ड रहने के बाद डेविड वार्नर ने पीएसएल सीजन 10 ड्राफ्ट के लिए कराया पंजीकरण

नई दिल्ली, , 01 जनवरी (एजेंसियां)।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) सीजन 10 के ड्राफ्ट के लिए हस्ताक्षर करने वाले नवीनतम खिलाड़ी बन गए हैं। पीएसएल ने वार्नर के ड्राफ्ट के लिए पंजीकरण की पुष्टि करते हुए एक्स लिखा, 2024 का शानदार अंत। ऑस्ट्रेलियाई पावरहाउस डेविड वार्नर ने पीएसएल ड्राफ्ट के लिए पंजीकरण कराया है! आगामी पीएसएल सीजन 10 के लिए नीलामी का आयोजन 11 जनवरी को बलूचिस्तान के ग्वादर शहर में होगा। यह सीजन 8 अप्रैल से शुरू होगा और 19 मई को समाप्त होगा। मंगलवार को वार्नर की घोषणा से पहले, न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज टिम साउथी ने भी पीएसएल सीजन 10 के ड्राफ्ट के लिए साइन अप किया था। पीएसएल ड्राफ्ट में प्रवेश करने से पहले, वार्नर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 की मेगा नीलामी में शामिल हुए, लेकिन उन्हें अपने लिए कोई खरीदार नहीं मिला। वार्नर को ऑस्ट्रेलिया का सबसे बेहतरीन ऑल-फॉर्मेट ओपनर माना जाता है, उन्होंने टी20 विश्व कप से ऑस्ट्रेलियाई टीम के सुपर आठ से बाहर होने के बाद खेल के सभी फॉर्मेट से संन्यास ले लिया था। उन्होंने सात मैचों में दो अर्द्धशतकों सहित 178 रनों के साथ अभियान का अंत किया। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए 112 टेस्ट मैचों की 205 पारियों में 26 शतक और 37 अर्द्धशतक के साथ 44.59 की औसत से 8,786 रन बनाए। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 335* है। वह टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के लिए पांचवें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। 161 एकदिवसीय मैच खेलते हुए वार्नर ने 45.30 की औसत और 97 से ऊपर के स्ट्राइक रेट से 6,932 रन बनाए उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 179 है। वह ऑस्ट्रेलिया के लिए वनडे में छठे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। वार्नर टी20आई में ऑस्ट्रेलिया के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं, जिन्होंने 110 मैचों में 33.43 की औसत और 142.47 की स्ट्राइक रेट से 3,277 रन बनाए हैं। उन्होंने एक शतक और 28 अर्द्धशतक बनाए, जिसमें 100* का सर्वश्रेष्ठ स्कोर रहा। 383 मैचों में 18,995 रन, 49 शतक, 98 अर्द्धशतक, दो आईसीसी क्रिकेट विश्व कप खिताब, एक आईसीसी टी20 विश्व कप और आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप खिताब के साथ, वार्नर ऑस्ट्रेलिया के दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी और सभी समय के सबसे महान ऑल-फॉर्मेट सलामी बल्लेबाजों में से एक के रूप में सेवानिवृत्त हुए।

मालदीव के खिलाफ दूसरे मैच में और अधिक नए, खिलाड़ियों को मौका देंगे भारतीय कोच अलेक्जेंडरसन

बेंगलुरु, 01 जनवरी (एजेंसियां)।

जोकिम एलेक्जेंडरसन ने भारत में अपने कोचिंग करियर की शानदार शुरुआत की, उनकी कोचिंग में भारतीय महिला फुटबॉल टीम ने बेंगलुरु में फीफा महिला मैत्री मैचों में से पहले मैच में मालदीव को 14-0 से हराया। खास बात यह रही कि आठ खिलाड़ियों ने सीनियर इंडिया में पदार्पण किया, और स्वीडिश खिलाड़ी ने भरोसा दिलाया कि 2 जनवरी को होने वाले दूसरे मैच में और भी खिलाड़ी शामिल होंगे। गुणवत्ता में अंतर पहली सीटी से ही स्पष्ट था। जबकि एलेक्जेंडरसन खुश थे कि अधिकांश चीजें योजना के अनुसार काम करती हैं, अब वह यह देखने के लिए उत्सुक हैं कि गुरुवार को उनकी बेंच क्या पेश करती है। अखिल भारतीय फुटबॉल संघ (एआईएफएफ) के हवाले से उन्होंने कहा,मुझे लगता है कि हमने खेल का अच्छा उपयोग किया। हम उनके लिए बहुत बड़े थे। हमने अपने पास मौजूद लाभ का उपयोग किया और गेंद को आगे बढ़ाने, पीछे की जगह का उपयोग करने, वाइड जाने और सेंट्रल लाइन का उपयोग करने के संबंध में सुधार किया। तो हाँ, मुझे लगता है कि कुल मिलाकर यह हमारा अच्छा प्रदर्शन था। उन्होंने कहा, हम अगले गेम में शुरू से ही अधिक अनुभवहीन लड़कियों को शामिल करने के अवसर का उपयोग करने जा रहे हैं। हम कुछ रोटेशन करने जा रहे हैं। आइए देखें कि वे अगले गेम में क्या पेश कर सकते हैं। पदार्पण करने वालों में लिंडा कोम सेर्टो सबसे प्रभावशाली साबित हुईं, उन्होंने चार गोल किए। जो लोग स्ट्राइकर को उसके शुरुआती वर्षों से फॉलो करते आए हैं, वे इसे उसका सामान्य प्रदर्शन ही कहेंगे, भले ही यह उसका सीनियर डेब्यू था। लिंडा ने पहली बार तब सुर्खियाँ बटोरीं, जब उन्होंने 2017 में 12 साल की उम्र में सैफ अंडर-15 चैंपियनशिप में दो गोल किए।

वह 2022 में सैफ अंडर-18 चैंपियनशिप में मोस्ट वैल्यूबल प्लेयर और शीर्ष स्कोरर थीं,और उसी साल बाद में फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप में भारत की नंबर नौ खिलाड़ी थीं। लिंडा ने साथी सीनियर स्ट्राइकर और ओडिशा एफसी टीम की साथी प्यारी ज़ाक्सा के साथ अच्छी साझेदारी की, जिसमें दोनों ने टीम के आधे गोल किए। एलेक्जेंडरसन ने कहा, मुझे लगता है कि लिंडा ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। वह सामरिक रूप से भी अच्छी थी, हमने खेल से पहले उसके बारे में बात की थी।

19 वर्षीय लिंडा ने कहा, मैं चार गोल करके बहुत खुश हूं। यह सीनियर टीम में मेरा पहला मैच था। मैं इन गोलों को अपने परिवार, कोच और साथियों को समर्पित करना चाहती हूं। मैं आने वाले मैचों में और गोल करना चाहती हूं। ये दोस्ताना मैच हमारे लिए उपयोगी हैं क्योंकि ये हमें एक टीम के रूप में बेहतर बनने में मदद करते हैं। जुलाई में एआईएफएफ की होनहार महिला खिलाड़ी का खिताब जीतने वाली नेहा ने भी भारत के लिए अपने पदार्पण मैच में दो गोल किए। स्थानापन्न काजोल डिसूजा ने भी ऐसा ही किया। रिम्पा हलधर ने अपने ड्रिबलिंग कौशल से तीसरे आक्रमण को आग में झोंक दिया और शानदार बिल्ड-अप खेल के बाद देश के लिए अपना पहला गोल किया।

यह अनुमान लगाते हुए कि मालदीव अपनी गलतियों से सीखेगा और दूसरे मैत्रीपूर्ण मैच में अधिक सुसंगत होने का प्रयास करेगा, एलेक्जेंडरसन गेंद के साथ तेज और चालाक खेल देखना चाहता है। तथ्य यह है कि उन्होंने 66वें मिनट के बाद कोई गोल नहीं खाया, यह इस बात का सबूत है कि वे एक अच्छी रक्षात्मक इकाई हो सकते हैं। एलेक्जेंडरसन ने कहा, मैं चाहता हूं कि हम चीजों को और भी तेज करें। मुझे लगता है कि हमारे प्रतिद्वंद्वी अगले गेम में बेहतर होने जा रहे हैं, इसलिए हमें गेंद के साथ निर्णय लेने में और भी तेज होना होगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.